THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 202 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन शु.10, 2079 बुधवार, 5 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पात्रा चॉल घोटाला केस में

संजय राउत को आज भी नहीं मिली राहत, दस अक्टूबर तक जेल

मुंबई, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। मुंबई के पात्रा चॉल घोटाला केस में फंसे शिवसेना नेता संजय राउत को आज भी राहत नहीं मिली है। मुंबई की विशेष अदालत ने मंगलवार को शिवसेना सांसद संजय राउत की न्यायिक हिरासत 10 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी। अब 10 अक्टूबर को ही राउत की जमानत अर्जी पर सुनवाई होगी। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई के गोरेगांव इलाके में पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में राज्यसभा सदस्य राउत (60) को एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। इतना ही नहीं, ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले महीने पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें संजय राउत को मामले में आरोपी बनाया गया था। कोर्ट ने पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें उनका नाम धनशोधन के एक मामले में आरोपी के रूप में लिया गया है। राउत ने जमानत के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों की विशेष अदालत का रुख किया था।

पिछली सुनवाई में क्या हुआ था

विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने अभियोजन की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए शिवसेना सांसद के सहयोगी प्रवीण राउत समेत मामले के सभी आरोपियों को समन जारी किया था। शिवसेना नेता की जमानत पर सुनवाई 21 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई थी, क्योंकि उनके वकील ने कहा था कि वह आरोपपत्र का अध्ययन करना चाहते हैं और उनकी याचिका में अतिरिक्त आधार जोड़ने का फैसला करना चाहते हैं। । ईडी की जांच पात्रा 'चॉल' के पुनर्विकास और राउत की पत्नी तथा कथित सहयोगियों से संबंधित वित्तीय संपत्ति के लेनदेन में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। संजय राउत की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए ईडी ने पिछले हफ्ते अदालत को बताया था कि उन्होंने पात्रा चॉल पुनर्विकास से जुड़े धनशोधन मामले में प्रमुख भूमिका निभाई और 'पर्दे के पीछे' काम किया। ईडी ने राउत की इस दलील का भी खंडन किया था कि उनके खिलाफ कार्रवाई किसी द्वेष या राजनीतिक प्रतिशोध के चलते की गई है।

क्या है पात्रा चॉल जमीन घोटाला केस?

पात्रा चॉल जमीन घोटाले की शुरुआत 2007 से हुई। महाराष्ट्र हाउसिंग एंड डिवलपमेंट अथॉरिटी यानी म्हाडा प्रवीण राउत, गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन और हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआईएल) की मिली भगत से यह घोटाला होने का आरोप है। 2007 में म्हाडा ने पात्रा चॉल के रिडिवेलपमेंट का काम गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन को दिया। यह कंस्ट्रक्शन गोरेगांव के सिद्धार्थ नगर में होना था। म्हाडा की 47 एकड़ जमीन में कुल 672 घर बने हैं। रीडिवेलपमेंट के बाद गुरु आशीष कंपनी को साढ़े तीन हजार से ज्यादा फ्लैट बनाकर देने थे। म्हाडा के लिए फ्लैट्स बनाने के बाद बची हुई जमीन को प्राइवेट डिवलपर्स को बेचना था। 14 साल के बाद भी कंपनी ने लोगों को फ्लैट बनाकर नहीं दिए।

गुजरात के वड़ोदरा में सांप्रदायिक हिंसा के बाद 40 गिरफ्तार : पुलिस

वडोदरा, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। गुजरात में वडोदरा जिले के सावली शहर में धार्मिक झंडा लगाने को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए थे और इस दौरान पथराव हुआ था। इस मामले में पुलिस ने 40 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वडोदरा ग्रामीण पुलिस पीआर पटेल ने कहा, 40 गिरफ्तार हुए हैं। एक मुस्लिम त्योहार आ रहा है, जिसके कारण एक स्थानीय समूह ने अपने धार्मिक ध्वज को इलेक्ट्रॉनिक पोल पर बांध दिया था। पास में एक मंदिर है। वडोदरा पुलिस के अनुसार, गश्त जारी है और स्थिति नियंत्रण में है। प्राथमिकी दर्ज कर दोनों पक्षों के आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सावली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात उस समय हुई जब लोगों के एक समूह ने धामीजी का डेरा इलाके में बिजली के खंभे पर अपने झंडे के साथ एक धार्मिक झंडा लगाने की कोशिश कर रहे दूसरे समुदाय के लोगों के समक्ष आपत्ति जताई। पुलिस उप-निरीक्षक ए आर महिदा ने कहा, '' दोनों समुदायों ने एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। कोई भी घायल नहीं हुआ, लेकिन दंगाइयों ने एक वाहन और एक दुकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। '' महिदा ने कहा कि शनिवार देर रात दोनों समूहों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बीजेपी उठाने जा रही बड़ा कदम

जानें टीम नड्डा का 'मास्टर प्लान'

नई दिल्ली, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी कई कदम उठाने जा रही है। मिशन 2024 की के मद्देनजर अपनी रणनीति को अमलीजामा पहनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी जेपी नड्डा टीम में जल्द ही और कई नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा कर सकती है। माना जा रहा है कि 2024 तक बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ही इस टीम की कमान संभाले रहेंगे, क्योंकि नियमानुसार अभी तक बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनावी कार्यक्रम की घोषणा हो जानी थी मगर जिस तरह से कुछ दिन पहले बिहार, छत्तीसगढ़ सहित कई प्रदेशों के प्रदेश प्रभारियों की घोषणा की गई, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में जेपी नड्डा के नेतृत्व वाली टीम ही काम करेगी। सूत्रों की मानें तो इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव वाले राज्य गुजरात और हिमाचल में भी भाजपा अपने चुनाव प्रभारियों की घोषणा आने वाले कुछ दिनों में कर देगी। इतना ही नहीं, कुछ प्रदेशों के प्रदेश प्रभारी भी बदले जायेंगे। सूत्रों के मुताबिक, आगामी समय में सियासी चुनौतियों को देखते हुए मीडिया और सोशल मीडिया टीम को भी और मजबूत किया जायेगा। बताया गया कि टेक्नोलॉजी के साथ-साथ टीम में भी विस्तार किया जा सकता है।

भाजपा ने क्या संकेत दिए

पीएफआई यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाकर वैसे तो मोदी सरकार ने अभी से संकेत दे दिया है कि उनकी सरकार राष्ट्र विरोधियों के लिए सख्त कदम उठाने से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेगी। इसके साथ ही बिहार में नीतीश कुमार के झटका देने से बदली परिस्थितियों के बीच संगठन और सरकार का अनुभव रखने वाले राष्ट्रीय महासचिव विनोद तांवड़े को प्रभारी बनाकर भी बीजेपी ने जता दिया कि वह आगामी चुनावों के लिए कितनी गंभीर है और किसी भी मोर्चे पर विरोधियों को कोई मौका नहीं देना चाहती।

किस रणनीति पर काम कर रही भाजपा

दरअसल, जेपी नड्डा की अगुआई में जहां भाजपा मोदी सरकार की गरीब और वंचितों के लिए बनाई गई योजनाओं को उस तबके तक पहुंचाने के साथ-साथ उनके लाभार्थियों तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीमांत क्षेत्र कश्मीर घाटी के क्षेत्रों के दौरे से अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है।

टीम नड्डा में होगा इजाफा

सूत्रों ने दावा किया कि अपनी रणनीति को फूलप्रूफ बनाने के लिए बीजेपी अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की संख्या में भी कुछ इजाफा कर सकती है और उनको प्रदेशों के साथ-साथ लोकसभा क्षेत्रों के हिसाब से भी जल्द ही जिम्मेदारी दे सकती है, जिससे चुनाव का होमवर्क समय से पहले पूरा हो जाये। साथ ही इसके बाद जो ग्राउंड से फीडबैक आए, उसके हिसाब से ही जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप भाजपा अपना घोषणापत्र जारी करेगी।

महिला अग्निवीरों की अगले साल होगी भर्ती

दिसंबर में 3000 अग्निवीर वायु को किया जाएगा भारतीय एयर फोर्स में शामिल-वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। एयर फोर्स डे से पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी वायुसेना ने बताया कि अग्नीपथ योजना के तहत 'एयर वॉरियर' की भर्तियों को सुव्यवस्थित कर दिया गया है। इस साल दिसंबर में 3,000 अग्निवीर वायु को भारतीय एयर फोर्स में शामिल किया जाएगा। साथ ही महिला अग्निवीरों की भर्ती की योजना अगले साल के लिए बनाई है।

फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर आए थे रंगदारी वसूलने

स्कॉर्पियो देखते ही व्यापारी ने धर दबोचा, सभी गिरफ्तार

मुंबई, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गोरेगांव में सीबीआई और पुलिस अधिकारी बनकर एक कारोबारी से रंगदारी वसूलने के आरोप में चार ठगों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी से पांच लाख रुपये नकद और फर्जी पहचान पत्र बरामद किए गए हैं। उनके अन्य भागीदारों की भी तलाश की जा रही है। गोरेगांव के वरिष्ठ पीआई दत्तात्रेय थोपटे ने इसकी जानकारी दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जीवन अहीर (विपुल), 52, गिरीश वलेचा (29), राहुल शंकर गायकवाड़ (43) और किशोर चाईबल (52) के रूप में हुई है। जानें पूरा मामला पुलिस के अनुसार, 43 वर्षीय शिकायतकर्ता का गोरेगांव पश्चिम के उन्नत नगर में कार्यालय है। पुलिस को दिए उसके बयान के मुताबिक, उसे अपने कारोबार के लिए करीब 1। 6 करोड़ रुपये के कर्ज की जरूरत थी। उनके एक परिचित ने उन्हें कौस्तुभ नाम के एक व्यक्ति के बारे में बताया जो उन्हें कर्ज दिला सकता था। कौस्तुभ ने कहा कि वह कमीशन के रूप में 5 लाख रुपये लेंगे और ऋण किश्तों में दिया जाएगा। तय दिन, 30 सितंबर को, कौस्तुभ के साथ आए एक व्यक्ति को 5 लाख का एक बैग दिखाया। इसके बाद विपुल ने कैश बैग लिया और खुद को सीबीआई अधिकारी बताने लगा। इसके बाद काली स्कॉर्पियो में चार और लोग आए और उनमें से दो ने भी कहा कि वे सीबीआई अधिकारी हैं।

डेरा बाबा नानक से भारत में पांच बार घुसा पाक ड्रोन, बीएसएफ ने की फायरिंग

बटाला (पंजाब), 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। डेरा बाबा नानक के अधीन आते आबाद और शिकार मशिया पोस्ट से सोमवार देर रात को पाकिस्तानी ड्रोन भारत की सरहद के अंदर घुसा। पोस्ट पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने अंधेरे में कई राउंड फायर किए और रोशनी वाले गोले भी छोड़े। तड़के डेरा बाबा नानक के क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया। बीएसएफ के डीआईजी प्रभाकर जोशी ने बताया कि सोमवार रात करीब 10:20 पर पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय सीमा में घुसा और यह तीन बजे तक आता जाता रहा। यह ड्रोन भारतीय सीमा में पांच बार घुसा है। उन्होंने बताया कि वह मौके पर पहुंचे और सारी स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने बताया कि डेरा बाबा नानक से संबंधित इन क्षेत्रों में बीएसएफ द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

तब जगजीवन राम ने सुशील कुमार शिंदे की उम्मीदवारी कर दी थी खारिज

पवार ने 50 साल पुरानी कहानी बताई

पुणे, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता शरद पवार ने कहा कि वह चाहते थे कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे 1972 में महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले की एक सीट से चुनाव लड़ें लेकिन उनकी उम्मीदवारी तत्कालीन कद्दावर नेता बाबू जगजीवन राम ने खारिज कर दी थी।

अपने अभिनंदन कार्यक्रम में पवार ने पुरानी बातें बताते हुए कहा कि उन्होंने ही शिंदे से राजनीति में उतरने को कहा था और उन्होंने उनके कहने पर ही नौकरी छोड़ी थी। पवार ने कहा, '' मैं दबाव डाल रहा था कि वह अपनी नौकरी छोड़ दें तथा राजनीति एवं सार्वजनिक जीवन में आ जायें। लेकिन कुछ पारिवारिक बाध्यता के चलते वह थोड़ा हिचक रहे थे। मैंने उनसे कहा कि उनकी विशिष्टिता वंचित वर्गों के लिए काम करने और उनके अधिकारों की सुरक्षा करने की है। आखिरकार उन्होंने सरकारी नौकरी से इस्तीफा देने का फैसला किया। '' उन्होंने कहा, ''विधानसभा चुनाव होने ही वाले थे और मैंने वसंतदा (पाटिल) समेत प्रदेश नेतृत्व को शिंदे को आरक्षित करमाला निर्वाचन क्षेत्र से टिकट देने के लिए राजी किया। '' राकांपा प्रमुख ने कहा कि शिंदे के नाम पर प्रदेश स्तर पर आम सहमति बन गयी और उनका नाम कांग्रेस की केंद्रीय समिति के पास भेजा गया।

पवार ने कहा, ''वसंतदा और मैं विधानसभा चुनाव के वास्ते उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने बैठक में शामिल होने दिल्ली गया। जब करमाला की बारी आयी तब मैंने शिंदे का नाम सामने रखा। (यशवंतराव) चव्हाण एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सकारात्मक रूप से सिर हिलाया लेकिन वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाबू जगजीवन राम ने आपत्ति की और कहा कि 'नहीं चलेगा।' उन्होंने तयप्पा सोनवाने के नाम का प्रस्ताव रखा क्योंकि वह उनके सहयोगी थे। ''

बस व कार में जोरदार टक्कर, दो महिलाओं समेत पांच की मौत

मुंबई, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर में आज सुबह-सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां राज्य परिवहन की एक बस की टक्कर कार से हो गई। इस सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया, घटना उदगीर-नालेगांव मार्ग पर हैबतपुर गांव में सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुई। घटना उस वक्त हुई जब छह कार सवार लोग तुलजापुर में एक मंदिर के दर्शन करने के बाद नांदेड़ जा रहे थे। इस दौरान महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस की कार से टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया, हादसे के बाद पीड़ितों को लातूर के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां उनमें से पांच को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार सवार एक अन्य यात्री का इलाज चल रहा है।

'कपड़े उतारकर पूजा करो पिता का कर्ज माफ हो जाएगा'

बैंगलुरू, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक लड़के को बिना कपड़ों के पूजा करने पर मजबूर करने का मामला सामने आया है। यह घटना कर्नाटक के कोप्पल की है, जहां नाबालिग लड़के को बहला-फुसलाकर कथित तौर पर अपने पिता के कर्ज को चुकाने के लिए कपड़े उतारने और नग्न होकर पूजा करने के लिए मजबूर किया गया।

आरोपियों ने इस घटना वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस तरह कुछ लोगों ने पूजा की पवित्रता को तार-तार कर दिया। नाबालिग बच्चे की उम्र 16 साल है और इस मामले में पुलिस ने न केवल केस दर्ज किया है, बल्कि तीन लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने नाबालिग को इस बात के लिए मजबूर किया था कि अगर वह नग्न होकर पूजा करता है तो उसके पिता द्वारा लिया गया कर्जा माफ हो जाएगा।

अधिकारियों ने आरोपियों की पहचान शरणप्पा तलवारा, विरुपनगौड़ा और शरणप्पा ओजनाहल्ली के रूप में की है, जो सभी कोप्पल के निवासी हैं और पीड़िता के परिचित हैं। हालांकि, यह घटना जून महीने की है, मगर वीडियो वायरल होने के बाद अब जाकर इस पर एक्शन हुआ है। पुलिस ने बताया कि लड़के के माता-पिता को वीडियो के बारे में पता चलने के बाद रविवार को इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। अधिकारियों की मानें तो तीनों आरोपियों ने नाबालिग के माता-पिता से संपर्क किया था और उसे हुबली में जल जीवन मिशन में साथ काम करने के लिए भेजने को कहा था। लड़के के पिता ने शिकायत में कहा उन्होंने मेरे बेटे को नौकरी देने का वादा किया था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने लड़के को नंगे होने के लिए कन्विंस किया और आश्वस्त किया कि अगर वह नग्न होकर पूजा करता है तो उसके पिता के कर्ज माफ हो जाएंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने बच्चे को यह भी कहा कि ऐसा करने से उसका परिवार धनी हो जाएगा। इसके बाद बच्चे ने वैसा ही किया। हालांकि, आरोपियों ने इसका वीडियो बना लिया और उसे इसके बारे में किसी को नहीं कहने की धमकी भी दी।

पीएम मोदी का हिमाचल दौरा

कवर करने के लिए पत्रकारों से मांगा गया 'चरित्र प्रमाण पत्र'

शिमला, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। दशहरे के मौके पर कई सौगातें देने हिमाचल आ रहे पीएम नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम को कवर करने के लिए पत्रकारों को सुरक्षा पास के लिए एक चरित्र प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। जिला प्रशासन के इस आदेश ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य में 24 सितंबर को होने वाली आखिरी रैली खराब मौसम के कारण रद्द होने के बाद सभी की निगाहें बुधवार को होने वाली प्रधानमंत्री की यात्रा पर टिकी हैं।

न केवल प्राइवेट न्यूज चैनल, प्रिंट और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों के लिए, बल्कि ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) और दूरदर्शन के प्रतिनिधियों को भी 'चरित्र सत्यापन' के प्रमाण पत्र लाने के लिए कहा गया है। इसे लेकर पुलिस ने 29 सितंबर 2022 को एक आधिकारिक अधिसूचना भी जारी की थी। अधिसूचना में जिला जनसंपर्क अधिकारी (डीपीआरओ) को सभी प्रेस संवाददाताओं, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और दूरदर्शन और आकाशवाणी की टीमों की सूची के साथ-साथ उनके 'चरित्र सत्यापन का प्रमाण पत्र' भी देने को कहा गया है।

अधिसूचना में कहा गया है, 'चरित्र सत्यापन का प्रमाण पत्र पुलिस उपाधीक्षक, सीआईडी, बिलासपुर के कार्यालय द्वारा दिया जाएगा। रैली या बैठक में पत्रकारों के जाने का फैसला इस कार्यालय द्वारा किया जाएगा।' पुलिस अधिसूचना पर प्रतिक्रिया देते हुए आम

आदमी पार्टी के प्रवक्ता पंकज पंडित ने कहा कि पत्रकारिता में अपने 22 साल के करियर में, वह पहली बार इस तरह की 'विचित्र' अधिसूचना देख रहे हैं।

विपक्ष ने की निंदा

पंडित ने कहा, 'मोदी जी पहली बार राज्य का दौरा नहीं कर रहे हैं। चरित्र प्रमाण पत्र पेश करने की मांग अपमानजनक है और मीडिया की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की कोशिश है।' हिमाचल कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता नरेश चौहान ने भी प्रशासन की इस अधिसूचना की निंदा की और कहा कि यह कदम मीडिया की स्वतंत्रता के खिलाफ है।

डीपीआरओ बोले- चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य

दूसरी ओर डीपीआरओ बिलासपुर ने सुरक्षा पास जारी करने के लिए आधिकारिक पहचान पत्र स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा कि इसके लिए चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य है। डीपीआरओ कुलदीप गुलेरिया ने कहा, 'यह औपचारिकता सभी के लिए अनिवार्य है। एसपी और सीआईडी चरित्र सत्यापन के प्रमाण पत्र मांग रहे हैं।' हैरान करने वाली बात यह है कि जहां एक ओर पत्रकारों से चरित्र सत्यापन के प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है, वहीं रैली में शामिल होने के लिए लाए जाने वाले हजारों लोगों को किसी तरह के पहचान प्रमाण की जरूरत नहीं होगी।

हिमाचल में एम्स का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को हिमाचल प्रदेश का दौरा करेंगे। वह बिलासपुर में नवनिर्मित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक इस दौरान मोदी 3,650 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री पांच अक्तूबर को 11, 30 बजे बिलासपुर में एम्स का उद्घाटन करेंगे।

इस एम्स की अधारशिला प्रधानमंत्री मोदी ने ही 2017 में रखी थी। उद्घाटन व शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कुल्लू दशहरा समारोह में भी शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे उनमें पिंजोर से नालागढ़ के बीच 31 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन बनाया जाना भी शामिल है। अन्य प्रोजेक्ट की नींव भी रखेंगे।

सत्यपाल मलिक की गई गवर्नरी

अरुणाचल के राज्यपाल बीडी मिश्रा को मेघालय का प्रभार

नई दिल्ली, 4 अक्टूवर (एजेंसियां)। देश के चर्चित राज्यपालों में से एक सत्यपाल मलिक अब रिटायर हो गए हैं। उनका कार्यकाल 3 अक्टूबर को समाप्त हो गया और उन्हें कोई कार्यकाल विस्तार नहीं दिया गया। उनकी जगह पर मेघालय के गवर्नर के तौर पर बीडी मिश्रा ने शपथ ली है। वह फिलहाल अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल हैं और उन्हें मेघालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बीडी मिश्रा सेना से ब्रिगेडियर के पद पर रिटायर हुए थे। वह 2017 से ही अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल हैं। उन्होंने सत्यपाल मलिक की जगह 4 अक्टूबर को शपथ ली है, जो 3 तारीख को रिटायर हुए हैं। मिश्रा के शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा स्पीकर मेतबाह लिंगदोह और कई अन्य सीनियर कैबिनेट मंत्री मौजूद थे। मेघालय के सीएम कोरनाड संगमा ने नए राज्यपाल का स्वागत किया है। उन्होंने ट्वीट किया, 'ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा को मेघालय के गवर्नर के तौर पर कार्यभार संभालने के लिए बहुत बधाई। उम्मीद है कि आपका मार्गदर्शन और सहयोग मिलेगा। हम इस सुंदर राज्य में आपका हार्दिक स्वागत करते हैं।' सत्यपाल मलिक अब निरस्त हो चुके कृषि कानूनों के खिलाफ सरकार विरोधी टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में रहे थे। सत्ता में रहने के बाद भी इस तरह से आंदोलन का समर्थन करने को लेकर काफी चर्चा हुई थी और सत्यपाल मलिक ने कई बार पीएम नरेंद्र मोदी पर भी सीधा हमला बोला था। सत्यपाल मलिक अगस्त 2020 में मेघालय स्थानांतरित किए जाने से पहले बिहार, जम्मू कश्मीर और गोवा के राज्यपाल रहे थे। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) (डॉ।) बीडी. मिश्रा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए नियमित व्यवस्था होने तक मेघालय के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सत्यपाल मलिक ने सोमवार को अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है। सत्यापल मलिक संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के दौरान जम्मू कश्मीर के राज्यपाल थे।

रिश्वत के भी लगाए थे आरोप, सीबीआई कर रही है मामले की जांच

सत्यपाल मलिक को 2017 में बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। जम्मू-कश्मीर के बाद मलिक को गोवा और अंत में मेघालय के राज्यपाल का कार्यभार सौंपा गया था। किसान आंदोलन के समय, केंद्र सरकार के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान देने के बाद वह विवादों में घिर गए थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

स्वतंत्र वार्ता

वर्ष-27 अंक : 202 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन शु.10, 2079 बुधवार, 5 अक्टूबर 2022

शुभकामनाएं

पवित्र दशहरा के अवसर पर 'स्वतंत्र वार्ता' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, हॉकरों तथा सभी हितैषियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
-प्रधान संपादक डॉ. गिरीश कुमार संघी

अवकाश सूचना

दशहरा के पावन पर्व पर 5 अक्टूबर को 'स्वतंत्र वार्ता' कार्यालय में अवकाश रहेगा, अतः अगला अंक 7 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।(प्रबंधक)

70 साल तक 3 परिवारों ने राज किया : शाह

श्रीनगर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार से 3 दिन के जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने राजौरी में एक रैली को संबोधित किया। शाह ने कहा, 70 साल तक जम्मू-कश्मीर पर 3 परिवारों ने राज किया। लोकतंत्र सिर्फ अपने परिवारों में बना दिया था। तीन परिवारों ने लोकतंत्र और जम्हूरियत का मतलब सिर्फ पीढ़ियों तक शासन करना बना दिया था।

पहले जो हक 3 परिवारों के पास था, आज वह अधिकार 30 हजार लोगों को मिला है। रैली में मोदी, मोदी के नारे उन लोगों के लिए जवाब है, जो कहते थे कि अनुच्छेद 370 हटेगा तो आग लग जाएगी और खून की नदियां बह जाएंगी। अगर अनुच्छेद 370 और 35ए नहीं हटता तो जम्मू-कश्मीर में ट्राइबल रिजर्वेशन नहीं मिलता।

गृह मंत्री पहाड़ी कम्युनिटी को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की घोषणा कर सकते हैं। जम्मू-कश्मीर के राजौरी, हंदवाड़ा,पुंछ और बारामूला में पहाड़ी लोगों की बड़ी आबादी है। इस समुदाय के लोग जम्मू कश्मीर के 5 जिलों की 10 विधानसभा सीटों पर प्रभाव रखते हैं। इससे पहले उन्होंने वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी उनके साथ मौजूद थे। गृह मंत्री बनने के बाद शाह पहली बार मंदिर दर्शन करने पहुंचे। वह जम्मू में अलग-अलग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

यहां कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। धारा 370 के हटने के बाद शाह दूसरी बार जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे हैं, जबकि जम्मू का यह उनका पहला दौरा है। इससे पहले अक्टूबर 2021 में वह कश्मीर दौरे पर गए थे। अमित शाह का जम्मू दौरा 30 सितंबर के लिए तय किया गया था, लेकिन उनके शेड्यूल में बदलाव किया गया।

डीजी जेल की हत्या मामले में घरेलू नौकर गिरफ्तार

जम्मू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रात भर की तलाशी के बाद मंगलवार को महानिदेशक (कारागार) हेमंत कुमार लोहिया के घरेलू नौकर को गिरफ्तार कर लिया। लोहिया की हत्या उनके दोस्त के घर में कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड में अधिकारी का घरेलू नौकर यासीन अहमद मुख्य आरोपी था।

दिलबाग सिंह, डीजीपी (जम्मू-कश्मीर) ने कहा कि जांच के दौरान इस हत्या में किसी आतंकवादी का हाथ होने से इनकार किया गया था। पुलिस ने कहा कि शुरूआती जांच से संकेत मिलता है कि रामबन जिले का रहने वाला घरेलू नौकर यासिर अहमद मुख्य आरोपी है। घटनास्थल से एकत्र किए गए सीसीटीवी फुटेज में भी संदिग्ध आरोपी को अपराध करने के बाद भागते हुए देखा गया है। उन्होंने कहा, वह करीब छह महीने से इस घर में काम कर रहा था। शुरूआती जांच में यह भी पता चला है कि वह अपने व्यवहार में काफी आक्रामक था और सूत्रों के मुताबिक वह डिप्रेशन में भी था। उन्होंने कहा, शुरूआती जांच के मुताबिक, अभी तक कोई आतंकी घटना सामने नहीं आई है, लेकिन जांच पूरी होने तक किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस के बयान में कहा गया है, अपराध में इस्तेमाल हथियार जब्त कर लिया गया है, साथ ही उसकी मानसिक स्थिति को दर्शाने वाले कुछ दस्तावेजी सबूत भी बरामद किए गए हैं।

केरल के 873 पुलिस कर्मियों का पीएफआई से लिंक

तिरुवनन्तपुरम, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल में कम से कम 873 पुलिस कर्मी प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने केरल पुलिस चीफ को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें इस बात का खुलासा हुआ है। अब राज्य के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) और स्टेशन हेड ऑफिसर (एसएचओ) रैंक के अधिकारी और सिविल पुलिस कर्मी केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं। इन अफसरों के बैंक अकाउंट्स और पैसे के लेन-देन का ब्योरा जुटाया जा रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वर्ष–27 अंक : 202 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु . 10**, 2079 **बुधवार, 5 अक्टूबर** 2022

महापौर व उप-महापौर ने देवी दुर्गा की पूजा की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी व उप महापौर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने दुर्गा माता महानवमी उत्सव के अवसर पर जीएचएमसी मुख्यालय में अपने-अपने कक्षों में देवी दुर्गा की पारंपरिक पूजा की। पहली और सातवीं मंजिल पर बने कक्षों में महापौर दुर्गा माता की पूजा की गई। इस मौके पर महापौर गडवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि तेलंगाना सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार महिलाओं ने आठ दिनों तक बतुकम्मा मनाया। नौवें दिन मां दुर्गा की पूजा की जाती है। लोगों का कहना है कि मां दुर्गा के कई रूपों की पूजा करने से लंबी उम्र और स्वास्थ्य की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि अश्वयुज के महीने में भक्ति भक्ति के साथ उनकी मनोकामना पूरी करने के लिए अम्मा वारी की पूजा की जाती है।

टीआरएस आज मुनुगोडु विधानसभा उम्मीदवार के नाम की कर सकती है घोषणा

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव बुधवार को मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के लिए पार्टी उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सकते हैं। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 3 नवंबर को होने वाले मुनुगोडु उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की है। जानकारी मिली है कि पार्टी प्रमुख बुधवार को पार्टी के उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सकते हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पार्टी टिकट के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने लगभग आधा दर्जन नामों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनमें कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी, कर्ण प्रभाकर, बूरा नरसैय्या गौड़ और विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी के बेटे अमित रेड्डी शामिल हैं।

पीएम मोदी ने हमेशा दी लोगों की सेवा करने की प्रेरणा : किशन रेड्डी

सेवा पखवाडा व सांस्कृतिक भारत कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाडा एवं सांस्कृतिक भारत कार्यक्रम का आयोजन सरदार पटेल सभागृह, केशव मेमोरियल स्कूल, नारायणगुडा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रिय मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्यसभा सदस्य डॉ.के. लक्ष्मण, बीजेपी तेलंगाना राज्य प्रभारी सुनील बंसल ने भाग लिया। कार्यक्रम में भारत देश के विभिन्न राज्य के हैदराबादी प्रवासी बन्धुओं द्वारा मंच पर अपने-अपने राज्य से जुडे नृत्य आदि प्रस्तुत किये। इस अवसरपर सभा को संबेधित करते हुए मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा लोगों की सेवा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर विभिन्न संस्था द्वारा किये गए सेवा कार्यों के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के सपने एक भारत श्रेष्ठ भारत को साकार करने के लिए आज जिस तरह गुजरात, रजस्थान, असम, बिहार, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मणीपुर, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश के वासियों ने भाग लिया वह कबीले तारीफ है। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि बडी संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा में पधारकर भारत देश की अनेकता में एकता का परिचय दिया। उन्होंने कार्यक्रम में समय पर पधार कर भाजपा संगठन को मजबूत बनाने में सहभागी बनने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। गुजरात से डांडिया गरबा, राजस्थान प्रदेश से घुमार और जैन धर्म का महामंत्र श्री नवकार महामंत्र पर छोटे-छोटे बालक बालिकाओं द्वारा नृत्य किया गया। श्री गुजराती प्रगति समाज एवं लव फॉर काऊ के सहयोग से गुजराती कार्यक्रम, शंखेश्वर बाल मंडल गौशामहल द्वारा प्रस्तुति एवं राजस्थानी घुमर नृत्य श्रीमती सरोज कडेल की टीम द्वारा प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में तमिलनाडु के लिए संयोजक रहे पीवी मन्नन, श्रीमती प्रसन्नालता, अरुलराज, उत्तर प्रदेश के लिए दिनेश जायसवाल, श्रीमती विनिता सिंह, मप्र के लिए विनोद गौर, राहुल खरे, महाराष्ट्र के आनंद कुलकर्णी, सुशील देशपांडे, श्यामसुंदर कश्यप, केरल के लिए रंजीत नायर, सुकुमार, कर्नाटक के लिए प्रशांज जोशी, ओडिशा के लिए वी. श्रीनिवास, बिहार के लिए मानिक दत्ता, श्रीमती अल्का मनोज, पंजाब के लिए अनिल अरोरा, हरियाणा के लिए सुरेश सिंघल, राजस्थान के लिए उत्तम सिंह राजपुरोहित व किशनलाल सोनी, गुजरात के लिए जिग्नेश दोशी व राजेश रामानी, नर्थ इस्ट के लिए पी. अंजनेयुलु, सिंधि के लिए दीपक आदि का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर महेश पटेल, सुशील कमडिया, जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, प्रदीप सुराना, सोहनलाल कडेल, संजय जैन कोचेटा, विजय सुराना, विनोद संचेटी, श्रीराम व्यास, अविनाश देवडा, संदीप मिश्रा, मधुसूदन चांडक, जितेंद्र तिवारी, शंकर सिंह राजपुरोहित, किशनलाल सोनी, रमेश चौधारी, रवि मेहरा, अलका मनोज रश्मि देशपांडे, भारती पटेल, पद्मा जैन आदि उपस्थित थे।

'एक शाम माँ भगवती के नाम' जागरण संपन्न

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल कांचवानी सिंगारम स्थित आर.के.एम.फन्कशन हॉल समाज कुमावत समाज बन्धुओं के सान्निध्य में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर एक शाम माँ भगवती के नाम जागरण व महाप्रसादी आयोजित किया गया। इसमें कन्हैय्यालाल कुमावत एंड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़ व सचिव मोतीलाल कुमावत ने बताया कि इसमें कन्हैय्यालाल कुमावत व भैराराम सेणचा ने माँ भगवती के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम मे पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों व परबत सोलंकी का विशेष सम्मान किया गया। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए रात्रि 7.15 बजे से भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रखी गयी। संरक्षक अमरचन्द अडाणीया ने कार्यक्रम मे पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों का आभार प्रकट करते हुए नवरात्रि महोत्सव की शुभकामनाएँ दी। महाआरती व अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

50वां रामायण मेला रावण दहन की तैयारियां जोरों पर : गोविद राठी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी दशहरा सम्मेलन समिति द्वारा 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नुमाईश मैदान में आयोजित होने वाले 50वें रामायण मेला की तैयारियां जोरों पर चल रही है। गोविद राठी ने बताया कि इस बार 5 अक्टूबर के रावण दहन कार्यक्रम करोना से मुक्त होने के प्रश्चात बडी धूमधाम से रावण रावण दहन का कार्यक्रम होगा।

आज प्रगति समाज के गोविन्द राठी मेला समिति के कोषध्यक्ष गिरधारी लाल डागा, संयोजक मनोज जयस्वाल, नंदगोपाल पट्टड, सुमीत राठी एवं दामोदर तिवारी ने मैदान का जायजा लिया।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया गया कि सायं 5.30 बजे शमी पूजन, तेलंगाना सांस्कृतिक विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम 7.30 बजे, 8.15 बजे भगवान राम का राज्याभिषेक, तत्पश्चात भव्य गगन भेदी आतिश बाजी के साथ मेघनाद, कुंभकर्ण एवं रावण दहन किया जायेगा।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनन्द एवं पुलिस हाऊसिंग कार्पोरेशन तेलंगाना के चेयरमैन के. दामोदर भाग लेंगे। संस्था के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि इस अवसर पर सहपरिवार पधार कर रामायण मेला का आनन्द उठायें।

तेलंगाना के प्रमुख्य पर्व बोनालू के तहत गोशामहल क्षेत्र में महिलाओं का सम्मान करते हुए समाजसेवी नंदकिशोर व्यास बिलाल व अन्य।

सुविचार: चरित्र-गठन जैसा रचनात्मक कार्य शिक्षकों के लिए दूसरा नहीं है।

मुनुगोड़े उपचुनाव की तैयारी में जुटे राजनीतिक दल

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोड़े विधानसभा सीट पर उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही तेलंगाना के तीनों प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेता अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। 3 नवंबर को होने वाले उपचुनाव को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले तीनों प्रमुख दलों के लिए प्रतिष्ठित माना जाता है।

चूंकि उपचुनाव के परिणाम से बड़ी लड़ाई के लिए विजेता को मनोवैज्ञानिक लाभ मिलने की संभावना है, इसलिए सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और दोनों प्रमुख विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस में सभी पड़ावों पर टक्कर है। चूंकि कांग्रेस पार्टी के मौजूदा विधायक की हार के कारण रिक्ति उत्पन्न हुई, जिन्होंने भाजपा के प्रति वफादारी बदल दी, दोनों दल जीत के लिए बेताब होंगे। पिछले कई सालों में टीआरएस से दो विधानसभा सीटों पर कब्जा करने के बाद बीजेपी उत्साहित है, इसलिए सत्तारूढ़ दल भी भगवा उछाल को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, जिन्होंने विधायक के रूप में इस्तीफा दे दिया और दो महीने पहले कांग्रेस पार्टी भी छोड़ दी तथा 21 अगस्त को मुनुगोड़े में एक जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए थे। पिछले महीने, कांग्रेस पार्टी ने उपचुनाव के लिए पलवई श्रावणी को अपना उम्मीदवार घोषित किया था। वह पूर्व सांसद पलवई गोवर्धन रेड्डी की बेटी हैं। तेलंगाना राज्य कांग्रेस के प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी और अन्य वरिष्ठ नेता पहले ही निर्वाचन क्षेत्र में कुछ सभाओं को संबोधित कर चुके हैं। पार्टी को उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में उसके नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के तेलंगाना में प्रवेश से उसके अभियान को गति मिलेगी।

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा उपचुनाव कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद, टीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कथित तौर पर अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप दिया। हाल के हफ्तों में निर्वाचन क्षेत्र में सत्तारूढ़ दल के खेमे में कई उम्मीदवारों द्वारा टिकट के लिए दावा किए जाने के कारण तीव्र अटकलें देखी गईं। केसीआर ने कथित तौर पर वरिष्ठ नेता कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी को उठाया है। उधर, टीआरएस प्रमुख के 5 अक्टूबर को पार्टी विधायकों की बैठक में नाम की घोषणा करने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उन्होंने पार्टी नेताओं को पहले ही स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं कि वे उपचुनाव में जीत सुनिश्चित करें। टीआरएस के लिए हाथ में एक शॉट में, सीपीआई और सीपीआई-एम दोनों ने मुनुगोड़े में सत्तारूढ़ पार्टी के लिए अपना समर्थन घोषित कर दिया है। दोनों वाम दलों के नेताओं ने कहा कि उन्होंने भाजपा की हार सुनिश्चित करने के लिए ऐसा किया है।

स्वामीनारायण गुरुकुल अंतरराष्ट्रीय विद्यालय का रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री स्वामीनारायण गुरुकुल अंतरराष्ट्रीय विद्यालय का 25वां वर्ष पूरा हुआ। इस प्रकार से गुरुकुल हैदराबाद ने अपने सिल्वर युग को प्राप्त कर लिया। इस अवसर पर गुरुकुल में भव्य समारोह का आयोजन किया गया । इसमें मुख्य अतिथि के रुपमें श्री श्री श्री त्रिदंडी चिन्नाजियर स्वामी तथा पूर्व चीफ जस्टिस एनवी रमणा आदि उपस्थित थे। संतगणों में सद्गुरु महंत देवकृष्णदासजी स्वामी, सद्गुरु महंत श्री देवप्रसाददासजी स्वामी, सद्गुरु श्री धर्मवल्लभदासजी स्वामी उपस्थित रहकर सभी को पुण्य प्रसाद से अनुग्रहित किए। अन्य अतिथिगण में सुरेंद्र मोहन, माननीय गवर्नर के सचिव, डॉ. एस वेणुगोपाल चारी, भूतपूर्व केंद्रीय मंत्री, डॉ. धीरज काकड़िया, अतिरिक्त महानिर्देशक भारत सरकार, एवी रंगनाथ, संयुक्त ट्राफिक पुलिस आयुक्त तेलंगाना, सीएन गोपीनाथ रेड्डी, यद्लापल्ली वेंकटेश्वरा राव, पद्मश्री विभूषित, जीबीके राव उपस्थित रहकर समारोह की भव्यता में चार चांद लगा दिए।

संत गुणों में परम पूज्य सद्गुरु श्री ज्ञानस्वरूपदासजी स्वामी, श्री प्रभुचरणदासजी स्वामी, श्री रामानुजदासजी स्वामी, श्री नित्यस्वरूपदासजी स्वामी, श्री श्वेतवैकुंठदासजी स्वामी, श्री कृष्णप्रियदासजी स्वामी, श्री गोविंदस्वरूपदासजी स्वामी उपस्थित होकर गुरुकुल की धरती को पुण्यमय किए।

पंचमुखी हनुमान मंदिर शारदा नगर, वनस्थलीपुरम में महानवमी पर मंदिर समिति द्वारा दुर्गा माता की पूजा अर्चना की गई। उसके बाद चंडी होम अवं महा भंडार का योजना किया गया। मौके पर समिति के अध्यक्ष यादगिरी राव उपाध्यक्ष हरिप्रसाद व रामाजी, सचिव सत्या रेड्डी, संयुक्त सचिव अंजना, समिति सलाहकार एनके सिंह, अंजनेयुलु, रामकृष्ण, संता कुमार, रंजना सिंह, राघवेंद्र राव, रंगा एवं अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

एक कदम स्वच्छता की ओर

SWACHH SURVEKSHAN 2022

स्वच्छ भारत दिवस
Swachh Bharat Diwas

तेलंगाना एक बार फिर सर्वश्रेष्ठ राज्य

नए मानक स्थापित कर और प्रमुख योजनाओं (ग्रामीण शहरी दोनों) की अगुआई कर ....देश को प्रेरित कर रहा है

श्री एर्राबेल्ली दयाकर राव
माननीय पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास तथा आरडब्ल्यूएस मंत्री

श्री के.टी. रामाराव
माननीय एमए एवं यूडी
उद्योग एवं वाणिज्य, आईटी एवं सी मंत्री

स्वच्छ सर्वेक्षण अवार्ड्स 2022 (ग्रामीण)

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2022 के अंतर्गत बड़े राज्यों की श्रेणी में 2022 हेतु सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य

ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए अवार्ड्स

राज्य श्रेणी :

- **प्रथम स्थान** तेलंगाना राज्य, स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण - सभी शीर्ष राज्यों की श्रेणी में (बड़े राज्य)
- **तृतीय स्थान** तेलंगाना राज्य, सुजलाम 1.0 अभियान में
- **द्वितीय स्थान** तेलंगाना राज्य, सुजलाम 2.0 अभियान में
- **प्रथम स्थान** तेलंगाना राज्य, दक्षिण ज़ोन में ओडीएफ प्लस-बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट प्रबंधन पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में
- **प्रथम स्थान** तेलंगाना राज्य, दक्षिण ज़ोन में ओडीएफ प्लस-प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में
- **प्रथम स्थान** तेलंगाना राज्य, दक्षिण जोन में ओडीएफ प्लस-गोबरधन पर वाल पेंटिंग प्रतियोगिता में
- **प्रथम स्थान** तेलंगाना राज्य, दक्षिण ज़ोन में ओडीएफ प्लस-ग्रे वॉटर प्रबंधन पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में
- **प्रथम स्थान** तेलंगाना राज्य, दक्षिण ज़ोन में ओडीएफ प्लस-मल कीचड़ प्रबंधन पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में

ज़िला श्रेणी :

- **द्वितीय स्थान** जग्तियाल ज़िला, स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण में - सभी शीर्ष ज़िलों में
- **तृतीय स्थान** निज़ामाबाद ज़िला, स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण में - सभी शीर्ष ज़िलों में
- **द्वितीय स्थान** निज़ामाबाद ज़िला, एसएसजी में - सभी शीर्ष ज़िलों में ज़ोन अनुसार - दक्षिण ज़ोन
- **तृतीय स्थान** भद्रादी कोत्तागुड़ेम ज़िला, एसएसजी में - सभी शीर्ष ज़िलों में ज़ोन अनुसार - दक्षिण ज़ोन

जीपी श्रेणी :

- **द्वितीय स्थान** तेलंगाना (खम्मम ज़िले के नुकलमपाडु जीपी, एनकुर मंडल) जीपीएस से राष्ट्रीय फिल्म प्रतियोगिता में

स्वच्छ सर्वेक्षण अवार्ड्स 2022 (शहरी)

- **तेलंगाना ने कुल 19 अवाड्र्स हासिल किए हैं (स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के अंतर्गत 16 और इंडिया स्वच्छता लीग के अंतर्गत 3)**
- जबकि महाराष्ट्र ने अपने 384 शहरों में से 19 ने अवाड्र्स (4.92%) हासिल किए हैं, तेलंगाना ने अपने 142 शहरों में 16 ने अवाड्र्स (11.26%) हासिल किए, जिससे उसे शहरी क्षेत्रों में भी सर्वोत्तम निष्पादन करने वाला राज्य बना दिया।
- साउथ ज़ोन कैटेगरी के अंतर्गत, 20 अवार्ड्स में से, तेलंगाना ने 15 अवाड्र्स हासिल किए हैं।
- 142 शहरी स्थानीय निकायों में से, एमओएचयूए ने 1 यूएलबी जल के रूप में + 40 यूएलबी ओडीएफ के रूप में ++ 70 यूएलबी ओडीएप के रूप में प्रमाणित किया + और शेष 31 यूएलबी ने ओडीएफ दर्जा कायम रखा।
- **एसएस 2022 के अंतर्गत म्युनिसिपालिटीज़/म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन अवाड्र्स घोषित किए हैं।**

1. **बडंगपेट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन** को 50 के -1 लाख जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत **सबसे स्वच्छ शहर** के रूप में
2. **गजवेल म्युनिसिपालिटी सबसे स्वच्छ शहर** में 25 के -50 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
3. **घटकेसर म्युनिसिपालिटी सबसे स्वच्छ शहर** में 15 के -25 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
4. **कोलापल्ली म्युनिसिपालिटी सबसे स्वच्छ शहर** में <15 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
5. **आदिबटला म्युनिसिपालिटी आत्म निर्भर शहर** में <15 के -25 के जनसंख्या श्रेणी केअंतर्गत
6. **भूतपुर म्युनिसिपालिटी आत्म निर्भर शहर** में <15 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
7. **चंदुर म्युनिसिपालिटी तेज़ गति से बढ़ते शहर** में <15 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
8. **चिट्याल म्युनिसिपालिटी अभिनव एवं सर्वोत्तम अभ्यास** में <15 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
9. **हुस्नाबाद म्युनिसिपालिटी नागरिक फीडबैक** में <15 के -25 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
10. **कोमपल्ली म्युनिसिपालिटी तेज़ गति से बढ़ते शहर** में <15 के -25 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
11. **कोर्टुला म्युनिसिपालिटी तेज़ गति से बढ़ते शहर** में <50 के -1 लाख जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
12. **नेरेडचेर्ला म्युनिसिपालिटी नागरिक फीडबैक** में <15 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
13. **सिकंदराबाद कंटोनमेंट बोर्ड नागरिक फीडबैक** में कंटोनमेंट बोर्ड श्रेणी के अंतर्गत
14. **सिरिसिल्ला म्युनिसिपालिटी आत्म निर्भर शहर** में <15 के - 1 लाख जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
15. **तुर्कयमजाल म्युनिसिपालिटी तेज़ गति से बढ़ते शहर** में <25 के - 50 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
16. **वेमुलवाड़ा म्युनिसिपालिटी नागरिक फीडबैक शहर** में <25 के - 50 के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
आईएसएल के अंतर्गत पुरस्कारों के साथ घोषित म्युनिसिपालिटीज़/म्युनिसिपल कार्पोरेशन्स
17. **आलमपुर म्युनिसिपालिटी** <15 के **जनसंख्या** के जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत
18. **पीरज़ादीगुड़ा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन** <25 के - 50 के **जनसंख्या** श्रेणी के अंतर्गत
19. **कोरुट्ला म्युनिसिपालिटी विशेष उल्लेखित श्रेणी** के अंतर्गत

अभिनव योजनाएँ, ग्रामीण के लिए पल्ले प्रगति एवं शहरी तेलंगाना के लिए पटना प्रगति, माननीय मुख्यमंत्री श्री के. चंद्रशेखर राव के मौलिक विचारों से तेलंगाना का ग्रामीण एवं शहर दोनों ने अभूतपूर्व उन्नति की है, देश के लिए प्रेरणस्रोत बन गए हैं।

GHMC hmda HMWSSB TUFIDC

तेलंगाना - शक्ति केंद्र

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 5 अक्टूबर, 2022

अंधविश्वास का रावण

देश की राजधानी दिल्ली यूं तो पढ़े-लिखे लोगों का शहर माना जाता है। यह शहर विज्ञान और तकनीक की उपलब्धियों से सारे जहां में रोशन माना जाता है। इसके बाद भी अंधविश्वास का आलम यह है कि लोधी कालोनी इलाके में दो लोगों ने अपने लालच के वशीभूत होकर एक बच्चे 'बलि' के लिए मार डाला। इससे साफ है कि आगे निकल चुके सभ्यता के बावजूद आज भी समाज अंधविश्वास के मकडजाल में किस हद तक फंसा हुआ है। जिन लोगों ने बच्चे को मार कर बलि लेने का काम किया है उसने यह कबूल भी कर लिया है उन्होंने 'समृद्धि' हासिल करने के लिए ही ऐसे कृत्य को अंजाम दिया है। देखा जाए तो दिल्ली में हत्या जैसे अपराध होना कोई नई बात नहीं हैं, आजकल गली मोहल्लों तक में हत्याएं आम बात हो गई हैं। ऐसे में मात्र छह साल के बच्चे का सिर फोड़ कर और गला रेत कर मार डालने की इस हृदयविदारक घटना ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। बहरहाल, यह हत्या भी बेहद गंभीर अपराध है और दोषियों के लिए सजा भी कानून के ही मुताबिक ही तय की जाएगी। लेकिन सवाल है कि महज किसी ढोंगी के कहने से भ्रम या लालच को पूरा करने के लिए एक बच्चे की जान ले लेने की क्रूरता का खयाल किसी के भीतर कैसे आ जाता है? यह बात आरोपियों के दिमाग में कहां से आई कि किसी बच्चे की बलि देने से उन्हें अकूत संपदा मिल सकती है? हालाकि इस घटना के आरोपी पकड़ लिए गए हैं, मगर क्या उनके दिमाग में यह अंधविश्वास भरने वाले व्यक्ति या स्रोत की भी खबर ली जाएगी, या नहीं। देखा जाए तो आज के युग में लोगों में ऐसी बहुत सारी अनर्गल बातें घुली-मिली हैं, जिन्हें लोग कई बार आस्था और विश्वास के नाम पर मानने को मजबूर हो जाते हैं। पर्व-त्योहार या रोजमर्रा के अभ्यास में कुछ बातें लोग सिर्फ इसलिए निभाते हैं कि परंपरा के मुताबिक वह एक रिवायत रही है। भले उसके पीछे कोई तर्क हो या नहीं या फिर वह अमानवीय ही क्यों न हो! उस पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। नतीजातन लोग रीति-रिवाज के नाम पर चलने वाली वैसी गतिविधियों में अगर सीधे शामिल नहीं भी होते हैं तो उसके मूकदर्शक होते हैं या फिर उसे नजरअंदाज करते हैं। पाखंडी कर्मकांडों के तहत 'बलि' भी एक ऐसी मिथ्या और क्रूर धारणा है, जो किसी मनोकामना के पूरा होने के भ्रम से जुड़ी है। पशु-पक्षियों की बलि को तो लोग बेझिझक देखते ही हैं, मगर ऐसी खोखली मान्यताओं की हद तब हो जाती है जब कोई व्यक्ति किसी मनुष्य की बलि तक को सहज मान लेता है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि बलि के लिए हत्या करने वाले दोनों आरोपियों के दिमाग पर अंधविश्वास हावी होने के बाद उनका विवेक कैसे शून्य हो गया होगा और संवेदना मर गई होगी कि उन्हें छह साल के मासूम पर भी तरस नहीं आया। शिक्षा और अर्थव्यवस्था से लेकर विज्ञान के क्षेत्र में रोज नई ऊंचाइयां छूने के दावों के बीच ऐसी घटनाएं रूढ़िवादी समाज के लिए किसी आईने से कम नहीं है। हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी अंधविश्वास के अंधेरे में कैसे मर-जी रहा है? संविधान के अनुच्छेद 51ए (एच) के तहत यह दर्ज है कि हर भारतीय नागरिक मानववाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, ज्ञान अर्जन और सुधार की भावना का विकास करेगा। लेकिन न तो अशिक्षित से लेकर पर्याप्त शिक्षित लोगों के बीच वैज्ञानिक दृष्टि को लेकर कोई गंभीरता दिखाई देती है, न सरकार को इस बात की जरूरत लगती है कि विज्ञान की चेतना को कुंद करने वाले अंधविश्वासों पर वह कोई ठोस प्रहार करे। यहां तक कि अंधविश्वास का कारोबार करने वाले बाबा या तांत्रिक खुलेआम अपना धंधा जमाते और चलाते रहते हैं और उन्हें रोकने-टोकने वाला भी शायद कोई नहीं है। नतीजतन, अक्सर बलि के अंधविश्वास में किसी बच्चे तक को मार डालने की घटनाएं सामने आ जाती हैं और सभ्य समाज आंख बंद किए बैठा है।

रावण की अपील रावणों के नाम

डॉ प्रदीप उपाध्याय

इस वर्ष भी तुमने मेरे पुतले का दहन कर ही दिया;आखिर कब तक मुझे जलाने का ढ़ोंग कर अपने दम्भ की तुष्टी करते रहोगे और आम जन को भरमाते रहोगे?क्या मेरे गुनाह इतने थे!क्या मेरे अपराध की इतनी सजा है कि सदियों तक मेरे पुतले को जलाकर तुम खुश होते रहो,उत्सव मनाते रहो!अगर तुम्हें उत्सव ही मनाना है तो स्वयं अच्छे बनों,भगवान श्रीराम जैसा चरित्रवान बनकर दिखाओ।मैं बुराईयों का प्रतीक बनकर रह गया हूँ लेकिन दुनियाभर में मुझसे ज्यादा बुराई समेटे हुए लोग हैं।मैं अपने दस शीश के कारण दशानन कहलाया ;मेरे अपने दस मुख थे और सभी उजागर थे।मैंने कभी कुछ नहीं छुपाया लेकिन तुम लोग तो दिन-रात अपने चेहरे बदलते हो।यदि महसुस करोगे तो सैकड़ो मुखौटे मिलेंगे।मेरे बारे में तो सभी को सब कुछ ज्ञात था ;हाँ,हो सकता है कि मैं तुम सब लोगों की नजर में खलपात्र ही होऊं लेकिन मुझे एक सच्चा शिवभक्त होने के साथ ही राजनीति का ज्ञाता, महापराक्रमी बलशाली ,शास्त्रों का ज्ञाता विद्वान पण्डित,महाज्ञानी माना जाता रहा है।

मेरे शासन काल में लंका का वैभव भी चरम पर था और इसी कारण लंका नगरी को सोने की लंका कहा जाता था लेकिन मेरी भूलों का खामियाजा मेरे सम्पूर्ण कुल को भुगतना पड़ा।भूल तो हर किसी से होती है, तात्कालिक कारणों को आज मैं गिनाना नहीं चाहता किन्तु क्या तुमने कभी सोचा है कि आज तुम क्या हो!तुम कुछ न होते हुए भी कितना अनाचार-दुराचार,अत्याचार कर रहे हो।यह मेरी भूल थी कि मैं अपने मातहतों पर नियंत्रण नहीं रख पाया और उनके अनाचार और अत्याचारों का परिणाम सम्पूर्ण राक्षस कुल का सर्वनाश था लेकिन यहाँ फिर भी मैं अपनी तुलना तुम से करता हूँ तो पाता हूँ कि मैं तुमसे कई मायनों में बेहतर ही था ।

तुम तो अपने आप पर ही नियंत्रण नहीं रख पा रहे हो।तुमने तो इतने मुखौटे पहन रखे हैं कि तुम्हारे असली स्वरुप में ही पहचानना मुश्किल है।मैंने जो भी काम किये हैं वे सब अपनी स्वयं की पहचान के साथ किये हैं, छुपकर नहीं किये हैं किन्तु तुम तो राम का मुखौटा पहन कर वे सब काम करते हो जिन्हें मैंने स्वयं भी कभी नहीं किया बल्कि मैं स्वयं भी ऐसा करना पाप समझता था।देवी सीता का भले ही मैंने साधु वेश में हरण किया था किन्तु उनके सतीत्व का कभी हरण नहीं किया।

तुम लोग तो इतने चरित्रहीन और पतित हो चुके हो कि कितनी ही स्त्रियों के सतीत्व हरण का पाप तुम्हारे सिर है लेकिन तब भी तुम्हें राम का मुखौटा धारण करते शर्म महसूस नहीं होती!

क्या तुम्हें मेरा पुतला दहन करने का अधिकार है और यह अधिकार तुम्हें दिया किसने!क्या भगवान राम से तुमने इसकी अनुमति ली है!एक बार उनके सामने खडे. होकर ईमानदारी से अपने अंतर्मन में झांककर पूछ तो लेना कि मेरे पुतले को दहन करने का अधिकार क्या किसी को है!

उत्सवप्रियता तो ठीक है और इस बार भी तुमने मेरे पुतले को जलाकर उत्सव मना लिया लेकिन जब अगली बार अगले साल आओ तो भगवान राम की आज्ञा लेकर आना और उनके सच्चे अनुसरणकर्ता बनकर आना ताकि तुम्हारे हाथों मेरे पुतले के दहन होने पर मुझे भी कोई अफसोस न हो।

वीरांगना रानी दुर्गावती का साम्राज्य और गोंडवाना का स्वर्ण युग

मृत्यु तो सभी को आती है अधार सिंह, परंतु इतिहास उन्हें ही याद रखता है जो स्वाभिमान के साथ जीये और मरे -रानी दुर्गावती (आत्मोत्सर्ग के समय अपने सेनापति से कहा था) भारत के हृदय स्थल में स्थित त्रिपुरी के महान कलचुरि वंश का 13 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में अवसान हो गया था, फलस्वरूप सीमावर्ती शक्तियां इस क्षेत्र को अपने अधीन करने के लिए लिए लालायित हो रही थीं। अंततः इस संक्रांति काल में एक वीर योद्धा जादोंराय (यदुराय) ने, तिलवाराघाट निवासी एक महान् ब्राह्मण संन्यासी सुरभि पाठक के भगीरथ प्रयास से, त्रिपुरी क्षेत्रांतर्गत, गढ़ा-कटंगा क्षेत्र में गोंड वंश की नींव रखी। (यह उपाख्यान आचार्य चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य की याद दिलाता है) कालांतर में यह साम्राज्य महान गोंडवाना साम्राज्य के नाम से जाना गया।गोंडवाना साम्राज्य का चरमोत्कर्ष का प्रारंभ 48वीं पीढ़ी के महानायक राजा संग्रामशाह (अमानदास) के समय हुआ और इनकी पुत्रवधु वीरांगना रानी दुर्गावती का समय गोंडवाना साम्राज्य के स्वर्ण युग के नाम से जाना जाता है। भारतीय इतिहास का दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि रानी दुर्गावती एवं गोंडवाना साम्राज्य के महान इतिहास को एक छोटी सी कहानी बना डाला और पटाक्षेप कर दिया। रानी दुर्गावती का साम्राज्य लगभग इंग्लैंड के बराबर था। 16 वर्ष का शासन काल था, पूरे भारत में एकमात्र राज्य जहां कर, सोने के सिक्के एवं हाथियों तक में चुकाया गया था। जिसके शौर्य, पराक्रम, प्रबंधन और देशभक्ति के सामने आसट्रिया की मारिया थेरेसा, रूस की कैथरीन द्वितीय और इंग्लैंड की एलिजाबेथ प्रथम कहीं नहीं लगतीं।। (केवल जोन आव आर्क को छोड़ दिया जाए वह भी युद्ध कला में) मध्यकालीन भारत का इतिहास लिखने वाले इतिहासकारों ने रानी दुर्गावती एवं गोंडवाना के इतिहास को गौण स्वरूप प्रदान करते हुए छिन्न - भिन्न रुप में प्रस्तुत कर,छल किया है। इसलिए अब शोधपूर्ण वास्तविक इतिहास लिखा जाना अनिवार्य है ताकि रानी दुर्गावती और गोंडवाना साम्राज्य साम्राज्य के इतिहास के साथ न्याय हो और वर्तमान पीढ़ी और भावी पीढ़ी में गर्व और गौरव की अनुभूति हो तथा राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो।

गोंडवाना साम्राज्य और उसका स्वर्ण युग

गोंडवाना साम्राज्य का चरमोत्कर्ष 15 वीं शताब्दी के अंत में गोंड वंश के महान् प्रतापी राजा संग्रामशाह के शासन काल में प्रारंभ हुआ। संग्रामशाह का वास्तविक नाम अमानदास था, जिसकी पुष्टि दमोह के पास ठरका ग्राम में प्राप्त एक शिलालेख से होती है। रामनगर प्रशस्ति में लिखा है कि प्रतापी अर्जुन सिंह का पुत्र संग्रामशाह था। जिस भांति विशाल कपास का ढेर एक छोटी सी चिंगारी से नष्ट हो जाता है, उसी भांति उसके शत्रु तेजहीन हो गये थे। मध्य काल का सूर्य भी उसके प्रताप के सामने धूमिल सा दिखाई देता था, मानो सारी धरती को जीत लेने का निश्चय किया हो। तदनुसार उसने 52 गढ़ों को जीत लिया था। गोंड़ों में तो कहावत ही प्रचलित हो गई थी कि आमन बुध बावन में।

ये गढ़ जबलपुर, सागर, दमोह, सिवनी, मंडला, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, नागपुर, होशंगाबाद, भोपाल, और बिलासपुर तक फैले हुए थे। समकालीन इतिहासकारों की माने तो 70 हजार गांव थे जिनकी संख्या रानी दुर्गावती के समय 80 हजार तक हो गई थी। किलों की संख्या 57 और परगनों की संख्या 57 हो गई थी। गोंडवाना या गढ़ा-कटंगा विस्तृत और संपन्न राज्य हो गया था, इसके पूर्व में झारखंड, उत्तर में भथा या रीवा का राज्य, दक्षिण में दक्षिणी पठार और पश्चिम में रायसेन प्रदेश था। इसकी लंबाई पूर्व से पश्चिम 300 मील तथा चौड़ाई उत्तर से दक्षिण 160 मील थी। इन सीमाओं को रानी दुर्गावती ने और बढ़ा लिया था। गोंडवाना साम्राज्य का क्षेत्रफल लगभग इंग्लैंड के क्षेत्रफल जितना हो गया था। विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों के कारण दिल्ली के सुल्तान या पड़ौस के कोई अन्य राजा गोंडवाना पर अपना प्रभुत्व स्थापित नहीं कर सके। दुर्गावती का विवाह सामाजिक समरसता का अद्वितीय उदाहरण उत्तर भारत में मुगल शासक हुमायूं को शेरशाह ने बिलग्राम (कन्नौज) के युद्ध परास्त कर भारत से बाहर खदेड़ दिया और साम्राज्य विस्तार के लिए उद्यत हो गया। शेरशाह की धर्म की आड़ में विस्तारवादी नीति से कालिंजर के महान शासक कीरत सिंह चिंतित हो गए थे, इसलिए शेरशाह सहित अन्य मुस्लिम आक्रांताओं को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए गोंडवाना साम्राज्य के महान् राजा संग्रामशाह से मित्रता का प्रस्ताव रखा जो एक वैवाहिक संबंध के रूप में फलीभूत हुआ। वीरांगना रानी दुर्गावती का जन्म कालिंजर के किले में राजा कीरत सिंह के यहां 5 अक्टूबर सन् 1524 को दुर्गाष्टमी के दिन हुआ था, उनकी माता का नाम कमलावती था। राजा संग्रामशाह और उनके सुपुत्र दलपतिशाह , राजा कीरतसिंह की सुपुत्री वीरांगना दुर्गावती के स्त्रियोचित सौंदर्य,शिष्टता, मधुरता और पराक्रम से बहुत प्रभावित थे, इसलिए संग्रामशाह ने कीरतसिंह से उनकी सुपुत्री का अपने पुत्र दलपतिशाह के साथ विवाह का प्रस्ताव रखा, जो स्वीकार्य हुआ। दुर्भाग्य से सन् 1541 में राजा संग्रामशाह का निधन हो गया। बावजूद इसके राजा कीरतसिंह ने अपना वचन निभाया और सन् 1542 अपनी सुपुत्री वीरांगना दुर्गावती का विवाह, राजा दलपतिशाह से कर दिया। यह विवाह सामाजिक समरसता का अद्वितीय उदाहरण है और आलोचकों करारा तमाचा है जो भारतीय संस्कृति में जातिवाद और वर्ण व्यवस्था का दुष्प्रचार करते हैं। सन1545 में शेरशाह ने कालिंजर पर आक्रमण किया और मारा गया। इस युद्ध में राजा कीरतसिंह भी शहीद हो गए जिससे वीरांगना दुर्गावती को धक्का लगा परंतु सन् 1548 में पति दलपतिशाह की आकस्मिक मृत्यु ने वीरांगना पर वज्रपात कर दिया। इस वज्रपात से वीरांगना दुर्गावती विचलित हुईं पर शीघ्र ही उन्होंने साहस के साथ अपने 5 वर्षीय अल्पवयस्क सुपुत्र वीर नारायण की ओर से गोंडवाना साम्राज्य की सत्ता संभाल ली। इस तरह गोंडवाना साम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती का महान् साम्राज्ञी के रूप में उदय हुआ।

दुर्गावती का शासनकाल और जीएसटी जैसी कर प्रणाली

रानी दुर्गावती ने 16 वर्ष शासन किया और यही काल गोंडवाना साम्राज्य का स्वर्ण युग था। गोंडवाना साम्राज्य राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक,कला एवं साहित्य के क्षेत्र में सुव्यवस्थित रुप से पल्लवित और पुष्पित होता हुआ अपने चरमोत्कर्ष तक पहुंचा। वर्तमान में प्रचलित जीएसटी जैसी कर प्रणाली रानी दुर्गावती के शासनकाल में लागू की गई थी। फलस्वरूप तत्कालीन भारत वर्ष गोंडवाना ही एकमात्र राज्य था जहां की जनता अपना लगान स्वर्ण मुद्राओं और हाथियों में चुकाते थे। रानी दुर्गावती ने महिलाओं को शिक्षित करने का प्रयास किया और उनके लिए लाख के आभूषणों के लघु उद्योग स्थापित कराए। चिरौंजी, सिंघाड़ा, महुआ एवं इमारती लकड़ी के व्यापार को प्राथमिकता दी । गढ़ा में उन्नत वस्त्र उद्योग था। जड़ी बूटियों से बनी औषधियों के व्यापार को भी बढ़ावा दिया। गढ़ा उन दिनों उत्तर-मध्य भारत का हिन्दुओं का धार्मिक केंद्र बिंदु था, जहां कोई भी हिन्दू अपनी इच्छानुसार धार्मिक अनुष्ठान कर सकता था, श्रीमद् वल्लभाचार्य के पुत्र गोस्वामी विट्ठलनाथ का आगमन देवताल (गढ़ा) में अक्सर होता था, यहीं बैठकजी के मंदिर का निर्माण किया गया जहां पर शुद्धाद्वैत नियमों से पूजा होती थी, इसलिए इस स्थान को लघुकाशी वृंदावन कहा जाता था,। इसलिए कहा गया है कि हरिवंश चरण बल चतुर्भुज, गोंड देश तीरथ किए।दुर्गावती का जल प्रबंधन, कराया 1000 तालाब और 500 बावलियों का निर्माण जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से वीरांगना रानी दुर्गावती की योजनाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी उस काल में थीं। यूं तोअपने साम्राज्य में 1000 तालाब और 500 बावलियों का निर्माण कराया था परंतु जबलपुर में 52 सरोवर (तालाब) और 40 बावलियों का अद्भुत एवं अद्वितीय प्रबंधन किया गया था। सरोवर 3 प्रकार के होते थे - प्रथम - शिखर सरोवर (पहाड़ी सरोवर थे जो वनस्पतियों और वन्य जीवों की रक्षा के लिए थे। द्वितीय - तराई सरोवर - पहाड़ियों की तराई में जल संग्रहण हेतु बनाये गये थे। तृतीय- नगरीय सरोवर थे।

-डॉ. आनंद सिंह राणा

विजय दशमी की प्रासंगिकता

गिरीश जोशी

क्या हमारे पूर्वजों ने विजय दशमी उत्सव को शस्त्र और शास्त्र का पूजन करने भगवान राम की विजय का स्मरण कर रावण के पुतले का दहन करने की परंपरा का पालन करने के लिए हमारी जीवन पद्धति में शामिल किया था या इस उत्सव के कुछ ओर निहितार्थ रहे हैं। आज इस उत्सव की क्या प्रासंगिकता है ऐसे अनेक सवाल विशेषकर युवाओं के मन में उठते है । एक ओर इस उत्सव को सत्य की असत्य पर विजय,अच्छाई की बुराई पर विजय के रूप में मनाने की परंपरा हजारों वर्षों से हमारे देश में चल रही है। दूसरी ओर देश में आमतौर पर समाज की मानसिकता में विजिगीषु वृत्ति (विजयी भाव) दिखाई नहीं पड़ती है। विजिगीषु वृत्ति वाला समाज दासभाव से भरी निराशाजनक मानसिकता से ऊपर उठकर प्रत्येक कार्य सफल होने के लिए, हर संघर्ष में विजय होने की भावना से ही मैदान में उतरता है। लेकिन समान्यतः देश में पराक्रमी उद्यमशीलता,कर्मशीलता तथा साहस से जोखिम उठाकर कुछ नया कर दिखाने की चाह के प्रति उदासीनता दिखाई देती है। अधिकांश युवा भी उद्यमशील होने के स्थान पर कोई भी नौकरी पाने को ही जीवन का बड़ा लक्ष्य मानते हैं। समाज की यह मनोवृत्ति क्यों बनी, इसे जानने के लिए अतीत के झरोखे से झांकते है। भारत में सन 1818 में अंग्रेजों ने अपना शासन स्थापित किया। इसके साथ ही देशवासियों का उनके साथ लंबा संघर्ष शुरू हुआ। इस कड़ी में बड़ा व देशव्यापी संघर्ष सन 1857 में हुआ। इसे कुचलने के लिए अंग्रेजों ने हर प्रकार के तौर तरीके अपनाए। भविष्य में इस प्रकार का विद्रोह खड़ा न हो सके, वे देश पर हमेशा राज कर सके इस उद्देश्य से भारत के मूल समाज का मनोबल को तोड़ने, उसे आत्महीनता के भाव से ग्रसित करने,आत्मसम्मान भुला देने के लिए हर आयाम पर दीर्घकालीन योजना बनाकर करना शुरू किया। इस योजना के तहत अंग्रेजों ने समाज में फुट डालने के लिए देश के सामाजिक ताने-बाने को भंग किया, भारतीय परंपरागत ज्ञान व कौशल आधारित शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर दास मानसिकता बनाने के लिए की अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था स्थापित की, देश के वास्तविक इतिहास को विकृत कर, तोड़-मरोड़ कर बताया, सिखाया। हमारी संस्कृति को दकियानूसी और पुरातन शास्त्रों को कपोल कल्पना बताया। उन्होंने भारतीय युवाओं के मन मस्तिष्क में ये धारणा स्थापित करने का प्रयास पुरजोर तरीके से किया कि भारत हमेशा पिछड़ा देश ही रहा है, यहां जो भी कुछ अच्छे काम हुए वे सब बाहर से आए लोगों ने किए है। पाश्चात्य संस्कृति क्षेष्ठ है,भारत की संस्कृति पिछड़ी है।भारतीय युवाओं को आत्मगौरव के भाव से विहीन कर उनके भीतर प्रतिकार की भावना और संघर्ष की क्षमता को समाप्त करना उनका मुख्य उद्देश्य था। इस वजह से अंग्रेजी संस्कारों, शिक्षा व राज्य व्यवस्था में पली-बढ़ी अनेको पीढ़ियां भारत में हुई जो अपने स्वर्णिम अतीत को भुला बैठी। युवाओं के एक आयाम से अंग्रेजों के षड्यंत्र को समझने की कोशिश करते हैं। हमारे देश की संस्कृत में लिखी ग्रंथ सम्पदा जो दुनिया का सबसे प्राचीन साहित्य माना जाता है उसमें बेरोजगारी अथवा Unemployment शब्द नही मिलता है। यहां तक की लोकभाषा अथवा बोली में लिखे साहित्य जैसे रामचरित मानस आदि में भी बेरोजगारी शब्द नहीं दिखाई देता क्योंकि हमारी सामाजिक व्यवस्था में बेरोजगारी का कोई अस्तित्व ही नही था। तत्कालीन समाज में विशेषकर युवा उद्यमशील थे। लेकिन अंग्रेजों ने हमारे परंपरागत कौशल आधारित उद्योगों व ज्ञान को नष्ट किया। अंग्रेजों की चाकरी को श्रेष्ठ कार्य के रूप में स्थापित किया गया जिससे युवाओं के मन में अंग्रेजों की नौकरी पाना तत्कालीन युवाओं का मुख्य ध्येय बन गया। जो स्वाधीनता के बाद सरकारी या निजी नौकरी को पाने की अभिलाषा में बदल गया। जब चाकर बनना स्वप्न बन जाए तो पराक्रम के साथ उद्यम खड़ा करने की और अपने काम में विजयी होने की भावना कहां से आएगी। आज अंग्रेजों द्वारा थोपी गई दीनता व हीनता से भरी मानसिकता से ऊपर उठकर आगे बढने की जरूरत है। अंग्रेजियत को भारतीय समाज व्यवस्था के हर आयाम से निर्मूल कर सम्पूर्ण भारतीय व्यवस्था यानि स्वाधीन होने के बाद सही मायने में स्वतंत्रता स्थापित करने व भारत की खोई हुई विजिगीषु वृत्ति को पुनः स्थापित करने का समय आ गया है। राम-रावण का युद्ध जब शुरू होने वाला था तब रावण अपने अमोघ अस्त्र-शस्त्र से लैस होकर दिव्य रथ पर सवार होकर युद्ध के मैदान में आया। रघुवीर तो वल्कल वस्त्र में,बिना पैर में कुछ पहने खड़े थे। ये दृश्य देख कर विभीषण के मन में भगवान की विजय को लेकर शंका उत्पन्न हुई । उसे भगवान से पूछा-'नाथ न रथ नहि तन पद त्राना। केहि बिधि जितब बीर बलवाना। अर्थात हे नाथ! आपके पास न तो रथ है, न तन की रक्षा करने वाला कवच है और न ही अपने पैरों में कुछ पहना हैं। ऐसे में वह बलवान वीर रावण से आप किस प्रकार जीत सकते हैं।' आज भी जब हमारा सामना किसी बलशाली व सामर्थ्य संपन्न आंतरिक अथवा बाहरी शत्रु से होता है तब लगभग यही मनःस्थिति हमारी होती है । भगवान ने विभीषण को जो उत्तर दिया है वो भारत का सार्वकालिक पथप्रदर्शक है। भगवान ने कहा-'सुनहु सखा कह कृपानिधाना। जेहिं जय होइ सो स्यंदन आना।' हे मित्र सुनो,जिस रथ से विजय मिलती है,वह रथ दूसरा ही है। उस रथ का वर्णन करते हुए प्रभु ने कहा-' सौरज धीरज तेहि रथ चाका। सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका। बल बिबेक दम परहित घोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे। अर्थात शौर्य और धैर्य उस रथ के पहिए हैं। सत्य और शील (सदाचार) उसकी ध्वजा और पताका हैं। बल, विवेक, दम (इंद्रियों पर नियंत्रण) और परोपकार- ये चार उसके घोड़े हैं, जो क्षमा, दया और समता रूपी डोरी से रथ में जुते हुए हैं। आगे भगवान बोले-'ईस भजनु सारथी सुजाना।बिरति चर्म संतोष कृपाना। दान परसु बुधि सक्ति प्रचंडा।

गधों से कष्ट निवारण हेतु गधा सम्मेलन

रेखा शाह

गधों का विश्व व्यापी सम्मेलन था , हर जगह से गधे आऐ थे ,आखिर विश्व एक कुटुंब ही तो है तो ना किसी ने सीमा देखी, ना सरहद देखा हर ओर से गधे चले आए थे। यह देखने कि आखिर सम्मेलन किस लिए बुलाया गया है! गधे थे ..पर इतने गधे भी नहीं थे कि उन्हें अपने फायदे की बात समझ में ना आए ..सबके काम करने वाले, सब के कपड़े धोने वाले, सब के बोझा ढोने वाले, यहां तक कि कुछ देशों की अर्थव्यवस्था चलाने वाले गधे तक आए थे.. और उन गधों के पीछे- पीछे उनका जन्म जन्मांतर से शोषण करने वाले गधे भी आए थे। आए क्या थे मजबूरी में उन्हें आना पड़ा था अब गधों से गधा कौन जानवर होगा! जो बोझा भी ढोए और अपनी हड्डियां भी तुड़वाने का सब्र रखे और मालिक को दुल्लती भी न मारे। सम्मेलन शुरू हुआ और एक नेता टाइप गधा उठा और सब को संबोधित करते हुए बोलने लगा - ढेचू ढेचू भाइयों और बहनों लोग कहते हैं गधे गधे होते हैं .. लेकिन गधो को नहीं पता कि शराफत और भोलापन भी कोई चीज है हम गधों को इंसानों ने बहुत दुख दिया है सारे गधा पंथी वाले का खुद इंसान करते हैं और गधे हमें कहते हैं ।सारी धरती का सत्यानाश जल से लेकर जंगल- जमीन तक पर्वत -पहाड़ सबको अपनी लालच की भेंट चढ़ा चुके हैं । उनके लालच के कदम रुकते नहीं और हमारे तीन पैरों को रस्सी से बांधकर रखते हैं आखिर हम कितना अत्याचार बर्दाश्त करें, इसके बावजूद भी हम उनके सारे कार्य करते हैं यहां तक कि हमने कुछ देशों की अर्थव्यवस्था तक संभाल रखी है । यहां तक तो चुपचाप बर्दाश्त किया पर यह इल्जाम असहनीय है कि किसी इंसान को गलती करने पर उसे गधा की उपाधि दी जाए। यह हम गधों का अपमान है और हम इसके खिलाफ अपना विरोध अनिश्चितकालीन अनशन करके करेंगे जब तक इंसान अपनी गलतियों पर लिखित में माफी नामा नहीं जारी करता है ढेचू ढेचू ढेचू ..। पीछे की कतार में खड़े गधे के मालिकों ने अपना माथा पकड़ लिया और उनमें से एक बोला --अरे इन गधों को किस गधे ने यह ज्ञान की घुट्टी पिलाई दूसरे ने जवाब दिया लगता है यह भी व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट बन चुके हैं और तभी इंसानी गधे लिखित में माफीनामा तैयार करने में जुट गए। यह तो इंसानों को भी एहसास है कि अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए गधों की जरूरत तो पड़ती ही है अतः लोकतंत्र में सत्ता बनाए रखने के लिए कभी कभी गधों को पुचकारना,सहलाने से जो परहेज करेगा.. उसे सफलता मिलना संदिग्ध है।

तीसरे विश्वयुद्ध की तैयारी भारत रहेगा सब पर भारी

डॉ उमेश प्रताप वत्स

धरती, आकाश एवं पाताल में तृतीय विश्व युद्ध की बिसात सज चुकी है। इस बार इस विश्वयुद्ध के गुनाहगार रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की, चीन के राष्ट्रपति शी जिनिंग तथा उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन को ठहराया जायेगा।

आज रूस की यूक्रेन के विरुद्ध शुरू की गई जंग को साढे6छह महीने का वक्त पूरा होने वाला है। इस जंग में न केवल यूक्रेन और रूस ने ही अपना बहुत कुछ खोया है अपितु पूरी दुनिया को भी अच्छा खासा नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन इस वक्त लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर है, रूसी सैनिकों को भारी नुकसान हो रहा है और बाकी दुनिया खाने की कमी, बढ़ती महंगाई, परामणु युद्ध के खतरे की आशंका और इस युद्ध से उत्पन्न अन्य चुनौतियों से जूझ रही है। जिसके जल्दी समाप्त होने के कोई आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं। रेड क्रॉस ने मंगलवार को चेतावनी जारी करते हुए बताया कि यूक्रेन संकट ने पूरी दुनिया की मानवीय व्यवसथा को झटका दिया है और दुनियाभर में आपात स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए संगठन की क्षमता पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। रसायनिक हथियारों के प्रयोग ने पूरी दुनिया में भिन्न-भिन्न प्रकार के वायरस फैलाने का कार्य किया है। नई-नई बीमारियों के नाम सुने जा रहे हैं। सबसे चिंतनीय यह है कि युद्ध रुकने के किसी भी तरह के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं।

जब कोई देश विश्व बिरादरी से अलग होकर अपनी जिद पर अड़ जाता है और उसे मानवता से अधिक अपनी प्रतिष्ठा की चिंता होने लगती है तो तब युद्ध रोकने के उपाय भी समाप्त हो जाते हैं। जब दो सामान्य देश आपस में लड़ते हैं तो रूस, चीन, अमेरिका जैसे ताकतवर देश उन्हें धमकाकर, नष्ट कर देने का डर दिखाकर लड़ने से रोक देते हैं किंतु यदि ये ताकतवर देश स्वयं गुनाह करें तो इन्हें कौन रोक पायेगा।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को समझाने का प्रयास किया कि युद्ध किसी समस्या का हल नहीं, संवाद होना चाहिए किंतु प्रतिष्ठा मानवता पर भारी पड़ रही है तो मानवता तार-तार होने से कौन बचाये। दूसरा शक्तिशाली देश चीन इस लंबे समय से चल रहे युद्ध को रोकने की अपेक्षा स्वयं ताइवान पर हमला करने के लिए उतावला हो रहा है। तीसरा शक्तिशाली देश अमेरिका यदि तटस्थ रहे तो उसका सिंहासन टूटता है। विश्व में उसकी साख गिरती है। वह इधर युक्रेन को सहायता देने के लिए संकल्पबद्ध है और उधर ताइवान का साथ देने के लिए विवश है। इन दोनों मोर्चों से अलग चीन अपने पूर्व के पड़ोसी देश जापान के कुछ द्वीपों पर भी आँख लगाये बैठा है। चीन वहां भी घुसपैठ कर कई बार फायरिंग कर चुका है तो विश्व युद्ध तो संभावी है।

पूर्व में भी प्रथम विश्वयुद्ध दो देशों से प्रारंभ होकर पूरे विश्व में फैल गया था। विश्व के अधिकतर देश इसमें प्रतिभागी थे। यह 28 जून 1914 को आसट्रिया के उत्तराधिकारी आर्चड्यूक की सर्बिया द्वारा हत्या कर देने के कारण प्रारंभ हुआ था । आज के शक्तिशाली देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान आदि सर्बिया के पक्ष में तथा जर्मनी, हंगरी, बुल्गारिया, उस्मानिया आदि आसट्रिया के पक्ष में तैनात हो गए थे । इसे सभी युद्धों को समाप्त करने वाला युद्ध के रूप में जाना जाता था। यह इतिहास में सबसे घातक संघर्षों में से एक था, जिसमें अनुमानित 9 करोड़ लड़ाकों की मौत और युद्ध के प्रत्यक्ष परिणाम के स्वरूप में 1.3 करोड़ नागरिकों की मृत्यु हुई थी। 1917 तक जर्मनी जीत रहा था किंतु अमेरिका के मित्र देशों के साथ आने पर जर्मनी पक्ष की दयनीय हार हुई। इस युद्ध में ब्रिटेन की ओर से कुल 8 लाख भारतीय सैनिक लड़े जिसमें कुल 47746 सैनिक मारे गये और 65000 घायल हुए।

इसी प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध वर्ष 1939-45 के बीच होने वाला एक सशस्त्र विश्वव्यापी संघर्ष था। यह इतिहास का सबसे बड़ा संघर्ष था जो लगभग छह साल तक चला था। अनुमान है कि एक सितंबर 1939 से दो सितंबर 1945 तक चले इस युद्ध में न केवल 7 से 8.5 करोड़ लोग मारे गए बल्कि भूखमरी, तंगहाली और महंगाई भी बढ़ी। रूस, अमेरिका व ब्रिटेन के समक्ष जर्मनी को आत्मसमर्पण करना पड़ा। जर्मनी की इस पराजय को हिटलर बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसने 30 अप्रैल 1945 को आत्महत्या कर ली। दूसरी तरफ अमेरिका ने 6 अगस्त और 9 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिरा दिए। जिसमें लाखों लोग मारे गए।

क्यों मनाया जाता है दशहरा पर्व ?

दशहरा पर्व हमारे देश में काफी धूम-धाम से मनाया जाता है। इसे विजय दशमी भी कहा जाता है। शारदीय नवरात्रि के समय 9 दिन मां दुर्गा की पूजा-उपासना करने के बाद दसवें दिन रावण का पुतला बनाकर उसका दहन किया जाता है। इसका संबंध त्रेतायुग से है। त्रेतायुग में श्रीहरी ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। आइए पूरी कहानी वस्तिार से जानते हैं....

जब वनवास गए श्रीराम

श्रीराम को अपने पिता के दिए हुए एक वचन के कारण 14 वर्ष के वनवास पर जाना पड़ा था। जब राम वन के लिए जाने लगे तो उनके छोटे भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता भी उनके साथ गए। वन में श्रीराम को देखकर लंका के राजा रावण की बहन सूर्पनखा श्रीराम पर मोहित हो गई और उसने श्रीराम के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा।

रामजी ने रावण की बहन को समझाई यह बात

श्रीराम ने सूर्पनखा को आदरपूर्वक बताया कि वह उनसे विवाह नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने अपनी पत्नी सीता को वचन दिया है कि वह उनके अतिरिक्त किसी और से विवाह नहीं करेंगे। यह कहकर श्रीराम ने सूर्पनखा को लक्ष्मण के पास भेज दिया। लक्ष्मण के पास जाकर सूर्पनखा विवाह करने की हठ करने लगीं तो लक्ष्मण ने उन्हें मना कर दिया। इस पर सूर्पनखा नहीं मानी तो लक्ष्मण ने क्रोधित होकर उसके नाक-कान काट दिए।

सूर्पनखा अपने भाई रावण के पास पहुंची

तब रोती हुई सूर्पनखा अपने भाई रावण के पास पहुंची और उसे राम और लक्ष्मण के बारे में बताया। तब रावण ने छल से माता सीता का हरण कर लिया। फिर राम भक्त हनुमान ने माता सीता की खोज की। बहुत समझाने के बाद भी जब रावण माता सीता को ससम्मान श्रीराम के पास भेजने के लिए तैयार नहीं हुआ तो श्रीराम ने उसका वध कर दिया और माता सीता को लंका से वापस ले आए।

शारदीय नवरात्र की दशमी को हुआ था रावण वध

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने जिस दिन रावण का वध किया उस दिन शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि थी। इसीलिए इस त्योहार को विजयदशमी भी कहते हैं। रावण के बुरे कर्म पर श्रीराम की अच्छाई की जीत हुई इसलिए इसे बुराई पर अच्छाई की जीत के त्योहार के रूप में भी मनाते हैं। विजयदशमी पर रावण का पुतला बनाकर उसका दहन किया जाता है।

विजयादशमी पर नीलकंठ को देखना होता है शुभ

शमी वृक्ष का पूजन

हमारे देश में विभिन्न पर्वों पर पशु-पक्षियों, आयुधों, नदी-तालाबों के साथ-साथ वृक्षों की पूजा की भी पुरानी परंपरा रही है। इन्हीं परंपराओं के तहत दशहरे के दिन हम शमी वृक्ष की भी पूजा करते हैं। शमी पूजा का जिक्र हमारे पौराणिक कथाओं में भी उल्लेखित है। कहा जाता है कि महाभारत काल में अपने वनवास काल के अज्ञातवास के दिनों में खुद की पहचान मिटाने के लिए पांडवों ने शमी के वृक्ष के भीतर अपने सभी अस्त्र-शस्त्र छिपा दिए थे। पांडव कौरवों पर विजय के पीछे शमी की भी अहम भूमिका मानते हैं और यह संयोग ही था कि विजयादशमी के दिन ही कौरवों पर पांडवों ने विजय हासिल की थी, इसीलिए विजयदशमी के दिन शमी का पूजन किया जाता है।

इस दिन घर की पूर्व दिशा में शमी की टहनी को प्रतिष्ठित कर उसकी विधि पूर्वक पूजा की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से पांडव की तरह हर व्यक्ति के जीवन में एवं घर-परिवार में सुख-समृद्धि का वास होता है। महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कहा तो ये भी जाता है कि जिसके घर के सामने शमी का वृक्ष हो, उस घर के सदस्यों पर शनि के अशुभ प्रभाव नहीं पड़ते, बुरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर सकतीं।

नीलकंठ पक्षी के दर्शन

हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार नीलकंठ पक्षी को भगवान शिव का प्रतिनिधि माना जाता है। मान्यता है कि विजयादशमी के दिन नीलकंठ पक्षी का दर्शन करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं, क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि लंकाधिपति रावण पर विजय पाने के लिए भगवान श्रीराम ने सबसे पहले नीलकंठ का दर्शन किया था। नीलकंठ का दर्शन करने से भगवान शिव का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन नीलकंठ का दर्शन होने से जीवन में धन-धान्य, भाग्योदय तथा सुख-समृद्धि आती है।

पान खाने की पंरपरा

हमारे देश में पान का बीड़ा खाना शौर्यता का प्रतीक माना जाता है। पुराने जमाने में जब राजा महाराजा युद्ध के लिये प्रस्थान करते थे, तो रानियां उन्हें पान का बीड़ा खिलाकर उनके विजयी होकर लौटने की कामना करती थीं। लंका के राजा रावण पर विजय प्राप्त कर लौटने की खुशी में दशहरा के दिन पान खाने की पुरानी परंपरा आज भी जारी है। चूंकि श्रीराम की इस

विजय में भगवान हनुमान की विशिष्ठ भूमिका रही है, इसलिए दशहरा के दिन हनुमान जी को मीठी बूंदी के भोग के साथ पान भी चढाया जाता है।

अस्त्र-शस्त्र एवं वाहनों की पूजा

सनातन धर्म में दशहरा का दिन बहुत शुभ माना गया है, इसीलिए इस दिन अधिकांश लोग शस्त्र-शास्त्र, आभूषणों और वाहनों की खरीदारी और पूजा करते हैं। पूजा नये वाहनों की ही नहीं बल्कि पुराने वाहनों की भी पूजा की जाती है। मान्यता है कि इससे वाहन से अशुभ साया दूर होता है और उसकी शुभता में वृद्धि होती है। अर्थात वह आपके लिए अनुकूल होता है। उसकी चोरी, खराबी, अड़चनें आदि से छुटकारा मिलता है। इसी तरह घर के अस्त्र-शस्त्र की भी पूजा होती है। इस दिन क्षत्रिय समाज के लोग अपने शस्त्रों की पूजा करते हैं, मान्यता है कि यह दिन बुराई पर अच्छाई की जीते के रूप मनाया जाता है, इसीलिए इस दिन शास्त्रों की पूजा करके भगवान राम को भी याद किया जाता है।

जवारे विसर्जन के शुभ मुहूर्त
(5 अक्टूबर, बुधवार)
पंचांग के अनुसार अश्विन शुक्ल दशमी तिथि 4 अक्टूबर, मंगलवार की दोपहर 02.20 से शुरू होकर अगले दिन 5 अक्टूबर, बुधवार की दोपहर 12 बजे तक रहेगी। इसके पहले जवारे विसर्जन करना शुभ रहेगा।

दशहरा 2022 शुभ मुहूर्त

पंचांग के मुताबिक, इस साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 4 अक्टूबर 2022, मंगलवार को दोपहर 02:20 बजे से शुरू होगी और इसका समापन 5 अक्टूबर 2022, बुधवार को दोपहर 12 बजे होगा। वहीं ज्योतिष अनुसार उदयातिथि पर दशहरा 05 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा।
श्रवण नक्षत्र- 4 अक्टूबर 2022 को रात 10:51 बजे से 5 अक्टूबर 2022 को रात्रि 09:15 बजे तक
अमृत काल मुहूर्त- 5 अक्टूबर 2022 सुबह 11:33 बजे से दोपहर 01:02 बजे तक।

कोई बुद्धिमान व्यक्ति सलाह दे रहा हो तो बीच में न बोलें

बुधवार, 5 अक्टूबर को दशहरा है, ये धर्म की विजय का दिन है। श्रीराम ने इसी तिथि पर रावण का वध किया था। श्रीराम के कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें सुखी और सफल जीवन के सूत्र बताए गए हैं। श्रीराम और लक्ष्मण सीता की खोज करते हुए वन में कई ऋषियों से भी भेंट कर रहे थे।

श्रीराम ने भारद्वाज मुनि से वन में

आगे बढ़ने का रास्ता पूछा था, वाल्मीकि मुनि से रहने के स्थान के बारे में पूछा था। उस समय दक्षिण दिशा के सभी ऋषि मुनि रावण के डर से अन्य जगहों पर भाग चुके थे। उस क्षेत्र में सिर्फ अगस्त्य मुनि ही रह रहे थे। श्रीराम ने सोचा कि वे अगस्त्य मुनि से राक्षसों का संहार करने का तरीका पूछेंगे।

श्रीराम और लक्ष्मण अगस्त्य मुनि के आश्रम पहुंचे। जैसे ही अगस्त्य मुनि ने श्रीराम को देखा तो वे उनका सत्कार करने के लिए खड़े हो गए। स्वागत-सत्कार के बाद श्रीराम ने अगस्त्य मुनि से पूछा कि कृपया आप हमें बताइए किस तरह रावण और राक्षसों को मारा जा सकता है?

अगस्त्य मुनि ने कहा कि राम जी आप स्वयं सब जानते हैं, समर्थ हैं, लेकिन फिर भी आप मुझसे मार्गदर्शन ले रहे हैं। ये तो आपका बड़प्पन है, आपको एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि रावण से लड़ने के लिए सेना के साथ ही आत्मबल भी होना चाहिए। आप दोनों भाइयों में आत्मबल तो बहुत है, लेकिन आपको सेना के बारे में विचार करना चाहिए। सिर्फ वानर सेना के भरोसे कैसे जीत पाएंगे?

अगस्त्य मुनि की बात पूरी नहीं हुई थी और लक्ष्मण बीच में बोल पड़े कि श्रीराम और मैं, हम दोनों ही राक्षसों के लिए पर्याप्त हैं।

लक्ष्मण की बात सुनकर श्रीराम ने कहा कि लक्ष्मण धैर्य रखो, ये बोल रहे हैं, इनकी बातें ध्यान से सुनो।

दोनों भाई चुप हो गए तो अगस्त्य मुनि ने फिर बोलना शुरू किया कि आप वानर और रीछ जैसे जन समूह के भरोसे आप ये युद्ध लड़ने जा रहे हैं, लेकिन ध्यान रखें कि समूह की अपनी अलग सोच होती है, ऐसा संभव है कि जब आप पर प्रहार हो तो ये जन समूह आपका साथ छोड़ सकता है। आपको सिर्फ खुद पर सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

श्रीराम ने अगस्त्य मुनि को धन्यवाद कहा, उनका आभार माना और आगे बढ़ गए।

श्रीराम ने लक्ष्मण को समझाया था कि सफलता के सूत्र किसी से भी मिल सकते हैं। हमें बुद्धिमान लोगों का सम्मान करना चाहिए। जब भी को बुद्धिमान व्यक्ति हमें कुछ बताए तो उसकी बात ध्यान से सुननी चाहिए, उन्हें बीच में टोकना नहीं चाहिए।

विजयादशमी पर क्यों बांटे जाते हैं सोने के पत्ते

रावण दहन के बाद लोग एक-दूसरे से मिलकर विजयादशमी की शुभकामनाओं के साथ सोने की पत्तियां देते हैं। विजयादशमी के दिन सोने की पत्तियों के आदान-प्रदान की यह परंपरा सदियों से चली आ रही है।

आश्विन मास में पड़ने वाले शारदीय नवरात्रि में नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने के बाद 10वें दिन विजयादशमी यानी दशहरे का पर्व मनाया जाता है। इस पर्व को असत्य पर सत्य के विजय के तौर पर मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण से लंबा युद्ध किया था और युद्ध के 10वें दिन उन्होंने रावण का वध करके विजय प्राप्त की थी, इसलिए आज भी दशहरे के दिन जगह-जगह पर रावण के पुतले का दहन किया जाता है। रावण दहन के बाद लोग एक-दूसरे से मिलकर विजयादशमी की शुभकामनाओं के साथ सोने की पत्तियां बांटते हैं। विजयादशमी के दिन सोने की पत्तियों के आदान-प्रदान की यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इन पत्तियों को बिड़ी के पत्ते और शमी के पत्ते के नाम से भी जाना जाता है। आखिर क्यों दशहरे पर सोने की यानी शमी की पत्तियां दी जाती हैं, चलिए जानते हैं इससे जुड़ी मान्यताएं।

श्रीराम ने की थी इस वृक्ष की पूजा

मान्यता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने लंका पर आक्रमण करने से पहले शमी वृक्ष के सामने शीश झुकाकर जीत के लिए प्रार्थना की थी। उन्होंने इन पत्तियों को स्पर्श किया था, जिसके फलस्वरूप उन्हें रावण पर विजय मिली। इसलिए सदियों से यह मान्यता चली आ रही है कि विजयादशमी के लिए सोने के प्रतीक के तौर पर शमी की पत्तियों का आदान-प्रदान करने से सुख, समृद्धि और विजय की प्राप्ति होती है।

इस वृक्ष पर पांडवों ने छुपाए थे अपने हथियार

हिंदू धर्म में विजयादशमी के दिन शमी के वृक्ष का पूजन किया जाता है। खासकर क्षत्रियों में इस पूजन का विशेष महत्व बताया जाता है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार, महाभारत के युद्ध में पांडवों ने इसी वृक्ष के ऊपर अपने अस्त्र-शस्त्र छुपाए थे,

जिसके बाद युद्ध में उन्हें कौरवों पर विजय मिली थी।

महर्षि वरतंतु ने गुरु दक्षिणा में मांगे थे 14 करोड़ सोने के सिक्के

एक और किदवंती के अनुसार, आयोध्या में वरतंतु नाम के एक महर्षि ने कौत्स को पाल-पोसकर बड़ा किया और उसे अपना समस्त ज्ञान प्रदान किया। ज्ञान प्राप्त करने के बाद जब कौत्स आश्रम से जाने लगा तब उसने महर्षि वरतंतु से गुरु दक्षिणा मांगने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने अपने शिष्य की इस बात को अनसुना कर दिया, लेकिन बार-बार आग्रह करने पर गुरु ने उससे 14 करोड़ सोने के सिक्कों की मांग की। तत्पश्चात सोने के सिक्कों के लिए कौत्स आयोध्या के राजा राम के पास पहुंचे।

भगवान राम ने कौत्स की इस समस्या का निवारण करने के लिए उसे शमी के पेड़ के नीचे इंतजार करने के लिए कहा। तीन दिन बीत जाने के बाद उस वृक्ष से सोने के सिक्कों की बरसात होने लगी और कौत्स गुरु दक्षिणा के लिए 14 करोड़ सिक्के लेकर वहां से चला गया। बाद में इन सिक्कों को गरीबों में वितरित किया गया। दरअसल, भगवान राम की कृपा से ही धन के देवता कुबेर ने यह चमत्कार किया था।

मराठा सैनिकों की जीत का है प्रतीक

एक अन्य कथा के अनुसार, जब मराठा सैनिक युद्ध में विजय प्राप्त करने के बाद अपने साथ खूब सारा सोना और युद्ध के हथियारों के साथ लौटे, तब इन चीजों को भगवान के समक्ष रखकर पूजा की गई और प्रियजनों में बांटा गया। इसलिए इस परंपरा को जीवंत रखने के लिए महाराष्ट्र में आज भी सोने के प्रतीक के तौर पर सोने की पत्तियों के साथ विजयादशमी को शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बेहद चमत्कारी है सुखदेव माता का मंदिर, लकवा रोगी भी चलने लगता है

माता सुखदेवी का यह अनोखा मंदिर राजस्थान के उदयपुर शहर से सटे बेदला गांव में स्थिति है। यह मंदिर आठवीं सदी में बना था। इस मंदिर में जो भी भक्त दर्शन करने आता है उसे पीछे मुड़कर देखने की सलाह नहीं दी जाती है। कहा जाता है कि यहां दर्शन करने के बाद भूत-प्रेत और उपरी हवा जैसी नेगेटिव शक्तियां पीछे छूट जाती है। इसलिए भक्तों को दर्शन के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। यदि आप बुरी शक्तियों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो इस मंदिर में आकर माथा टेक सकते हैं।

लोग छोड़ जाते हैं जिंदा मुर्गे-बकरे

इस मंदिर में एक पेड़ और आंगन है। यहां आपको ढेर सारे मुर्गे और बकरे दिख जाएंगे। दरअसल जब भी किसी की कोई मन्नत पूरी होती है तो वह यहां मुर्गे और बकरे छोड़ जाता है। पहले अन्य शक्तिपीठों की तरह यहां भी सुखदेवी माता को पशुओं की बलि चढ़ाई जाती थी। लेकिन फिर इस परंपरा पर रोक लगा दी गई। अब मन्नत पूरी होने पर भक्त जिंदा मुर्गे और बकरे ही यहां छोड़ जाते हैं। दर्शन करने आने वाले भक्त यहीं से खाना खरीदकर इन्हें खिलाते भी हैं।

नवमी पर रहती है भारी भीड़

सुखदेवी माता के मंदिर में नवमी के दिन भक्तों की भारी भीड़ रहती है। आमतौर पर शक्ति पीठों और देवी माता के मंदिरों में अष्टमी को भक्तों की भीड़ अधिक देखी जाती है। लेकिन यहां अष्टमी की बजाय नवमी पर लोग अधिक आते हैं। हालांकि इस परंपरा की वजह यहां के बुजुर्ग भी नहीं बता पाते हैं।

हर धर्म के लोग हैं मां के भक्त

बेदला में रहने वाला हर नागरिक सुखदेवी माता का भक्त है। फिर वह किसी भी जाति या धर्म का हो। यहां आपको हर शख्स के वाहन पर सुखदेवी माता का नाम देखने को मिल जाएगा। यहां के लोग जब भी कोई नया वाहन खरीदते हैं तो उस पर सबसे पहले सुखदेवी माता का नाम लिखवाते हैं। वे वाहन को मंदिर लाकर उसकी पूजा भी करते हैं।

लकवा रोगियों और निसंतानों के लिए है वरदान

सुखदेवी माता का मंदिर लकवा रोगियों और निसंतानों के लिए वरदान से कम नहीं है। इस मंदिर में बच्चे की आश लेकर आने वाले जोड़े मंदिर प्रांगण में लगे पेड़ पर झूला टांगकर जाते हैं। मान्यता है कि इससे उनकी सूनी गोद भर जाती है। वहीं लकवा पीड़ित लोग माता की प्रतिमा के सामने बनी खिड़कीनुमा छोटे से दरवाजे से बैठकर सात बार निकलते हैं। ऐसा कर उन्हें भी लाभ होता है।

पहाड़ी काटकर बनाया गया है रास्ता

बेदला में बने इस सुखदेवी माता के मंदिर तक पहुंचने के लिए एक पहाड़ी को काटकर रास्ते का निर्माण किया गया है। कहते हैं कि इस पहाड़ी के मध्य से होते हुए मंदिर जाने से जीवन में सुख मिलते हैं। इतिहास के अनुसार जीर्णोद्धार महाराणा फतह सिंह ने इस मंदिर को बनवाया था। ये रास्ता माता के मंदिर का दरवाजा था।

धनुष और ऐश्वर्या ने टाला तलाक का फैसला

साउथ सुपरस्टार धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत ने अपने रिश्ते को एक और मौका देने का फैसला किया है। कपल ने जनवरी में अपने अलग होने की घोषणा की थी। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत ने फिलहाल अपने तलाक को कुछ समय के लिए पोस्टपोन कर अपने रिश्ते पर काम करने का फैसला लिया है। हालांकि, धनुष और ऐश्वर्या ने अभी तक इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है।

परिवार वालों ने मिलकर की बात

एक रिपोर्ट के अनुसार दोनों ने अपने तलाक को रोकने का फैसला किया है। इतना ही दोनों के परिवारों ने रजनीकांत के घर पर एक बैठक की, जहां यह तय किया गया कि धनुष और ऐश्वर्या अपने रिश्ते पर काम करने की कोशिश करेंगे।

जनवरी में लिया था तलाक का फैसला

धनुष और ऐश्वर्या दोनों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए जनवरी में अपने तलाक की घोषणा की थी। धनुष ने पोस्ट में लिखा- हमने 18 साल दोस्त, कपल, माता-पिता के रूप में एक-दूसरे के शुभचिंतक को रूप में बिताए। लेकिन आज हम ऐसी जगह खड़े हैं, जहां हमारे रास्ते अलग हो रहे हैं। ऐश्वर्या और मैंने एक जोड़े के रूप में अलग होने का फैसला किया है, जिससे हम खुद को बेहतर तरीके से समझने का मौका दे सकें। प्लीज आप हमारे फैसले का सम्मान करें और हमें अकेला छोड़ दें, जिससे हम इस हालत से डील कर सकें।' इस अनाउंसमेंट को काफी समय हो चुका है। ऐसे में खबरें आ रही हैं कि कपल ने तलाक के फैसले को पोस्टपोन कर दिया है, जिससे रिश्ते को ठीक किया जा सके।

500 करोड़ में बनी है आदिपुरुष

कुछ सीन गेम ऑफ थ्रोन्स तो कुछ हैरी पॉटर से हैं कॉपीड, मॉडर्न रावण और चप्पल पहने राम भी हुए ट्रोल

प्रभास, सैफ अली खान और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष का टीजर रिलीज हो चुका है। 500 करोड़ के बजट में तैयार हुई इस फिल्म का टीजर 2 अक्टूबर को आयोध्या में रिलीज किया गया था, जिसे सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल किया जा रहा है। कुछ लोगों का मानना है कि इस फिल्म में तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया गया है वहीं कई लोग इसके सीन को हॉलीवुड से कॉपी किया हुआ बता रहे हैं।

ट्रोल होने का पहला कारण ये है कि मेकर्स ने ऑफिशियली ये अनाउंस किया है कि ये फिल्म महर्षि वाल्मिकी की रामायण पर आधारित है। रामायण की ही तरह फिल्म में भगवान राम हैं, रावण हैं, लक्ष्मण हैं, हनुमान और उनकी वानर सेना है, लेकिन कोई भी किरदार असल किरदार से मिलता-जुलता नहीं है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के चेहरे पर क्रोध नजर आ रहा है, रावण को काफी मॉडर्न, स्टाइलिश और स्पाइक हेयरकट में दिखाया गया है। बैकग्राउंड असल दुनिया से मेल नहीं खाता और वहीं एक सीन में तो राम चप्पल तक पहने दिखाए गए हैं। टीजर के कई सीन और किरदार हैरी पॉटर फिल्म, एवेंजर और गेम ऑफ थ्रोन्स से मिलते हैं।

ब्रह्मास्त्र ने की अपने बजट से भी अधिक कमाई

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का दर्शकों के बीच डंका बज रहा है। घरेलू बॉक्स ऑफिस में यह फिल्म 250 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। 9 सितंबर को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म को रिलीज हुए पूरे 25 दिन हो गए हैं, जिसमें आलिया भट्ट और रणबीर कपूर स्टारर इस फिल्म ने 264.99 करोड़ के आसपास का कुल कलेक्शन रहा है। वहीं, दुनिया भर में भी यह मल्टी स्टारर फिल्म धमाल मचा रही है। इसी बीच, अयान मुखर्जी का एक पोस्ट सामने आया है, जिससे पता चला है कि इस फिल्म ने अपनी कुल लागत निकाल ली है।

अयान मुखर्जी ने 'ब्रह्मास्त्र' को 410 करोड़ के बजट के साथ तैयार किया था, जिसमें फिल्म के प्रमोशन की लागत तक शामिल थी लेकिन अब इस फिल्म ने अपने बजट से ज्यादा की कमाई कर डाली है। दुनिया भर में 'ब्रह्मास्त्र' की कुल कमाई 425 करोड़ रुपये हो गई है और यह जानकारी किसी रिपोर्ट की तरह से नहीं बल्कि फिल्म के डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने दी है। अयान मुखर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया है, जिसमें रणबीर कपूर अपने 'अग्नि अस्त्र' में दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर पर लिखा है, '25 दिन बॉक्स ऑफिस वर्ल्ड वाइड कलेक्शन 425 करोड़ रुपये।' इस कमाई के साथ 'ब्रह्मास्त्र' साल 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है।

बीते कुछ दिनों से घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 'ब्रह्मास्त्र' की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी लेकिन वीकएंड पर इस फिल्म को छुट्टी का फायदा मिला है। शुक्रवार को इस फिल्म ने लाख में कमाई की थी लेकिन अपने चौथे शनिवार (23 वां दिन) को फिल्म को कलेक्शन में उछाल आया। 23 वें दिन फिल्म की कमाई 1.25 करोड़ रही। वहीं, चौथे रविवार को इस फिल्म ने 1.60 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके साथ ही वीकएंड तक फिल्म ने सभी भाषाओं में 265.89 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली।

शिल्पा शेट्टी ने सूट पहनकर किया वर्कआउट : बोली- गेट फिट इन एनी आउटफिट

शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में शिल्पा योगा पेंट्स की बजाय ट्रेडिशनल आउटफिट में जिम करती हुई नजर आ रही है। शिल्पा बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेसेस में से एक हैं और पैर में चोट लगने के बाद भी शिल्पा अपने फैंस को मंडे मोटिवेशन देती हुई नजर आ रही हैं। शिल्पा एक्सरसाइज करते हुए कहती हैं, आउटफिट मत देखो, इमोशन समझो। शिल्पा ने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, आज का मंडे मोटिवेशन है: गेट फिट इन एनी आउटफिट। बता दें, शिल्पा को अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के दौरान पैर में चोट लग गई है, इसी वजह से वह इन दिनों एक छोटे से ब्रेक पर हैं।

किसी का भाई किसी की जान में दिखेंगे राम चरण

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान इस साल के आखिरी में रिलीज होने वाली है। सलमान ने हाल ही में गॉडफादर के ट्रेलर लॉन्च के दौरान एक खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि राम चरण किसी का भाई किसी की जान का हिस्सा बनना चाहते थे और वो इस फिल्म में कैमियो अपियरेंस देंगे।

सलमान ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा, हम हैदराबाद में शूटिंग कर थे और वेंकटेश शूटिंग के दौरान मेरे साथ थे। राम चरण वहां मुझसे मिलने आए और बोले कि वो इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं एक ही फ्रेम में आपके साथ और वेंकी के साथ आना चाहता हूं। मुझे लगा कि वो मजाक कर रहे हैं।

सलमान ने आगे बताया, मैंने कहा कि हम इस बारे में कल बात करते हैं। अगले दिन वो अपने कॉस्ट्यूम के साथ हमसे पहले सेट पर पहुंच गए। मैंने कहा, 'आप यहां क्या कर रहे हैं?' उन्होंने कहा, मैं इसका हिस्सा बनना चाहता हूं। उसके बाद मैंने कहा, 'हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और हम चाहते हैं कि आप इसका हिस्सा बनें, लेकिन क्या ये आपके लिए ठीक होगा?' इस पर राम चरण ने हां कह दिया। इस तरह से वो फिल्म में आए और हमने शूटिंग के दौरान बहुत मजे किए।

विवादों के बीच उर्वशी ने किया ऋषभ को बर्थडे विश

फ्लाइंग किस का वीडियो आते ही यूजर्स बोले- ऋषभ के प्यार में पागल हो गई हैं

उर्वशी रौतेला इन दिनों ऋषभ पंत पर अजीबो-गरीब बयान देने से सुर्खियों में हैं। दोनों सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के खिलाफ लगातार बयान दे रहे हैं। इसी बीच अब ऋषभ के बर्थडे पर उर्वशी ने बर्थडे विश पोस्ट कर सबका ध्यान खींच लिया। उर्वशी ने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वो फ्लाइंग किस के साथ बर्थडे विश कर रही हैं। वीडियो में किसी शख्स का नाम तो नहीं लिखा गया है, लेकिन यूजर्स की मानें तो एक्ट्रेस ने ऋषभ के लिए ही वीडियो पोस्ट किया है।

इंस्टाग्राम हैंडल से रेड ड्रेस में ग्लैमरस वीडियो पोस्ट करते हुए उर्वशी ने कैप्शन में लिखा है, हैप्पी बर्थडे। इसके साथ उर्वशी ने रेड हार्ट इमोजी भी पोस्ट किया है। शेयर किए गए वीडियो में उर्वशी फ्लाइंग किस करती दिखी हैं। वीडियो सामने आते ही यूजर्स उर्वशी को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है, आज तो ऋषभ भैया का बर्थडे है। वहीं एक ने लिखा है, 50 रुपए काटो ओवरएक्टिंग के। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, ऋषभ के प्यार में बावली हो गई है।

उर्वशी और ऋषभ के बीच नोंकझोंक किसी से छुपी नहीं है। दोनों के बीच कथित रिश्ते की खबर समय-समय पर वायरल होती रहती है। अभी हाल ही में एक इंटरव्यू में उर्वशी ने अपने दिल्ली के शूट के बारे में बात करते हुए बताया था कि किसी आरपी नाम के शख्स ने उनका पूरी रात इंतजार किया था। उन्होंने कहा था- मिस्टर आरपी होटल लॉबी में मुझसे मिलने आए थे। मैं सोई हुई थी और 10 घंटे बीत गए थे। मैं कोई कॉल अटेंड नहीं कर पाई और जब मैं उठी तो देखा कि 16-17 मिस्ड कॉल पड़े हुए था। मुझे ये देखकर बहुत खराब लगा क्योंकि कोई आदमी मेरे लिए घंटो तक इंतजार करता रहा और मैं उससे मिल भी न सकी। मैंने उन्हें मुंबई में मिलने के लिए कहा था। हम मिले भी थे लेकिन मीडिया ने इसको बहुत बढ़ा-चढ़ा कर दिखा दिया था। उर्वशी के जवाब में ऋषभ ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें उन्होंने लिखा - यह देखना बहुत फनी है कि लोग पॉपुलैरिटी और हेडलाइंस में आने के लिए कितना झूठ बोलते हैं। कितने दुख की बात है कि कुछ लोग फेम और नेम के इतने भूखे हैं। भगवान उनकी रक्षा करें। मेरा पीछा छोड़ो बहन, झूठ की भी लिमिट होती है।

ओटीटी डेब्यू करेंगी उर्मिला मातोंडकर

लंबे गैप के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर एक बार फिर एक्टिंग की दुनिया में कम बैक करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस सौरभ वर्मा की अपकमिंग वेब सीरीज तिवारी से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू करने वाली हैं। 3 अक्टूबर को फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आया। एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए, सीरीज की अनाउंसमेंट की। पोस्टर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सीरीज में उर्मिला बिल्कुल अलग अंदाज में एक्शन करती नजर आने वाली हैं।

फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने शेयर की पोस्टर

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट ने सोशल मीडिया हैंडल पर तिवारी का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- उर्मिला अपनी अपकमिंग वेब सीरीज तिवारी से ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। पोस्टर में उर्मिला चेहरे पर खून और बिखरे हुए बालों में बिल्कुल डिफरेंट नजर आ रही हैं। पोस्टर देखकर लग रहा है कि उर्मिला इस सीरीज में एक्शन करती नजर आएंगी। पोस्टर में लिखा है- इस बार आखिरी खड़ा होने वाला पुरुष एक महिला होगी।

डेब्यू को लेकर एक्साइटेड हैं उर्मिला

उर्मिला ने अपनी डेब्यू वेब सीरीज की अनाउंसमेंट करते हुए कैप्शन में लिखा- 'मैं वेब सीरीज तिवारी से अपनी वापसी और डिजिटल डेब्यू का पहला लुक साझा करने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं। आप सभी के सपोर्ट से यह मुमकिन हो पाया है। यह पहले से ज्यादा अधिक चुनौतीपूर्ण वापसी का वादा रहा है। उम्मीद है कि आप सभी को यह सीरीज रोमांचक लगेगी। मेरी नई जर्नी की शुरुआत के लिए आप सभी के साथ, प्यार और शुभकामनाओं की जरूरत है।'

मां-बेटे के रिश्ते पर बनी है वेब सीरीज

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उर्मिला की यह सीरीज मां-बेटी के जज्बाती रिश्तों पर बनी है। इतना ही नहीं फिल्म की कहानी छोटे कस्बे की है, जिसमें आपको उर्मिला का एक्शन भी देखने को मिलने वाला है।

मैं मर जाऊं तो याद रखना कि ऐसा ही सुशांत के साथ भी किया गया था :केआरके

जेल में 10 दिन में गई केआरके की 20% याददाश्त

हाल ही में जेल से बाहर निकले फिल्म क्रिटिक कमाल आर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपने ट्वीट के जरिए हमेशा अलग- अलग कंट्रोवर्सी क्रिएट करने वाले केआरके ने इस बार कुछ चौंकाना वाला दावा किया है। केआरके की मानें तो 10 दिनों तक जेल में रहने से उनकी 20% याददाश्त खो चुकी है जो अब वापस नहीं आएगी। केआरके ने इस दौरान अपनी तुलना सुशांत सिंह राजपूत से करते हुए कहा है कि अगर वो मर जाते हैं तो वही लोग जिम्मेदार होंगे जो सुशांत की मौत के जिम्मेदार थे।

केआरके ने ट्वीट कर बताया है, 'मैं अपनी 20 प्रतिशत याददाश्त जेल में खो चुका हूं, जहां मैं 10 दिनों तक बिना कुछ खाए रहा हूं। मेरे डॉक्टर्स के अनुसार, अब मैं अपनी याददाश्त दोबारा नहीं हासिल कर सकता और भविष्य में इससे भी ज्यादा याददाश्त जा सकती है। अगर मैं मरता हूं तो जनता को ये जरूर याद रखना चाहिए कि इन लोगों ने पहले सुशांत सिंह राजपूत के साथ भी यही किया था और अब मेरे साथ कर रहे हैं।'

बॉलीवुड ए-लिस्टर्स पर निशाना साधते आए हैं केआरके

बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही केआरके लगातार अपने वीडियोज और ट्वीट के जरिए बॉलीवुड के ए-लिस्टर्स और नामी कलाकारों को टारगेट करते हैं। इन लोगों में केआरके कई बार सलमान खान और महेश भट्ट का नाम भी शामिल कर चुके हैं।

2 मामलों में हुई थी गिरफ्तारी

बता दें कि पिछलें ही महीने ही केआरके को उनके 2020 में किए एक कंट्रोवर्शियल ट्वीट की वजह से गिरफ्तार किया गया था। उस ट्वीट में केआरके ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान और ऋषि कपूर के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा उनके खिलाफ एक एक्ट्रेस ने छेड़छाड़ का भी मुकदमा दर्ज कराया था।

अब रिव्यू नहीं करेंगे केआरके

अपने रिव्यू से भी सुर्खियों में रहने वाले केआरके ने अब रिव्यू करना बंद कर दिया है। केआरके ने हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया था कि वो आखिरी बार विक्रम वेधा का रिव्यू करेंगे। इसके बाद वो रिव्यू करने की जगह अब प्रोडक्शन में उतरेंगे। रिव्यू बंद करने की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा कि कई नामी लोग उन्हें रिव्यू करने पर जान से मारने की धमकियां देते थे।

कभी रश्मिका मंदाना संग किसिंग सीन कर ट्रोल हुए थे विजय देवरकोंडा, एक्ट्रेस ने कहा था 'नींद से उठकर...'

दक्षिण के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और बहुत ही जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली रश्मिका मंदाना की जोड़ी सुपरहिट है. देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की कैमिस्ट्री इतनी जबरदस्त है इसके बारे में तो आप सब जानते ही हैं. हाल ही में आई कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जाता है कि दोनों ने कुछ सालों तक डेटिंगग भी की थी. दावा किया जा रहा है कि इन दोनों का रिलेशनशिप साल 2020 में ही खत्म हो चुका था.

दो साल पहले ही इस जोड़ी ने ब्रेकअप कर सिर्फ बेस्ट फ्रेंड बने रहने का फैसला लिया था. जबकि लोगों को अब भी यही लग रहा था कि इनके बीच अभी भी प्यार है, क्योंकि अक्सर ये दोनों एक साथ स्पोट किए जाते हैं. रश्मिका मंदाना को नेशनल क्रश कहा जाता है. अपनी क्यूटनेस से एक्ट्रेस हर किसी का दिल जीत रही हैं. हालांकि, एक समय ऐसा था जब उन्हें सोशल मीडिया पर लोगों की खरी खोटी और कई ट्रोलिंग्स का सामना करना पड़ा था.

साल 2019 में विजय देवरकोंडा सोशल मीडिया पर एक सेंट्रल टॉपिक था. तमाम यूजर्स ने 'डीयर कॉमरेड' में उनके और रश्मिका मंदाना के कुछ सीन्स को देखकर नाराजगी जाहिर की थी. साल 2019 में विजय देवरकोंडा सोशल मीडिया पर एक सेंट्रल टॉपिक था. तमाम यूजर्स ने 'डीयर कॉमरेड' में उनके और रश्मिका मंदाना के कुछ सीन्स को देखकर नाराजगी जाहिर की थी. साल 2019 में आई फिल्म कॉमरेड में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के बीच सीन जब वायरल हुए तो लोगों ने जमकर स्टार को ट्रोल करना शुरू कर दिया है. ऐसे में इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस कहती हैं कि 'ये सिलिसिला कई महीनों तक चला. कई दुखभरे लम्हे थे, कई दर्दभरी चीजें मैंने पढ़ीं और देखीं. मुझे ऐसे सपने आ रहे थे जहां सभी लोगों ने मुझसे पीठ मोड़ ली हो और आप लगातार उनकी मदद मांग रहे हों.

रश्मिका के मुताबिक, उन्हें जब भी सपने आते थे वह उठकर घंटों रोती थीं. उन्होंने कहा, मैं अपनी फैमिली को ये कभी नहीं बता पाती थीं कि मुझे कितना दुख हो रहा है क्योंकि उस वक्त उनके लिए ये चीजें काफी नई थीं और मेरा परिवार मुझे कभी दुखी नहीं देख सकता है.

राम व सीता के रिश्ते से हर पति-पत्नी को लेनी चाहिए यह सीख

भगवान विष्णु के सातवें अवतार प्रभु श्रीराम और माता सीता का रिश्ता युगों युगों तक याद किया जाएगा। प्रभु श्रीराम की एक ही पत्नी और रानी थीं, वह माता सीता थीं। वहीं माता सीता की पवित्रता, उनके आदर्श पत्नी होने के कई उदाहरण राम चरित मानस में देखने को मिलता है। माता सीता एक राजकुमारी थीं, लेकिन अपने पति श्रीराम के वनवास जाने पर वह उनके साथ 14 साल तक जंगलों में रहने को तैयार हो गईं। सारी पीड़ा उठाई लेकिन पति का हर पग पर साथ दिया। भगवान राम ने भी पत्नी सीता के हरण के बाद उन्हें तलाशने के लिए लंका पर आक्रमण कर दिया। उनके पास सेना नहीं थी और न ही कोई राजपाठ था लेकिन उन्होंने सीता मां को रावण से बचाने के लिए वनवास के दौरान ही अपनी सेना बनाई। रावण से युद्ध के बाद सीता माता ने अग्नि परीक्षा देकर अपनी पवित्रता साबित की, तो वहीं अयोध्या वापसी के बाद जब राम और सीता फिर अलग हुए तो भी उनका एक दूसरे के प्रति प्रेम कम न हुआ। माता सीता कुटिया में रहने चली गईं, तो राम जी महल में ही सभी सुख सुविधाओं से अलग बिना दूसरा विवाह किए माता सीता के वियोग में रहने लगे। इसी कारण अक्सर लोग कहते हैं कि जोड़ी हो तो राम सीता जैसी। अगर आप भी राम सीता की तरह एक आदर्श पति पत्नी की तरह रहना चाहते हैं तो उनके रिश्ते से ये पांच गुणकारी बातें सीखें।

हर परिस्थिति में दें एक दूसरे का साथ

हर पति-पत्नी को राम और सीता के रिश्ते से एक सीख जरूर लेनी चाहिए, वह है हर परिस्थिति में एक दूसरे का साथ देना। वनवास होने पर माता सीता ने राम जी का साथ दिया, तो रावण द्वारा हरण होने के बाद भी श्री राम माता सीता को वापस लाने के लिए डटे रहे। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। बुरी से बुरी परिस्थिति में भी दोनों ने एक दूसरे पर विश्वास बनाए रखा।

रिश्ते के बीच न आए पैसा और पद

प्रेम पद और पैसों से परे हैं। माता सीता के स्वयंवर में बड़े बड़े महारथी, राजा, महाराजा शामिल हुए लेकिन सीता माता का विवाह श्री राम से हुआ, जो कि अपने गुरु के साथ वहां पहुंचे थे। एक बालक जो राजा भी नहीं बना था और राजकुमार के वेश में भी नहीं था। फिर भी माता सीता ने उन्हें अपने पति के रूप में स्वीकार किया। वहीं जब राम को वनवास हुआ और उन्हें सारा राजपाट छोड़ना था, तब भी माता सीता ने पति के पद और पैसों के बारे में तनिक न सोचा और सारी सुख सुविधाएं छोड़कर श्रीराम के साथ वनवास चली आईं।

पतिव्रता और पत्नीव्रता

माता सीता ने जीवन भर पतिव्रता होने का धर्म निभाया। रावण द्वारा हरण के बाद भी माता सीता ने अपनी इज्जत पर आंच न आने दी और अंत तक रावण के सामने न झुकीं। दूर रहने के बाद भी माता सीता ने अपने पत्नी धर्म पर आंच न आने दी। श्रीराम ने भी पत्नी की अनुस्थिति में अश्वमेघ यज्ञ के दौरान उनकी सोने की प्रतिमा बनवा कर उसे साथ बैठाया। एक राजा होते हुए भी उन्होंने पत्नी सीता के दूर जाने के बाद भी दूसरी स्त्री से विवाह नहीं किया। दोनों के बीच दूरियों के बाद भी माता सीता और श्रीराम का एक दूसरे के लिए प्रेम और वैवाहिक धर्म जस का तस बना रहा।

सुरक्षा और सम्मान

प्रभु श्रीराम और माता सीता के रिश्ते में सुरक्षा और सम्मान दोनों की भावना थी। माता सीता के हरण के बाद श्रीराम उन्हें बचाने और उनकी सुरक्षा के लिए लंकापति रावण से युद्ध करने तक के लिए तैयार हो गए। हर पति को अपनी पत्नी के सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखना चाहिए। वहीं माता सीता के चरित्र और पवित्रता पर सवाल उठे, तो भले ही प्रभु राम को उनपर विश्वास था, लेकिन सीता जी ने पति के सम्मान और इज्जत के लिए अग्नि परीक्षा तक दी।

फ्रिजी बालों को कम करने के लिए अपनाएं ये छोटे तरीके

घने और मुलायम बाल हर किसी की चाहत होती है। लेकिन कई बार धूप, धूल-प्रदूषण और स्टाइलिंग की वजह से बाल नीचे से दो मुंहे हो जाते हैं। साथ ही बिल्कुल बेजान और रूखे से हो जाते हैं। जिन पर किसी तरह का प्रोडक्ट काम ही नहीं करता।

अगर आप भी अपने बालों की फ्रीजीनेस से परेशान तो बालों की देखभाल में इन छोटे बदलाव को लाकर देखें। फिर देखें कैसे बालों का रूखापन और दोमुंहे बाल खत्म होने लगेंगे। साथ ही बाल भी लंबे और घने दिखेंगे।

बालों को दें कटिंग

अगर आपके बाल नीचे की तरफ जाते ही रूखे और बेजान होकर दोमुंहे हो जाते हैं। तो इन का सबसे आसान उपाय हेयरकट है। किसी ऐसे हेयरकट को चुनें जो आपके बालों को स्प्लिट एंड्स से बचाए और फ्रिज को कम करे।

बालों को बार-बार धोने से बचें

अगर आपकी आदत हर दिन बालों में शैंपू कर नहाने की है। तो फौरन इस आदत को कम कर दें। बालों में ज्यादा शैंपू करने से बाल ड्राई हो जाते हैं। इसलिए सप्ताह में कम से कम तीन दिन बाद ही शैंपू से बालों को धोना चाहिए।

जानें कौन सा शैंपू है आपके बालों के लिए सही

मार्केट में कई तरह के शैंपू मिलते हैं। अपने लिए सल्फेट फ्री और मॉइश्चराइजिंग शैंपू लें। जो बालों को हाईड्रेट करें। इससे बाल रूखे और बेजान नहीं होंगे।

बालों को कंडीशनर की मदद से जड़ों तक डीप कंडीशन करें। जिससे कि स्प्लिट एंड्स से छुटकारा मिल जाए। इसके साथ ही बालों के लिए अच्छे क्वालिटी का सीरम जरूर लें। जिसे बालों पर लगाएं। अपने बालों के लिए सही सीरम का चुनाव करें। जो बालों को सूट करें।

बालों पर हीट स्टाइलिंग का कम इस्तेमाल करें। क्योंकि हीट की वजह से बाल जल्दी खराब होने लगते हैं। वहीं सप्ताह में एक दिन हेयर मास्क जरूर लगाएं। इससे बालों को पोषण मिलता है और बाल मजबूत बनते हैं।

किन कारणों से लड़के रह जाते हैं सिंगल

एक रिसर्च में पाया गया है कि ज्यादातर पुरुष रिलेशनशिप में रहना चाहते हैं। लेकिन अपने लुक्स-हाइट और आत्मविश्वास की कमी के कारण वह किसी के साथ भी बंधन में नहीं बंध पाते। वह न केवल सिंगल लाइफ जीने पर मजबूर हो जाते हैं बल्कि अपने जीवन में प्यार और एक साथी की जरूरत को भी महसूस करते हैं।

दरअसल, अपने पिछले अनुभवों के आधार पर ज्यादातर मर्द सिंगल रहना पसंद करते हैं। उनके अनुसार वह सिंगल होकर ज्यादा सुखी जीवन बिता सकते हैं। जबकि कुछ ऐसे हैं, जिन्हें जीवनभर अकेलेपन का डर सताता रहता है। भले ही पुरुष अपनी भावनाओं को सभी के सामने व्यक्त नहीं करते हों, लेकिन जीवनसाथी न होने की वजह से वह बहुत बार दुखी महसूस करते हैं। एक रिसर्च में कहा भी गया है कि ज्यादातर पुरुष रिलेशनशिप में रहना तो चाहते हैं, लेकिन अपने लुक्स-हाइट और आत्मविश्वास की कमी के कारण वह सिंगल लाइफ जीने को मजबूर हो जाते हैं। खैर, यह तो एक कारण हुआ लेकिन कुछ चीजें अभी भी ऐसी हैं, जो मर्दों के अनमैरिड होने का सबसे बड़ा कारण हैं।

अपना ख्याल नहीं रखते

ज्यादातर मर्दों में देखा गया है कि वह जिंदगी का मजा तो लेना चाहते हैं, लेकिन अपना बिल्कुल भी ख्याल नहीं रखते हैं, जोकि उनकी लाइफ की बहुत बड़ा निगेटिव अप्रोच होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि महिलाएं ऐसे पुरुषों के साथ रहना पसंद नहीं करतीं हैं, जो अपनी हेल्थ और लुक्स पर ध्यान देते हैं। जो लोग अपनी लाइफ को मैनेज करने की बिल्कुल भी कोशिश नहीं करते हैं, महिलाएं उनकी तरफ बहुत जल्दी से अट्रैक्ट नहीं होतीं। ऐसे लोगों के प्रति उनका रवैया हमेशा ही कठोर रहता है। यही तो एक बड़ी वजह भी है कि आदत-स्वभाव में अच्छा होने के बाद भी ऐसे मर्द अकेले रह जाते हैं।

आत्मसम्मान में कमी

जो पुरुष अपनी पसंद-नापसंद को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं, महिलाएं उनसे जुड़ना बिल्कुल भी पसंद नहीं करतीं। ऐसा इसलिए क्योंकि सेल्फ कॉन्फिडेंस एक बहुत बड़ी अट्रैक्टिव क्वालिटी है, जोकि पलभर में किसी का भी मन आपकी तरफ मोह सकती है। ऐसे में जब आत्मसम्मान की बात आती है, तो यह बहुत ज्यादा मायने रखती है। यही रक कारण भी है कि जो लोग जीवनभर सेल्फ कॉन्फिडेंस की कमी से झुझते हैं, वह अकेले रह जाते हैं।

खराब फ्लर्टिंग स्किल्स

जिन पुरुषों की फ्लर्टिंग स्किल्स खराब होती हैं, वह महिलाओं को इंप्रेस करने में कभी भी कामयाब नहीं होते हैं। ऐसे लोग डेटिंग और रिश्तों के बारे में अच्छे से बात करना नहीं जानते हैं। वह कभी भी इस बात को नहीं जान पाते हैं कि महिलाओं को उनमें क्या पसंद है और क्या नहीं। हालांकि, इस बात से बिल्कुल भी इनकार नहीं किया जा सकता कि ऐसे लोग रिलेशनशिप में तो आना चाहते हैं, लेकिन लोगों के सामने अपनी पर्सनैलिटी को कॉन्फिडेंस के साथ शो न कर पाने की वजह से वह सिंगल ही रह जाते हैं।

बहुत शर्मीला होना

बहुत ज्यादा शर्मीला होना भी सिंगल रह जाने की मुख्य वजहों में से एक है। ऐसे पुरुष जो बहुत जल्दी लोगों से घुल मिल नहीं पाते, वह अकेले रह जाते हैं। दरअसल, एक इंट्रोवर्ट व्यक्ति ठीक से अपनी बात न कह पाने के कारण बहुत बार अच्छे रिश्ते को गंवा देता है। यह भी एक मुख्य कारण है कि क्यों पुरूष अविवाहित रह जाते हैं।

बहुत चूजी होना

जिंदगी में चूजी होना सही है। लेकिन शादी-ब्याह के मामलों में हद से ज्यादा चूजी होना अच्छा नहीं होता। कुछ पुरुष इसलिए रिलेशनशिप में नहीं आते, क्योंकि वह अपनी लाइफ पार्टनर को लेकर बहुत ज्यादा चूजी होते हैं। वह अपने साथी में उन गुणों की डिमांड करते हैं, जो वह चाहते हैं। किसी को भी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना पसंद नहीं होता, जो जरूरत से ज्यादा चूजी हो।

पिछले रिश्ते का बुरा अनुभव

पिछली रिलेशनशिप का बुरा अनुभव सिंगल रहने की मुख्य वजहों में से एक है। पिछले रिश्तों का दर्द-चोट और विश्वासघात पुरुषों के दिलों में एक निशान छोड़ जाता है। चाहे वह कितने भी मजबूत क्यों न हों, वह आमतौर पर अपने पिछले रिश्तों के बुरे अनुभवों से बहुत जल्दी से उबर नहीं पाते हैं।

हेल्दी रहने, मेटाबॉलिज्म स्ट्रांग बनाने, बीमारियों से बचने के लिए सही डाइट है जरूरी

एक दिन में तीन वक्त के खाने का चलन सदियों से है- सुबह का नाश्ता, दिन का खाना यानी लंच और रात का खाना यानी डिनर। लेकिन कभी सोचा है कि खाना खाने का सही तरीका क्या है। आइए, डाइटीशियन स्वाति विश्नोई से जानते हैं खाना कब, कैसे और कितनी बार खाना चाहिए।

ज्यादातर लोग दिन में सिर्फ 3 बार खाना खाने पर जोर देते हैं- ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर। उनका मानना है कि दिन में 3 बार खाने से सेहत अच्छी रहती है, इससे खाना सही तरीके से पचता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दिनभर में 4-5 बार थोड़े-थोड़े समय पर कुछ न कुछ खाना पसंद करते हैं। डाइटीशियन स्वाति की मानें तो दिन में 5 से 6 बार थोड़े-थोड़े समय पर खाने से शरीर हेल्दी रहता है।

इसे कहते हैं स्नैकिंग

बार-बार खाना मतलब स्नैकिंग, जो कैलोरी कॉन्शियस जमाने में सही नहीं है, क्योंकि इससे लोग जंक फूड की तरफ ज्यादा आकर्षित होते हैं। वैसे तो दिनभर में कई बार खाना कोई बुरी चीज नहीं है, लेकिन ध्यान रखें कि जो स्नैक्स आप खा रहे हैं वह हेल्दी हो।

सिस्टम दुरुस्त

कैलिफोर्निया के साल्क इंस्टीट्यूट फॉर बायोलॉजिकल स्टडी में क्लीनिकल रिसर्चर एमिली मनोयोगेन ने हाल में किए शोध में कहा है कि डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखने के लिए दिन में 12 घंटे खाना नहीं खाना चाहिए। इससे डाइजेशन सिस्टम सही रहता है।

फास्टिंग के फायदे

उपवास करने से डाइजेशन सही रहता है। इससे मिसफॉल्ड प्रोटीन साफ हो जाता है। मिस फोल्डेड प्रोटीन साधारण प्रोटीन का दोषपूर्ण संस्करण है। मिस फोल्डेड प्रोटीन कई बीमारियों से जुड़ा हुआ है। उपवास ग्लाइसेमिक प्रक्रिया में भी सुधार करता है।

डेली डाइट का रखें ख्याल

यह जानना बहुत जरूरी है कि दिन के 24 घंटों में क्या और कितनी मात्रा में खाना चाहिए। जिन्हें अपने शरीर की पूरी जानकारी हो जाती है, वे लोग बीमार कम पड़ते हैं। जरूरी है अपने डेली डाइट का ख्याल रखें। प्रोटीन- शरीर को पर्याप्त पोषण मिले इसके लिए प्रोटीन की मात्रा को बैलेंस करना जरूरी है। इसके लिए रोजाना अंडा, दूध, दही जैसी चीजों को डाइट में जरूर शामिल करें। विटामिन- कम बीमार पड़ें इसके लिए रोजाना के डाइट में विटामिन सी, ई और बीटा कैरोटीन शामिल करें। एंटीऑक्सीडेंट्स- ये एक तरह के माइक्रोन्यूट्रिएंट्स होते हैं और शरीर की रक्षा करते हैं। ये खाद्य पदार्थों को विशेष रूप से ऑक्सीकरण और खराब होने से रोकते हैं। आइए, जानते हैं लो कैलोरी डाइट के बारे में-

फैट फ्री पॉपकॉर्न है सही

पॉपकॉर्न में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं इसलिए यह अच्छी डाइट मानी जाती है। यही वजह है कि वेट लॉस के दौरान डाइटिशियन इसे खाने की सलाह देते हैं। मार्केट में 98% फैट फ्री पॉपकॉर्न मौजूद है। मक्की के पैकेट खरीदें और हल्के बटर में पॉपकॉर्न बना लें। हाई फाइबर और लो कैलोरी से भरपूर पॉपकॉर्न में सोडियम और शुगर की मात्रा न के बराबर होती है। भूख को मिटाने के साथ ही यह शरीर को हेल्दी तत्व भी देता है।

फ्रूट्स स्मूदी में करें टोंड दूध का यूज

अपने पसंद के फ्रूट्स की स्मूदी बना लें। इसे बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि इसे फुल क्रीम मिल्क की बजाय टोंड या स्किम्ड मिल्क से बनाएं। इससे आप फ्रूट्स के कई तत्वों को इनटेक कर लेंगे।

स्किम्ड मिल्क वाली आइसक्रीम

आइसक्रीम रोज खाना मुमकिन नहीं, क्योंकि इसमें फैट और शुगर दोनों की बहुत ज्यादा मात्रा होती हैं, इसलिए जब भी आइसक्रीम खाने का मन हो तो इसे घर पर बनाएं। इसके लिए स्किम्ड मिल्क का इस्तेमाल करें और उसमें थोड़ा सा गुड़ मिला लें। इस लो फैट डिश को हफ्ते में 2 बार खा सकते हैं।

फाइबर वाली कुकीज खाएं

कुकीज रेगुलर स्नैक्स नहीं बन सकते, क्योंकि बिना फैट के कुकीज बिल्कुल भी टेस्टी नहीं होती। अगर आप इन्हें खाना चाहते हैं, तो अरारोट बिस्किट ले सकते हैं, इनमें फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है।

जिंदगी में कभी हारे नहीं, गिरे नहीं आपका बच्चा तो अपनाएं ये टिप्स

बच्चों की परवरिश करना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है और मां-बाप के कंधों पर यह जिम्मेदारी होती है। हर पैरेंट चाहते हैं कि उनका बच्चा जिंदगी की मुश्किल परिस्थितियों में भी पॉजिटिव रहे लेकिन उन्हें ये पता नहीं होता कि बच्चे में इस थिंकिंग को पैरेंट्स को ही डालना होता है। कई बार जिंदगी में ऐसे पल भी आते हैं जब हम नेगेटिव होने लगते हैं या हमारा मन निराशावादी भावनाओं से घिर जाता है। बच्चों के साथ भी ऐसी चीजें होती हैं। उन्हें भी कई बार लो फील होता है और ऐसे में पैरेंट्स को बच्चे से पॉजिटिव टॉक करनी चाहिए।

बच्चे अपने पैरेंट्स और आसपास की चीजों को कॉपी करते हैं। वो जो भी देखते हैं, वही सीख लेते हैं और किसी नेगेटिव मोमेंट को वो किस तरह से जीते हैं या हैंडल करते हैं, ये काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि उनके पैरेंट्स इस तरह की सिचुएशन में किस तरह व्यवहार करते हैं। अगर आप भी पैरेंट हैं और चाहते हैं कि आपका बच्चा मुश्किल स्थितियों को अच्छे से हैंडल कर पाए तो यहां बताई गई कुछ चीजों पर ध्यान दें।

खुद का आंकलन करें

क्या आप अपने दिन के अच्छे पलों के बजाय अपने बच्चों के सामने अतीत में या ऑफिस में आपके साथ हुई सभी बुरी चीजों को ला रहे हैं? हो सकता है कि आपको पता भी न हो कि आप नकारात्मक ऊर्जा ला रहे हैं, इसलिए अपने बच्चे तक पहुंचने से पहले अपने दृष्टिकोण पर ध्यान दें।

फीलिंग्स एक्सप्रेस करना अच्छा है

आप अपने बच्चे को हर समय खुश रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। ऐसा करने से वे अपनी भावनाओं से दूर हो जाएंगे। यहां तक कि हाल के एक मनोवैज्ञानिक शोध से संकेत मिलता है कि जैसे-जैसे हम समय के साथ आगे बढ़ते हैं, इमोशनल इग्नोरेंस कई मनोवैज्ञानिक मुद्दों को जन्म देता है। इन कारणों से, अपने बच्चे को नकारात्मक भावनाओं को इग्नोर न करने दें।

पॉवरफुल शब्दों से मदद करें

उदासी के बजाय, अपने बच्चों को सकारात्मक बातें कह कर प्रोत्साहित कर नेगेटिव इमोशंस को हटाने में मदद करें। सकारात्मक सोच आपको नए स्किल्स को सीखने में मदद करती है।

दूसरों से तुलना

पैरेंटिंग में अपने बच्चे की दूसरों से तुलना करने को सबसे गलत माना जाता है। यह जानने के बावजूद, कई माता-पिता अक्सर अपने बच्चे की तुलना दूसरे से करने का सहारा लेते हैं। उनके अक्सर ऐसा करने से बच्चे हर चीज के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करते हैं। इसके बजाय, आपको अपने बच्चे को उनकी स्पीड से सब कुछ हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने पर ध्यान देना चाहिए।

नेगेटिव लेबल लगाने से बचें

हर बच्चा अलग होता है और भाई-बहन भी अलग और अलग व्यक्तित्व के होते हैं। अगर एक बच्चे का मूड ब्राइट है जबकि दूसरे का मूड खराब है, तो इसे अपने बच्चे को न बताएं। इसका परिणाम यह होता है कि आपके बच्चे वही बन जाते हैं जो आप उन्हें बताते हैं कि वे हैं। यह कहने की ललक महसूस करने से बचें कि ₹आप हमारे परिवार में विद्रोही हैं,₹ आपका बच्चा स्थायी रूप से उस भूमिका में फिट हो जाएगा।

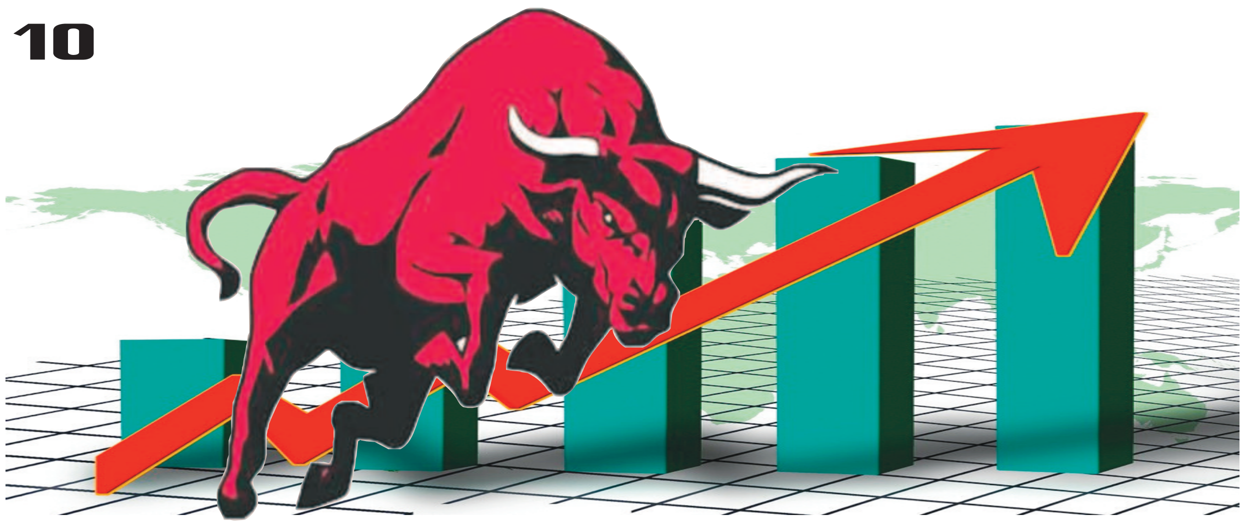

सोना खरीदने वालों के लिए बुरी खबर, चांदी 3827 रुपये उछली, 782 रुपये महंगा हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए सर्राफा बाजारों से मायूस करने वाली खबर आ रही है। सोने का भाव आज 782 रुपये महंगा होकर 51169 रुपये पर पहुंच गया है, जबकि चांदी के रेट में रिकॉर्ड 3827 रुपये का उछाल आया है। अब एक किलो चांदी का हाजिर भाव 61144 रुपये पर पहुंच गया है। 24 कैरेट सोना आज 51169 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। जबकि 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 50964 रुपये पर पहुंच गई है। वहीं, 22 कैरेट 46871 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 18 कैरेट 38377 रुपये और 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 29934 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5085 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 14864 रुपये सस्ती है।

महानवमी के दिन बाजार में तेजी, सेंसेक्स 1276 अंक उछला, निफ्टी 17250 के ऊपर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महानवमी के दिन घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तेजी दिखी। मंगलवार को बाजार 1276.66 अंकों (2.25%) की तेजी के साथ 58,065.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 386.95 अंकों (2.29%) की बढ़त के साथ 17274.30 के लेवल पर बंद हुआ। दशहरे से एक दिन पहले बाजार में सभी सेक्टर हरे रंग में नजर आए। मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दिखी। इससे पहले हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार में शुरुआती सेशन में लगभग 900 अंकों की तेजी देखने को मिली। बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स 920.53 अंकों की तेजी के साथ 57,715.93 अंकों पर तो निफ्टी 285 अंकों की तेजी के साथ 17,172 अंकों के लेवल पर कारोबार करता दिखा। वैश्विक बाजार से महानवमी के दिन बाजार को अच्छे संकेत मिले। अक्तूबर महीने की शुरुआत अमेरिकी बाजारों ने तेजी के साथ की। इस दौरान, डाऊ जोंस 765 अंक मजबूत होकर 22,941 तो नैस्डैक 240 अंक उछलकर 10,815 के स्तर पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 2.5% की तेजी आई। अमेरिकी बाजारों की मजबूती के बाद एशियाई बाजारों में भी तेज उछाल आया। एसजीएक्स निफ्टी करीब 250 अंक चढ़कर 17,100 के ऊपर ट्रेड करता दिखा। कोस्पी में भी करीब 2.3% का उछाल आया। वहीं, जापान के निक्केई में करीब 700 अंकों की तेजी देखने को मिली।

मंगलवार के बाजार में शुरुआती सेशन में अदाणी ग्रीन के शेयरों में छह प्रतिशत की तेजी तो वहीं हिंडालको के शेयरों में पांच प्रतिशत की तेजी देखने को मिली।

महंगाई की पिच पर सूर्यकुमार यादव की तरह बैटिंग कर रहा टमाटर

आटा महंगा तो सस्ता हुआ सरसों तेल

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौद्रिक नीति की घोषणा करते समय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी मुद्रस्फीति बढ़ने के कारणों में से एक कारण टमाटर को भी बताया था। महंगाई की पिच पर पिछले एक साल से टमाटर सूर्य कुमार यादव की तरह धुआंधर बैटिंग कर रहा है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक 3 अक्टूबर 2021 की तुलना में 3 अक्टूबर 2022 को टमाटर के औसत भाव में 35.34 फीसद का उछाल आया है। एक साल पहले 3 अक्टूबर को टमाटर का औसत भाव 32.60 रुपये किलो था। तीन अक्टूबर 2022 को यह खुदरा बाजारों में 44.12 रुपये प्रति किलो के औसत से बिक रहा था। इस अवधि में आलू की भी बैटिंग शानदार रही। एक साल में आलू के भाव 39.84 फीसद उछला है। एक साल में यह 20.23 रुपये से 28.29 रुपये पर पहुंच गया है। कई लोगों को रुलाने और सरकारें गिराने वाले प्याज का फार्म खराब हो चुका है। एक साल में यह 11.78 फीसद गिरकर 29.36 रुपये प्रति किलो के औसत भाव से 25.90 पर आ गया है। किचन का बजट बिगाड़ने वाले खाद्य तेलों ने नरमी दिखाई तो आलू टमाटर के बाद गेहूं ने अपने तेवर दिखा दिए। रूस-उक्रेन युद्ध के कारण गेहूं के दाम बेहताशा बढ़े हैं। खुदरा बाजारों में एक साल पहले गेहूं के आटे का औसत भाव 26.71 रुपये किलो था। तीन अक्टूबर 2022 को यह 16.51 फीसद उछल कर 31.12 रुपये पर पहुंच गया। गेहूं 21.60 फीसद महंगा होकर 30 से 36.48 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है। महंगाई की पिच पर दूध, दाल और चीनी भी चमके हैं। एक साल में दूध की कीमत 10.71 फीसद चढ़कर 49.10 रुपये से 54.36 रुपये पर पहुंच गई है। इस दौरान तुअर दाल 6.59 फीसद चढ़कर 112 रुपये प्रति किलो और उड़द दाल 3.14 फीसद महंगा होकर 109.31 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। चना दाल इस दौरान 1.87 फीसद सस्ता हुआ है। मंग, मसूर के तेवर भी तीखे हो चुके हैं। मंग दाल 103.45 और मसूर दाल 96.45 रुपये पर पहुंच चुका है। वहीं, चीनी भी 1.02 फीसद चढ़कर 42.61 रुपये किलो पर पहुच चुका है। एक साल में खाद्य तेलों के दाम काफी हद तक काबू में आ चुके हैं। मोदी सरकार की सजाई फिल्डिंग के आगे सरसों तेल का प्रदर्शन फीका हो चुका है। एक साल में यह 10.76 फीसद सस्ता होकर 188.35 रुपये से 168.08 रुपये पर आ गया है। वहीं, पाम आयल करीब नौ पर्सेंट सस्ता होकर 132.6 रुपये से 120.68 रुपये पर आ गया है। सूरजमुखी का तेल इस दौरान 3.71 फीसद महंगा होकर 168.32 रुपये पर पहुंच गया। सोया तेल 3.05 फीसद सस्ता हुआ है तो इस अवधि में मुंगफली का तेल करीब 6 फीसद महंगा।

मुकेश अंबानी का बड़ा दांव

आरएसबीवीएल ने किया अमेरिकी कंपनी में 1,670 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडरी आरएसबीवीएल और अमेरिकी फर्म सैनमिना कॉरपोरेशन ने करीब 3,300 करोड़ रुपये के मूल्यांकन वाला एक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का संयुक्त उद्यम स्थापित करने के सौदे को पूरा कर लिया है। दोनों कंपनियों की तरफ से मंगलवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, रिलायंस स्ट्रैटजिक बिजनेस वेंचर्स लिमिटेड के पास इस उद्यम की 50.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी जबकि सैनमिना के पास 49.9 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। आरएसबीवीएल सैनमिना की मौजूदा भारतीय यूनिट में 1,670 करोड़ रुपये का निवेश कर यह हिस्सेदारी हासिल करेगी। इस निवेश के बाद सैनमिना की भारतीय इकाई संयुक्त उद्यम में परिवर्तित हो जाएगी और उसमें 20 करोड़ डॉलर से अधिक पूंजी लगाई जाएगी। वित्त वर्ष 2021-22 में आरएसबीवीएल का राजस्व 1,478 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 179.8 करोड़ रुपये रहा था। मार्च 2022 के अंत में इसका कुल निवेश 10,857.7 करोड़ रुपये था। दोनों कंपनियों की भागीदारी से बनने वाले संयुक्त उद्यम में रोजमर्रा के कामकाज का प्रबंधन सैनमिना की चेन्नई स्थित प्रबंधन टीम ही करेगी। बयान में कहा गया कि यह उद्यम भारत में एक विश्व-स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग स्थापित करेगा। यह उद्यम उच्च प्रौद्योगिकी के ढांचागत हार्डवेयर और संचार नेटवर्किंग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य प्रणाली और रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र पर खास जोर देगा।

एलआईसी का बड़ा दांव, एक झटके में खरीद डाले इस कंपनी के 33 लाख शेयर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। फार्मा क्षेत्र की कंपनी डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने खुले बाजार से 33.86 लाख शेयर खरीदकर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 7.7 प्रतिशत कर लिया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एलआईसी के पास पहले डॉ रेड्डीज लैब में करीब 5.65 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि एलआईसी ने 15 जून से लेकर 30 सितंबर के बीच खुले बाजार से 33,86,486 शेयरों की खरीद की जो कंपनी में 2.034 प्रतिशत हिस्सेदारी को दर्शाता है।

2020 से बंद पड़ी इस सरकारी कंपनी का खुल गया ताला

टाटा ग्रुप ने शुरू कर दिया कारोबार, शेयरों में उछाल

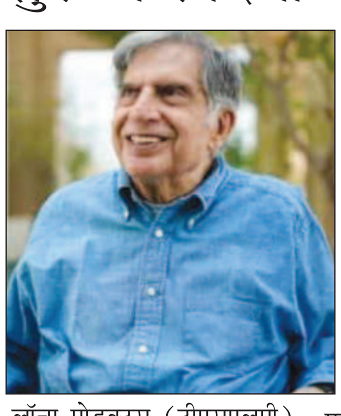

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 2020 यानी लगभग दो साल से बंद पड़ी सरकारी कंपनी नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड में कारोबार शुरू हो गया है। एक बयान में टाटा ग्रुप ने कहा कि ओडिशा स्थित नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने टाटा स्टील की सहायक कंपनी द्वारा 12,000 करोड़ रुपये में अधिग्रहण के लगभग 90 दिनों के बाद परिचालन शुरू कर दिया गया है। आपको बता दें कि नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड एक सरकारी कंपनी थी, जिसे हाल ही में टाटा स्टील ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स (टीएसएलपी) के जरिये खरीदा है। यह डील इस साल जनवरी में 12,000 करोड़ रुपये में हुई थी। टाटा ग्रुप की प्रमुख स्टील कंपनी टाटा स्टील के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में 2.19% की तेजी रही। कंपनी के शेयर 100.50 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले पांच दिन में यह शेयर 3.66% चढ़ा है। हालांकि, पिछले एक महीने में टाटा स्टील का शेयर बिकवाली के दबाव में है और 5.99% तक टूट चुका है। टाटा ने हाल ही बताया था कि नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड का परिचालन पुनः शुरू करने के वह तेजी से विकसित होगी और अगले कुछ वर्षों में इसकी क्षमता को बढ़ाकर 45 लाख टन सालाना पर पहुंचाएगी। दस लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता वाले ओडिशा स्थित इस्पात संयंत्र का अधिग्रहण पूरा करने के बाद जारी बयान में टाटा स्टील ने कहा था कि एनआईएनएल की क्षमता 2030 तक बढ़ाकर एक करोड़ टन प्रतिवर्ष करने की भी योजना है।1.1 मिलियन टन स्टील बनाने की क्षमता वाला प्लांट विभिन्न कारणों से लगभग दो वर्षों से बंद था। इसके अलावा कंपनी के पास खुद के इस्तेमाल वाला बिजली प्लांट है। कंपनी के पास लौह अयस्क खदान भी है, जो विकास के चरण में है। कंपनी के पास लौह अयस्क खदान भी है, जो विकास के चरण में है।

चुनावी स्कीम्स पर राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग की चिट्ठी

जनता को बताएं कि जो वादे किए, उन्हें पूरा करने फंड कैसे जुटाएंगे

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने चुनावी वादों को लेकर राजनीतिक दलों को चिट्ठी लिखी है। इसमें आयोग ने कहा है- राजनीतिक पार्टियां अपने घोषणापत्र में वोटर्स को चुनावी वादों के बारे में सटीक जानकारी दें। साथ ही यह भी बताएं कि वे जो वादे कर रहे हैं, उसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन हैं भी या नहीं? आसान शब्दों में कहें तो आयोग ने राजनीतिक दलों से जनता को यह बताने के लिए कहा है कि वे अपनी घोषणाओं के लिए फंड कैसे जुटाएंगे। देश के 6 राज्यों में 7 विधानसभा सीटों के लिए उप चुनाव की घोषणा के बाद लिखी इस चिट्ठी में आयोग ने कहा है- पॉलिटिकल पार्टीज को एक तय फॉर्मेट में वोटर्स को बताना चाहिए कि जो वादे किए जा रहे हैं, वे कितने सही हैं? इसके अलावा, वोटर्स को यह भी बताएं कि इन्हें पूरा करने के लिए राज्य या केंद्र सरकार के पास क्या वित्तीय संसाधन हैं। आयोग ने कहा कि हम इस मुद्दे पर आंख मूंदे नहीं रह सकते हैं। अगर राजनीतिक दल सिर्फ खोखले वादे कर रहे हैं, तो इसके दूरगामी असर होंगे। आयोग ने अपनी चिट्ठी में सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर 19 अक्टूबर तक अपना सुझाव देने को कहा है।चुनाव में फ्री स्कीम्स वादों पर सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित है। 25 अगस्त को सुनवाई के बाद तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमना ने इसे नई बेंच में ट्रांसफर कर दिया था। भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने फ्री स्कीम्स पर रोक लगाने के लिए याचिका दाखिल की है।11 अगस्त को फ्री स्कीम्स पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने हलफनामा दाखिल किया था। आयोग ने कोर्ट में कहा था कि फ्री का सामान या फिर अवैध रूप से फ्री का सामान की कोई तय परिभाषा या पहचान नहीं है। आयोग ने 12 पन्नों के अपने हलफनामे में कहा कि देश में समय और स्थिति के अनुसार फ्री सामानों की परिभाषा बदल जाती है। कोर्ट ने आयोग के रवैए पर फटकार लगाई थी। 6 राज्यों की रिक्त 7 विधानसभा सीटों पर 3 नवंबर को उपचुनाव होगा। आयोग ने बताया कि ये उपचुनाव बिहार के मोकामा और गोपालगंज, महाराष्ट्र के अंधेरी (पूर्व), हरियाणा के आदमपुर, तेलंगाना के मुनुगोडे, उत्तर प्रदेश के गोला गोरखनाथ और ओडिशा के धामनगर विधानसभा क्षेत्र में होंगे। इन चुनावों की अधिसूचना सात अक्टूबर को जारी होगी। मतों की गिनती छह नवंबर को होगी।

चाय बागान में काम करने वालों को मिलेगा तोहफा, मजदूरी में इजाफा

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इन दिनों वैश्विक चाय बाजार में जबरदस्त उठा-पटक का माहौल है। चाय का एक महत्वपूर्ण सप्लायर श्रीलंका में स्थिति ठीक नहीं है। इसका असर चाय की कीमतों पर पड़ा है। इससे भारत के चाय बागान में काम करने वाले श्रमिकों के चेहरे खिलेंगे। संभावना है कि भारतीय चाय के बेहतर दाम मिलने से बागान मजदूरों की मजदूरी में इजाफा होगा। इस तरह की संभावना क्रेडिट रेटिंग फर्म इक्रा ने अपनी एक रिपोर्ट में जताई है। इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर भारत, असम और पश्चिम बंगाल में मजदूरी में वृद्धि की चाय उत्पादन पर होने वाली प्राप्तियों से भरपाई होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में पाया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान मजदूरी की दरों में वृद्धि का चाय उत्पादन कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ा है। इक्रा के कॉरपोरेट क्षेत्र रेटिंग्स प्रमुख और उपाध्यक्ष सुजॉय साहा ने कहा, ''मजदूरी की दरों के प्रभाव के बावजूद उत्पादकों के वित्तीय प्रदर्शन में सालाना आधार पर चालू वित्त वर्ष में सुधार की संभावना है।''वैश्विक स्तर पर आर्थोडॉक्स चाय के सबसे बड़े निर्यातक श्रीलंका में मौजूदा आर्थिक संकट के कारण उत्पादन में कई दिक्कतें आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका में उत्पादन में कमी कुछ और समय तक जारी रहने की आशंका है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में आपूर्ति तंग रहेगी और भारतीय ओडीएक्स चाय की कीमतों को समर्थन मिलेगा।

आईपीओ से आय की हेराफेरी में 10 कंपनियों पर 3.42 करोड़ का जुर्माना, सेबी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। लिस्टिंग अनुबंधों का उल्लंघन करने पर बाजार नियामक सेबी ने बिड़ला पैसिफिक मेडस्पा और यशोवर्धन बिड़ला समेत 10 कंपनियों पर 3.42 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

इन पर आईपीओ से हुई आय की चोरी और दूसरी कंपनियों में डायवर्ट करने के कारण जुर्माना लगाया गया है। नियामक ने बिड़ला पैसिफिक मेडस्पा लि. (बीपीएमएल) पर 1.07 करोड़, अभिजीत देसाई पर 32 लाख, पीवीआर मूर्ति पर 26 लाख, यशोवर्धन बिड़ला, वेंकटेश्वरलु नीलाभोटला, मोहनदास अदिगे, अनोज मेनन, राजेश शाह, उपकार सिंह कोहली और तुषार डे प्रत्येक पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने यह आदेश 7-15 जुलाई, 2011 के दौरान बीपीएमएल के आईपीओ की जांच के बाद जारी किए। बीपीएमएल का शेयर 7 जुलाई, 2011 को बीएसई पर सूचीबद्ध हुआ था, जबकि जनता के लिए इसका सब्सक्रिप्शन 20-23 जून, 2011 से खुला था। प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, समूह को आईपीओ से प्राप्त धन का उपयोग पूरे भारत में 55 स्वास्थ्य देखभाल क्लीनिकों की स्थापना के लिए किया जाना था, लेकिन समूह ने ऐसा नहीं किया और 34.91 करोड़ रुपये चोरी से निकाल लिए। इसके अलावा आईपीओ की 31.54 करोड़ की राशि समूह की विभिन्न कंपनियों को इंटर कॉरपोरेट डिपॉजिट (आईसीडी) के रूप में दे दी गई।

इन कंपनियों ने बीपीएमएल के 18.54 करोड़ रुपये वापस नहीं किए। इन कंपनियों ने बीपीएमएल को 6.39 करोड़ का ब्याज भी अदा नहीं किया।

सरकारी बैंक में लोअर स्टाफ को अब नहीं मिलेगी 30 दिन से अधिक की नौकरी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देना चाहती है। सरकार चाहती है कि मजदूरों को सही-सही मजदूरी मिले। कोई बिचौलिया उनकी हकमारी नहीं करे। लेकिन, यूपी का एक सरकारी बैंक कुछ अलग ही राह पर चल रहा है। हम बात कर रहे हैं केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी वाले बैंक ऑफ बड़ौदा समर्थित यूपी के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक बड़ौदा यू पी बैंक की। इस बैंक ने कुछ अलग ही सरकुलर निकाल दिया है। इसके सरकुलर में कहा गया कि अब बैंक की किसी भी ब्रांच या ऑफिस में कैजुअल बेसिस पर चपरासी या सफाईकर्मी को 30 दिन से ज्यादा की नौकरी पर नहीं रखेगा। साथ ही कहा गया है कि बैंक खाते या वॉउचर से उक्त श्रमिक को भुगतान नहीं होगा। उसके लिए ब्रांच मैनेजर अपने नाम पर पैसे निकालेंगे और श्रमिक को नकद में भुगतान होगा। बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक के मुख्यालय से पिछले सप्ताह जारी एक सरकुलर में ऐसा निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी ब्रांच मैनेजर कैजुअल वर्कर को नहीं रख सकेगा। असाधारण परिस्थितियों में वह किसी चपरासी या सफाईकर्मी को रखता है तो उसे भी अधिकतर 30 दिनों के लिए रखेगा। उसका भुगतान बैंक खाते या बैंक वाउचर से नहीं होगा। उसकी मजदूरी के भुगतान के लिए ब्रांच मैनेजर बैंक से पैसे लेंगे और मजदूर को नकद में भुगतान होगा। ऐसी व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि कोई मजदूर बैंक में पक्की नौकरी की मांग को लेकर कोर्ट न चला जाए। वह बैंक भुगतान का प्रमाण देकर अपनी बात पर जोर नहीं डाल सके। इस सरकुलर में लिखा गया है कि कि अब बैंक में चपरासी, मैंसेजर, सफाई कर्मचारी जैसे छोटे कर्मचारियों को अधिकतम 30 दिनों के लिए रखा जाएगा। मतलब कि उन्हें हर महीने बदलना होगा। काम के एवज में उन्हें मजदूरी भी नकद, बिना किसी लिखा पढ़ी के मिलेगी। उनका पैसा बैंक से तो निकलेगा, लेकिन उसके लिए हस्ताक्षर मजदूर का नहीं, बैंक मैनेजर का होगा। जो भी अधिकारी इस आदेश का पालन नहीं करेगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रीजनल रूरल बैंक कर्मचारियों के संगठन नेशनल फेडरेशन ऑफ आरआरबी इम्पलायीज के महासचिव शिवकरन द्विवेदी का कहना है कि बैंक के बड़े अधिकारी पहले से ही इस तरह का खेल कर रहे हैं। यह सरकुलर इस खेल पर परदा डालने वाला है।

चीन से 100 लाख करोड़ के निवेश लाने की तैयारी:भारत में निवेश आसान बनाने के लिए एक मंच पर आए 16 मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने वैश्विक कंपनियों का भारत में निवेश आसान करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 16 अलग-अलग मंत्रालयों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाया गया है। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विदेशी निवेश को जल्द से जल्द मंजूरी मिल सके। क्योंकि, निवेश बढ़ाने में सबसे बड़ी अड़चन अब भी अलग-अलग विभागों से मिलने वाली मंजूरियों में होने वाली देरी है। देरी की वजह से हर चार में से एक प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत बढ़ गई है, जो आने वाले समय में बड़ी समस्या हो सकती है। केंद्र सरकार अगले कुछ सालों में 100 लाख करोड़ रुपए के मेगा प्रोजेक्ट चीन से छीनकर भारत लाने की तैयारी में जुट गई है। एपल जैसी कई कंपनियां हैं, जो चीन में अपने मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स पूरी तरह से बंद कर भारत आना चाहती हैं। इन्हें ध्यान में रखकर ही गति शक्ति योजना को विस्तार दिया जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विशेष सचिव अमृतलाल मीणा ने बताया कि वैश्विक कंपनियां भारत में निर्माण के लिए उत्सुक हैं। हम उनसे लगातार बात कर रहे हैं। हम उन्हें हर तरह की जरूरी सुविधाएं दे रहे हैं। भारत आने की इच्छुक ज्यादातर वैश्विक कंपनियां अभी चीन में निर्माण कर रही हैं। हम उन्हें बेहतर माहौल देंगे, इसलिए उम्मीद है कि जल्द ही भारत में कंपनियों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। केंद्र सरकार ने चीन में मैन्युफैक्चरिंग कर रहीं कई वैश्विक कंपनियों से संपर्क साधा है। इन कंपनियों की दो प्रमुख मांगें हैं। पहली सस्ते कामगार और दूसरी अंग्रेजी में बात करने वाले कर्मचारी। ये दोनों ही पहलू भारत के पक्ष में हैं। केंद्र सरकार का मानना है कि चीन से निपटने के लिए उसकी असल ताकत पर प्रहार करना जरूरी है। मैन्युफैक्चरिंग उसकी ताकत है, जो भारत में भी संभव है। वैसे भी कोरोनाकाल के बाद कई विदेशी कंपनियां चीन से मैन्युफैक्चरिंग शिफ्ट करना चाहती हैं। चीन से कौन-कौन के क्षेत्र की कंपनियां भारत आ सकती हैं, इसका विस्तृत अध्ययन किया जा चुका है। इन्हें भारत में कहां-कहां स्थापित किया जा सकता है, ये भी लगभग तय हो चुका है। ऐसा इसलिए, ताकि ये सभी प्रोजेक्ट रेल नेटवर्क से सीधे जुड़ सकें। गति शक्ति योजना के तहत 1300 नए प्रोजेक्ट शुरू होने हैं, लेकिन चुनौती यह है कि इनमें से 40% प्रोजेक्ट अटक गए हैं या उनकी गति बहुत धीमी है। ज्यादातर प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण नहीं हो पाया है। 422 प्रोजेक्ट अन्य कारणों से शुरू नहीं हो पा रहे थे। हालांकि, इनमें से 200 प्रोजेक्ट में आ रहीं अड़चनें दूर की ली गई हैं।

हाई कोर्ट के फैसले पर भड़के उपेंद्र कुशवाहा

बोले- केंद्र सरकार और भाजपा की गहरी साजिश

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण को लेकर पटना उच्च न्यायलय के फैसले से राजनीतिक माहौल गरम हो गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बिहार विधान परिषद के सदस्य उपेंद्र कुशवाहा ने पटना हाई कोर्ट के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। ट्विटर पर वीडियो सन्देश जारी कर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि पटना उच्च न्यायलय का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि ये फैसला केंद्र सरकार और भाजपा की गहरी साजिश का परिणाम है। उपेंद्र कुशवाहा ने केंद्र सरकार पर जाति जनगणना न करने और विलंब करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा ने जानबूझकर प्रक्रिया को फाइनल नहीं किया है। इससे भाजपा की साजिश का पर्दाफाश होता है। उपेंद्र कुशवाहा ने चुनाव रोके जाने और ओबीसी आरक्षण रद्द किये जाने पर भाजपा का घेराव किया है। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में इस महीने होने वाले नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण रद्द कर दिया है और चुनाव पर रोक लगा दी है। आरक्षण के खिलाफ याचिका पर पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय करोल और एस. कुमार की बेंच ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने निकाय चुनाव में पिछड़ों को आरक्षण को लेकर दायर याचिका पर 29 सितंबर को सुनवाई पूरी कर ली थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को इस मामले में जल्द सुनवाई कर फैसला सुनाने को कहा था। कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत बगैर ट्रिपल टेस्ट के ओबीसी को आरक्षण दे दिया है।

अमित शाह के बिहार दौरे के बाद सीमांचल के नेता को बड़ी जिम्मेदारी

दिलीप जायसवाल बने सिक्किम के बीजेपी प्रभारी

किशनगंज, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमित शाह के बिहार दौरे के कुछ समय बाद ही सीमांचल के बीजेपी नेता एवं एमएलसी दिलीप जायसवाल को सिक्किम का प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें सिक्किम का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। बिहार बीजेपी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पूर्णिया और किशनगंज दौरे में दिलीप जायसवाल ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। शाह के दौरे के सभी इंतजामों के मुख्य कर्ता-धर्ता वही थे। दिलीप कुमार जायसवाल किशनगंज से आते हैं। वे बीजेपी के एमएलसी हैं। इसी साल हुए बिहार विधान परिषद चुनाव में आरजेडी प्रत्याशी को हराकर वे तीसरी बार एमएलसी बने थे। नीतीश के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में वे उपमुख्य सचेतक और दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री भी रहे। दिलीप जायसवाल की गिनती सीमाचंल में बीजेपी के कद्दावर नेताओं में होती है। खास बात ये है कि वे सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलते हैं और मुस्लिम बाहुल्य इलाके में भी बीजेपी का दबदबा बनाने में कामयाब रहे। दिलीप जायसवाल को बीजेपी में राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी मिलने से सीमांचल का दबदबा बढ़ गया है। हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह के सीमांचल दौरे को सफल बनाने में जायसवाल ने अहम भूमिका निभाई थी। शाह उनके घर भी गए थे। अब उन्हें सिक्किम का प्रदेश प्रभारी बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। दिलीप जायसवाल को सिक्किम में बीजेपी का प्रभारी बनाया गया है। इस पूर्वोत्तर राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। 2019 में हुए चुनाव में सिक्किम में बीजेपी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। हालांकि, बाद में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के 10 विधायक बीजेपी में शामिल हो गए।

बिहार नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर रोक

एचसी ने कहा- ईसी वोटिंग की तारीख आगे बढ़ा सकता है

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में इस महीने होने वाले नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर रोक लगा दी है। आरक्षण के खिलाफ वाली याचिका पर पटना एचसी ने मंगलवार को फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों को सामान्य में अधिसूचित कर चुनाव कराए जाएंगे। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग से कहा गया कि वह मतदान की तारीख आगे बढ़ाना चाहे, तो बढ़ा सकता है।

पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय करोल और एस. कुमार की बेंच ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रावधानों के अनुसार तब तक स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति नहीं दी जा सकती, जब तक सरकार 2010 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित तीन जांच अर्हताएं नहीं पूरी कर लेती। राज्य निर्वाचन आयोग के पूर्व में जारी चुनावी कार्यक्रम के मुताबिक स्थानीय निकायों में पहले चरण की वोटिंग 10 अक्टूबर और दूसरे चरण की 20 अक्टूबर को प्रस्तावित है। अब इस पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

हाईकोर्ट ने निकाय चुनाव में पिछड़ों को आरक्षण को लेकर दायर याचिका पर 29 सितंबर को सुनवाई पूरी कर ली थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को इस मामले में जल्द सुनवाई कर फैसला सुनाने को कहा था। हाईकोर्ट बेंच ने कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पहले जो आदेश दिया था, उसका बिहार में पालन नहीं किया गया।

कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत बगैर ट्रिपल टेस्ट के ओबीसी को आरक्षण दे दिया। जबकि आरक्षण देने के पूर्व राजनीति पिछड़ेपन वाली जातियों को चिह्नित किया जाना था, लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर सीधे आरक्षण दे दिया। जो कि गलत है।

पॉलिटेक्निक गैंगरेप में कोर्ट के फैसले से पीड़िता खुश

झांसी में पिता बोले-सिर पर कफन बांधकर लड़ाई लड़ी, बेटी को न्याय मिला

झांसी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। झांसी में पॉलिटेक्निक गैंगरेप केस में सभी 8 दोषियों को अंतिम सांस तक जेल की सजा मिली है। कोर्ट के इस फैसले से पीड़िता खुश है। उसके पिता कहते हैं, जघन्य घटना के बाद बेटी आज भी गुमशुम रहती है। जब उसे शाम को कोर्ट के फैसले के बारे में बताया तो वह खुश हो गई और पूछने लगी कि अब वे (दोषी) हमें कुछ कर तो नहीं देंगे। मैंने हमेशा की तरह उसका साहस बढ़ाया। हमें उन लोगों से अब भी खतरा है। इसलिए हमने पहले से ही पुलिस सुरक्षा ले ली थी।

पिता कहते हैं, ऐसी घटना किसी बेटी के साथ न हो। जब से घटना हुई बेटी का बर्ताव बदल गया। वह गुमशुम रहती है। मैं, उसकी मां आवाज लगाते रहते हैं, लेकिन वो सोच में पड़ी रहती है। काफी देर बाद अचानक चौंकते हुए जबाव देती है। अब भी कोई अपरिचित व्यक्ति मिलने के लिए आ जाता है, तो वो सहम जाती है। इसलिए मैंने घर पर सबसे मिलना बंद कर रखा है। हालत ये बने कि हमने बेटी को मनो चिकित्सक तक को दिखाया।"

पिता बताते हैं, जिस दिन (11 अक्टूबर 2020) से घटना हुई है, बेटी ने घर से बाहर निकलना छोड़ दिया। वह अभी तक सदमें से बाहर नहीं निकल पाई है। यहां तक वह अपने कॉलेज भी नहीं जाती।

ऑनलाइन पढ़ाई की। एग्जाम दिलाने के लिए घर का कोई सदस्य उसके साथ कॉलेज जाता है। मैंने अपनी बेटी के लिए कफन बांधकर लड़ाई लड़ी है। आज बेटी और मेरे पूरे परिवार को कोर्ट से न्याय मिल गया है।"

विशेष लोक अभियोजक विजय कुशवाहा बताते हैं, आईपीसी की धारा 376 डी (गैंगरेप) कहती है कि एक व्यक्ति घटना को कारित कर रहा हो और इसमें शामिल लोग खड़े हो या अपनी बारी का इंतजार कर रहे हो, तो सभी को बराबर का दोषी माना जाएगा। इस केस में भी ऐसा ही हुआ। रोहित कुमार सैनी ने रेप किया। बाकी आरोपियों ने मारपीट कर प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़ की। सभी घटनास्थल पर मौजूद थे। एसआई के आने पर भागे। इसलिए सभी को बराबर की सजा हुई है।"

पीड़िता की गवाही: कोर्ट में सभी आरोपियों के खिलाफ गवाही दी। किसने क्या घटना कारित की, उसका उल्लेख किया।

डीएनए रिपोर्ट: पीड़िता के स्वैब सैंपल और रेप करने वाले दोषी का खून डीएनए जांच के लिए भेजा गया। डीएनए मैच होना रेप का बहुत बड़ा सबूत है।

क्लासमेट की गवाही: पीड़िता से पहले उसके कोचिंग में पढ़ने वाले लड़के को आरोपियों ने पकड़ रखा था। उसे और पीड़िता को पीटा गया। लड़के के सामने पूरी घटना हुई। उसी ने कॉलेज के प्रवेश फार्म में लगी फोटो देखकर 8 आरोपियों की पहचान की थी।

नहीं गली चोरों की दाल

शोर करने पर मार दी गोली, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

नालंदा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुर्गा पूजा पर नालंदा पुलिस के अलर्ट पर रहने के दावों की पोल खुल गई है। जहां बदमाशों ने देर रात लूट के दौरान एक बुजुर्ग को गोली मार दी। मामला बिहार शरीफ के लहेरी थाना क्षेत्र का है।वही घायल की पहचान मुरारपुर निवासी (65) वर्षीय राजू पांडे के रूप में हुई है। घटना के संदर्भ में बताया जा रहा है कि बुजुर्ग बोकारो ट्रांसपोर्ट में गार्ड का काम करते हैं और बीती रात वह ट्रांसपोर्ट के अंदर ही सोए हुए थे। इसी बीच देर रात बाइक सवार कुछ बदमाशों ने आकर ट्रांसपोर्ट के मुख्य गेट के ताले को काट दिया। फि अंदर घुस कर लूटपाट का प्रयास करने लगे। जैसे ही खटपट की आवाज हुई तो बुजुर्ग की नींद खुल गई और वो शोर मचाना शुरू कर दिए। इसके बाद बदमाशों ने गोली चला दी,जो बुजुर्ग के बाएं हाथ में जा लगी। इसके बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

वही इस पूरे मामले में लहेरी थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी देखा जा रहा है। बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गोरखपुर चिड़ियाघर में सफेद बाघिन को बाड़े में भेजेंगे मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इन दिनों वन्य जीव संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार का दिन गोरखपुर चिड़ियाघर के लिए बेहद खास होगा। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहीद अशफाक उल्ला प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में ढाई माह पूर्व लाई गई सफेद बाघिन (व्हाइट टाइगर) गीता को क्रॉल से मुख्य बाड़े में प्रवेश कराएंगे। इतना ही नहीं सीएम इस दौरान चिड़ियाघर में रखे तेंदुए के दो बच्चों का नामकरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा व्हाइट टाइगर को मुख्य बाड़े में प्रवेश कराए जाने के साथ ही पर्यटक अब इसका दीदार भी कर सकेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर चिड़ियाघर प्रशासन तैयारियों में जुटा है। जिले में चिड़ियाघर स्थापित करने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को है। मार्च 2021 को उन्होंने इसका लोकार्पण किया था। उनकी मंशा चिड़ियाघर को देश का नायाब चिड़ियाघर बनाने की है।

लड़की का शव लेकर 500 मीटर भागे पुलिसकर्मी

मां पीछे-पीछे दौड़ती रही, न्यूड मिला था शव पिता का आरोप- गैंगरेप के बाद हत्या की

औरैया, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। औरैया के 17 साल की किशोरी का शव सोमवार को खेत में नग्न हालत में मिला। वह सुबह 8 बजे खेत में गई थी। तभी यह घटना हुई। शव लड़की के घर से 500 मीटर की दूरी पर मिला। उसके गले में दुपट्टा लिपटा हुआ था। पिता ने गैंगरेप के बाद बेटी की हत्या का आरोप लगाया है।

हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हैवानियत की पुष्टि नहीं हुई है। एक आंख पर सूजन और होंठ में दांत के निशान मिले हैं। गला दबाने यानी दम घुटने से मौत की बात पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में आई है। लड़की की न्यूड लाश मिलने की खबर पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। वहां ग्रामीणों की भीड़ जमा होने लगी।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने तुरंत शव को बैग में पैक किया। इसके बाद वहां से लेकर भागने लगे। इस दौरान लड़की की मां पीछे-पीछे दौड़ लगाती रही। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। करीब 500 मीटर के बाद पुलिस ने शव को गाड़ी में रखा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। हालांकि, शव लेकर भागने की बात को एसपी चारु निगम ने खंडन किया है। उन्होंने कहा, खेत में शव मिला था, गाड़ी वहां से 500 मीटर दूर थी। ऐसे में पुलिसकर्मी शव को

लेकर गाड़ी तक लाए थे।

पीड़िता दिबियापुर के एक गांव में माता-पिता के साथ रहती थी। बड़ी दो बहन की शादी हो चुकी है। भाई परिवार के साथ सूरत, गुजरात में रहता है। सोमवार सुबह करीब 8 बजे गांव के बाहर खेतों में गई थी। उसी दौरान उसका पिता अपने खेतों पर काम करने चला गया। जब वह खेतों से घर लौटा तो बेटी नहीं थी। इस पर तलाश शुरू हई तो घर से करीब 5 सौ मीटर दूरी पर स्थित एक बाजरे के खेत में किशोरी का शव नग्न हालत में पड़ा था। मृतका के पिता ने बताया, जब मैं खेतों से घर लौटा, तो बेटी घर पर नहीं मिली। उसकी तलाश शुरू की, तो पता चला कि वह खेत की तरफ गई थी। उसके बाद घर से करीब 500 मीटर दूर खेत में शव नग्न मिला। उसके गले में दुपट्टा लिपटा हुआ था। गैंगरेप के बाद उसकी हत्या की गई है।

200 मीटर तक घसीटा गया

जिस बाजरे के खेत में शव पड़ा मिला है, वहां आस-पास करीब 200 मीटर तक बाजरा टूटा पड़ा मिला। मिट्टी पर घसीटने के निशान भी मिले हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि किशोरी ने मरने से पहले बचने के लिए संघर्ष किया होगा। पुलिस और फोरेंसिक की टीम ने भी मौके से फैक्ट जुटाए हैं। पुलिस को मौके से चप्पल भी मिली हैं। कुछ दूरी पर चप्पल, अंडर गारमेंट्स के अलावा अन्य कपड़े भी मिले हैं। खुलासे के लिए पुलिस की 10 टीमें बनाई गई हैं, जिसमें सर्विलांस और एसओजी की टीमें भी हैं। आईजी प्रशांत कुमार ने पिता और मां के अलावा कई ग्रामीणों से अलग-अलग बात की।

सड़क पर ही लगा था दुर्गा पंडाल आईजी ने बताया कि फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को देखा नहीं है, लेकिन जो पता चला है उसमें रेप को लेकर अंदरूनी पार्ट में संघर्ष के निशान नहीं आए हैं। जांच हर एंगल पर की जा रही है। उधर ग्रामीणों ने बताया कि नवरात्र पर गांव के सामने सड़क और दुर्गा पंडाल लगा है। वहां वह हर रोज सुबह शाम आरती में जाती थी।

मां-बेटी-बेटे पर एसिड अटैक

रोहतास, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। रोहतास के बिक्रमगंज में एक ही परिवार के तीन लोगों पर एसिड अटैक किया गया है। एसिड अटैक में मां, बेटी और बेटा बुरी तरह जल गए हैं। परिवार के तीनों सदस्यों का इलाज नारायण मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, जमुहार में चल रहा है। पूरा मामला जिले के बिक्रमगंज प्रखण्ड क्षेत्र के शिवपुर गांव का है। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन पुलिस उन्हें धमकी दे रही है। उनका अरोप है कि पुलिस ने उन्हें प्रेस को जानकारी देने पर फंसाने की धमकी भी दी है। वहीं घटना के पांच दिन बाद भी अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।

घटना 29 सितंबर की रात नौ बजे की है। शिवपुर गांव में भुल्लु शाह के घर में घुस कर मां, बेटे और बेटी पर तेजाब फेंक दिया और इसके बाद बाइक से भाग निकले। एसिड अटैक में भुल्लु की पत्नी कांति देवी 35 साल, बेटा रितेश कुमार 14 साल एवं बेटी नेहा 11 साल घायल हो गए। आनन-फानन में परिजन उन्हें अनुमण्डलीय अस्पताल बिक्रमगंज ले गए, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर कर दिया। अभी उनका इलाज एनएमसीएच में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार एसिड अटैक में मां और बेटी बुरी तरह जली हैं जबकि बेटा आंशिक रूप से जला है। वही घटना के पांच दिन बाद भी बिक्रमगंज थाने प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है। अनुमण्डलीय अस्पताल, बिक्रमगंज के प्रिसक्रिप्शन पर साफ-साफ एसिड अटैक लिखा हुआ है। इस संबंध में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि 29 सितंबर की रात की घटना है। तीनों घायलों को अनुमण्डलीय अस्पताल से रेफर कर दिया गया था।

प्रशांत किशोर का बीजेपी को जवाब- मेहनत और बुद्धि से फीस कमाए हैं, किसी की दलाली नहीं किए हैं

बेतिया, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जन सुराज पदयात्रा के दौरान पश्चिम चंपारण के जमुनिया गांव में प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्होंने अब तक किसी से नाजायज पैसा नहीं लिया है और अब ले रहे हैं। भाजपा ने ललन सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा था कि 2015 के चुनाव में जदयू ने प्रशांत किशोर को कितने करोड़ रूपये दिए थे। भाजपा के सवाल का खुद पीके ने जवाब देते हुए कहा कि बिहार में बदलाव के लिए फीस ली, जिनके लिए अब तक काम किया है, ताकि टेंट लगाया जा सके। पदयात्रा करके लोगों तक पहुंचा जा सके। भाजपा के सवालों पर पलटवार करते हुए प्रशांत किशोर ने जनता से कहा कि उन्होंने अब तक मेहनत से, अपनी बुद्धि से 10 साल काम किया है, दलाली नहीं की है। इसलिए अब कई पार्टियों के लोग उनसे चिढ़ रहे हैं। उनके

किसी के साथ मिले होने का आरोप लगा रहे हैं। सोमवार को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने प्रशांत किशोर पर हमला बोलते हुए कहा था कि पीके भाजपा के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। मंगलवार सुबह भाजपा के प्रवक्ता ने वीडियो जारी कर जदयू पर पलटवार करते हुए सवाल किया था कि 2015 के चुनाव में जदयू ने पीके को कितने करोड़ रूपये दिए थे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि 2014 में चुनाव हारने के बाद नीतीश कुमार ने दिल्ली आकर मदद मांगी थी। 2015 में उनको जिताने में कंधा लगाया, अभी 10-15 दिन पहले नीतीश कुमार ने बुलाकर कहा है कि हमारे साथ काम कीजिए, हमने कहा कि ये अब नहीं हो सकता है। पीके ने जनसुराज के संकल्प का हवाला देते हुए कहा कि एक बार जो लोगों को वादा कर दिया है कि 3500 किमी चलकर गांव-गांव में जाकर लोगों को जगाना है, वही करेंगे। एक बार जनबल खड़ा हो गया, फिर कोई भी टिकने वाला नहीं है लिखकर रख लीजिए।

अमित शाह के ऑफिस के बाहर तीन घंटे बैठे रहे एकनाथ खडसे नहीं मिला वक्त, चाहते हैं वापसी जनसुराज पदयात्रा के दौरान प्रशांत किशोर ने पलटवार करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए 2015 के चुनाव में नीतीश की मदद का भी जिक्र किया।

कोरथा गांव में पहुंचे मंत्री संजय निषाद पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, किया विरोध

कानपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर के घाटमपुर में हुए ट्रैक्टर ट्राली हादसे में करीब 26 लोगों की मौत के बाद ग्रामीणों में प्रदेश सरकार को लेकर काफी गुस्सा है। यूपी सरकार में मत्स्य मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद कोरथा गांव में पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे तो ग्रामीणों ने गुस्सा दिखाते हुए उन्हें घेर लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी परेशानी बताते हुए बीजेपी का नाम लिया तो मंत्री ने उन्हें टोका और काम की बात करने की सलाह देने लगे।

संजय निषाद जब कोथरा गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उनके आगमन का विरोध किया और कहा कि जब बुला रहे थे तो क्यों नहीं आए, अब क्या फायदा? इसके बाद बुजुर्गों के समझाने पर मंत्री को गांव में आने दिया गया। संजय निषाद कोरथा गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनका घेराव कर लिया और हल्ला-गुल्ला होने लगा। पीड़ित परिवार ने मंत्री के सामने अपनी नाराजगी जताई। इसके बाद, मंत्री ने ग्रामीणों की बात सुननी शुरू की।

नालंदा में बारिश से पूजा पंडालों पर असर

श्रद्धालुओं की भीड़ हुई कम दुकानदारों को सबसे ज्यादा नुकसान

नालंदा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान का असर नालंदा में भी देखने को मिल रहा है। हालांकि, बारिश को लेकर मौसम विभाग ने पहले ही बिहार के सभी जिलों के लिए अलर्ट जारी किया था।

बारिश और तूफान के मद्देनजर सोमवार की शाम नालंदा जिला प्रशासन के द्वारा घूम घूम कर पूजा समिति आयोजकों को सभी मुकम्मल व्यवस्था पंडालों में बनाए रखने का निर्देश दिया गया था। सोमवार की रात से शुरू हुई बूंदाबांदी मंगलवार की सुबह तेज हो गई।

हालांकि, अभी तक तूफान तो नहीं आया है। लेकिन बारिश ने दुर्गा पूजा में खलल जरूर डाला है। पंडालों की रौनक कम हो गई है तो वही इक्के दुक्के श्रद्धालु ही सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। सड़कों और पंडालों के आगे बारिश के कारण कीचड़मय हो गया है।

खेल खिलौने एवं नाश्ते की दुकान लगाने वाले दुकानदारों में भी इसे लेकर मायूसी देखी जा रही है। कोरोना काल से उभरने के बाद इस बार दुकानदारों को दशहरा पर्व के मौके पर अच्छी आमदनी की उम्मीद थी।

लेकिन बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। शहर के प्रमुख पूजा पंडालों में से अमरनाथ की गुफा, संसद भवन, नाव की मंदिर, कंबोडिया का मंदिर, अक्षरधाम मंदिर सहित कई पूजा पंडालों को बारिश के कारण क्षति पहुंची है।

मुलायम सिंह यादव की हालत अब भी नाजुक

मेदांता में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम कर रही है इलाज

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहे समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। गुरुग्राम स्थिति मेदांता हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती मुलायम सिंह यादव की सेहत के बारे में जानकारी साझा करते हुए मंगलवार को मेदांता हॉस्पिटल ने बताया कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक बड़ी टीम सपा संरक्षक का इलाज कर रही है। मुलायम सिंह की हालत में गिरावट के चलते सोमवार को उन्हें क्रिटिकल केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। सपा के संस्थापक और संरक्षक 82 वर्षीय मुलायम सिंह का यादव का मेदांता में इस साल अगस्त से इलाज चल रहा है। इसके पहले समाजवादी पार्टी ने एक ट्वीट में कहा था कि नेताजी की हालत स्थिर है। उनके बेटे और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे जहां उनके पिता भर्ती हैं।

एसडीएम ने 210 साल पुरानी रामलीला रुकवाई तो महंत ने त्यागा अन्न-जल

कानपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर देहात के शिवली थाना क्षेत्र में करीब 210 सालों से होने वाली रामलीला को एसडीएम ने रुकवा दिया तो इससे नाराज एक महंत ने अन्न जल का त्याग कर दिया है। एसडीएम का कहना था कि पहले से इजाजत लिए बगैर रामलीला का आयोजन किया जा रहा था इसीलिए यह कार्यवाही की गई। उधर, महंत और रामलीला कमेटी के अध्यक्ष स्थानीय

नागरिकों के साथ धरने पर बैठ गए। फिर महंत ने अन्न जल का त्याग करने का एलान कर दिया। बाद में एडिशनल एसपी ने समझाबुझाकर मामला शांत कराया।बड़ी मुश्किल से महंत अनशन वापस लेने पर माने और तब जाकर रामलीला का मंचन शुरू हो सका।

आयोजन से जुड़े लोगों ने जिलाधिकारी से लिखित शिकायत कर एसडीएम के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। वही, जिला प्रशासन ने मंगलवार को इलाके में स्थिति को तनावपूर्ण होते देख सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया है।

केजरीवाल सरकार के लिए नई मुश्किल?

एलजी ने अब बिजली पर दिया जांच का आदेश

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। शराब से शिक्षा तक कई मामलों की जांच बिठा चुके एलजी वीके सक्सेना ने अब बिजली सब्सिडी मामले में भी रिपोर्ट तलब कर ली है। एलजी ने चीफ सेक्रेटरी को उन आरोपों की जांच करने को कहा है जिनके मुताबिक बिजली वितरण कंपनियों को आप सरकार की ओर से सब्सिडी राशि भुगतान में अनियमितता बरती गई है। एलजी ने 7 दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली सरकार बिजली उपभोक्ताओं को सब्सिडी पर बिजली देती है। 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाती है तो महीने में 201 से 400 यूनिट तक बिजली खपत पर 50 फीसदी सब्सिडी मिलती है। उपभोक्ताओं की बजाय सरकार बिजली कंपनियों को सरकारी खजाने से इस बिल का भुगतान करती है। एलजी कार्यालय के अधिकारियों से दी गई जानकारी के मुताबिक वरिष्ठ वकीलों, न्यायविद और कानूनी पेशेवरों ने बिजली कंपनियों को सब्सिडी भुगतान में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी।

शिकायत में आप प्रवक्ता जैसमीन शाह और नवीन गुप्ता (आप सांसद एनडी गुप्ता के बेटे) का नाम भी शामिल है। एलजी दफ्तर की ओर से बताया गया है कि अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों बीएसईएस राजधानी पावर (बीआरपीएल) और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीआईपीएल) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में केजरीवाल सरकार ने नियुक्त किया। निजी वितरण कंपनियों में दिल्ली सरकार की 49 फीसदी हिस्सेदारी है।

एलजी की ओर से चीफ सेक्रेटरी को पूछा गया है कि दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन (डीईआरसी) की ओर से 19 फरवरी 2018 को दिए गए आदेश के मुताबिक बिजली सब्सिडी उपभोक्ताओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से उनके खाते में क्यों नहीं दी जा रही है। एलजी कार्यालय की ओर से बताया गया है कि दिल्ली सरकार ने सरकारी कंपनियों से बिजली खरीद का 21,250 करोड़ रुपए बकाया वसूली की बजाय उन्हें भविष्य में सरकार की ओर से सब्सिडी भुगतान के बदले समायोजित करने की छूट दी। एलजी ने बिजली सब्सिडी में कथित अनियमितता की जांच का आदेश ऐसे समय पर दिया है जब राजभवन और सरकार के बीच कई मुद्दों पर टकराव चल रहा है। एलजी के आदेश पर ही दिल्ली में कथित शराब घोटाले की सीबीआई जांच चल रही है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। हाल ही में वक्फ बोर्ड में कथित भर्ती घोटाले को लेकर 'आप' विधायक अमानतुल्लाह खान को भी गिरफ्तार किया गया था। सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन 4 महीने से मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद हैं।

चीनी ऐप से जुड़ी 12 इकाइयों पर ईडी का छापा, 5.85 करोड़ रुपये जब्त

बेंगलुरु, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंशकालिक नौकरी उपलब्ध कराने के बहाने युवाओं के साथ कथित तौर पर धोखाधड़ी करने को लेकर चीन से जुड़ी एक कंपनी के खिलाफ जांच शुरू की है। अंशकालिक नौकरी के तहत सोशल मीडिया मंचों पर 'सेलिब्रिटी' के वीडियो 'अपलोड' करना और उन्हें 'लाइक' करना शामिल था। संघीय एजेंसी ने सोमवार को कहा उसने बेंगलुरु में कम से कम 12 कंपनी पर छापा मारा, जो ऐप 'कीपशेयरर' से संबद्ध हैं और इस कार्रवाई में 5,85 करोड़ रुपये मूल्य का धन जब्त किया गया।

ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच में यह पाया गया कि भोले-भाले लोगों, खासतौर पर युवाओं के साथ कुछ चीनी नागरिकों ने एक मोबाइल ऐप के जरिये धोखाधड़ी की, जिसका नाम कीपशेयरर है, दरअसल, उन्होंने लोगों को अंशकालिक नौकरी देने का वादा किया था और उनसे धन एकत्र किया। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि चीनियों द्वारा स्थापित कंपनियों ने यहां कई भारतीयों की भर्ती निदेशक, अनुवादक, मानव संसाधन प्रबंधक और टेली-कॉलर के रूप में की। इसने कहा, ''उन्होंने भारतीयों के दस्तावेज हासिल किए और बैंक खाते खोले। आरोपी चीनी नागरिकों ने ऐप विकसित किया और व्हाट्सऐप तथा टेलीग्राम के जरिये इसका विज्ञापन देना शुरू किया।'' ईडी ने कहा, ''यह ऐप एक निवेश ऐप से जुड़ा हुआ था और पहले ऐप पर पंजीकरण के जरिये उन्होंने युवाओं से पैसे एकत्र किए।'' आरोपियों ने इस ऐप के जरिये निवेश के नाम पर भी लोगों से धन एकत्र किया, जबकि युवाओं को सेलिब्रिटी के वीडियो 'लाइक' करने तथा उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड करने का काम दिया गया। एजेंसी ने दावा किया, ''काम पूरा होने पर, वे प्रति वीडियो 20 रुपये उनके कीपशेयरर वालेट में जमा कर देते थे। कुछ समय तक पैसा जमा किया गया लेकिन बाद में ऐप को 'प्ले स्टोर' से हटा लिया गया। इस तरह लोगों के साथ उनके निवेश को लेकर धोखाधड़ी की गई।''

एजेंसी ने कहा कि इस घोटाले के जरिये एकत्र किये गये धन का हेरफेर बेंगलुरु की कुछ कंपनी के खातों के जरिये किया गया और फिर इन्हें क्रिप्टो करेंसी में तब्दील कर चीन स्थित क्रिप्टो एक्सचेंज में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने एक आरोपपत्र में कहा था कि 92 आरोपियों में से छह चीनी नागरिक जबकि एक ताइवानी नागरिक है, जो पूरे घोटाले को नियंत्रित कर रहे थे।

'नाइजीरिया' के चीतों से फैली लंपी बीमारी

कांग्रेस पीसीसी चीफ के बयान की फजीहत

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंपी बीमारी को लेकर भारत के कई राज्यों चिंता जारी है। अब महाराष्ट्र कांग्रेस को लगता है कि 'नाइजीरिया' से लाए गए चीतों के चलते यह बीमारी फैली है। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर भी इसे देशभर में फैलाने के आरोप लगाए हैं। अब वह अपने इस बयान के चलते सियासी गलियारों में निशाने पर आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि उन्हें डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है। भंडारा जिले में पत्रकारों से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रमुख नाना पटोले ने कहा, 'यह लंपी बीमारी नाइजीरिया में लंबे समय से है और वहां से चीते भी लाए गए हैं। केंद्र जानबूझकर किसानों का नुकसान करने के लिए ऐसा कर रही है।' दरअसल, चीते नाइजीरिया नहीं बल्कि नामीबिया से भारत लाए गए हैं।

इस बयान का वीडियो वायरल होते ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, 'भारत में चीते नामीबिया से लाए गए हैं, नाइजीरिया से नहीं।' साथ ही उन्होंने पटोले को भी टैग किया है।

इधर, महाराष्ट्र की भाजपा इकाई ने भी तंज कसा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, 'पटोले किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। बीते कुछ महीनों से वह जिस तरह से बात कर रहे हैं, ऐसा लग रहा है कि वह बीमार हैं और उन्हें अच्छे डॉक्टर की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने और राहुल गांधी को खुश करने के लिए निराधार दावे किए जा रहे हैं, ताकि अपने पद को बचाया जा सके। भारत में 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत नामीबिया से चीते लाए गए थे। इन 8 चीतों में पांच मादा और तीन नर हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, कुनो नेशनल पार्क में प्रधानमंत्री द्वारा जंगली चीतों को छोड़ा जाना भारत के वन्य जीवन और आवासों को पुनर्जीवित करने और उनमें विविधता लाने के उनके प्रयासों का हिस्सा है। चीते को 1952 में भारत से विलुप्त घोषित कर दिया गया था। पीएमओ ने बताया था कि ये चीते भारत में खुले जंगलों और घास के मैदानों के इकोसिस्टम को बहाल करने में मदद करेंगे। ये जैव विविधता के संरक्षण में मदद करेंगे और जल सुरक्षा, कार्बन पृथक्करण व मिट्टी की नमी के संरक्षण जैसी पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाओं को बढ़ाने में मदद करेंगे।

'चार्मिंग फेस में कभी चिकनी सड़कों का वीडियो बनाएं'

ताम्रध्वज के बयान पर सांसद सरोज का सोनिया को पत्र, कहा- गृहमंत्री से इस्तीफा लो

रायपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में खराब सड़कों को लेकर जमकर सियासत चल रही है। सीएम भूपेश बघेल और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। रमन सिंह एक-दूसरे पर जमकर सियासी तीर चला रहे हैं। छत्तीसगढ़ भाजपा सोशल मीडिया पर 'लबरा के डबरा' नाम से लगातार सरकार पर हमलावर है। इधर भाजपा नेत्री और राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय के वीडियो पर गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने ऐसी टिप्पणी कर दी, जिससे सरोज पांडेय नाराज हो गईं। उन्होंने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। सरोज पांडेय ने पत्र को अपने ट्विटर एकाउंट पर भी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है- मातृशक्ति के आराधना के महापर्व में नारीशक्ति का अपमान करने वाले छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री और महिलाओं के प्रति कांग्रेस के संकीर्ण सोच पर कांग्रेस अध्यक्ष को जवाब देना होगा। दरअसल, 23 सितंबर को राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय अकलतरा विधानसभा क्षेत्र के बलौदा-कोरबा मार्ग में रुक गई। उन्होंने एक वीडियो बनाया, जिसमें सड़क के गड्ढों को दिखाते हुए सरोज पांडेय कह रही हैं ये भूपेश सरकार है, जिन्होंने कहा कि सड़कों की स्थिति बहुत अच्छी है। पीडब्ल्यूडी मंत्री ताम्रध्वज साहू कहते हैं कि प्रदेश में कहीं की रोड खराब नहीं है। मैं मुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी को आमंत्रित करती हूं कि वो आकर इस सड़क को देखें कि किस तरह लोग गड्ढों में से गुजर रहे हैं। गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा है कुछ समझ में नहीं आ रहा है। उड़न खटोले से उड़ने वाले मुख्यमंत्री और उनकी सरकार आमजनों की पीड़ा कब समझेगी? इस मुद्दे पर प्रदेश के भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच जमकर सियासी तीर चल रहे हैं।

भूपेश और रमन के बीच भी जुबानी जंग

सरोज पांडेय ने कहा था कि मरम्मत के बिना छत्तीसगढ़ की सड़कें कराह रही हैं और छत्तीसगढ़ियों की गाढ़ी कमाई के पैसे से कांग्रेस अन्य राज्यों में 'चुनावी प्रबंधन' कर रही है। उड़न खटोले से उड़ने वाले मुख्यमंत्री और उनकी सरकार आमजनों की पीड़ा कब समझेगी? वहीं सीएम भूपेश बघेल ने इसका जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि इससे पहले राज्य में भाजपा की सरकार थी। सड़कों का घटिया निर्माण उसी ने किया। 3 साल में सड़कें बदहाल हो गई। सड़कों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। रमन सिंह को जवाब देना चाहिए। सीएम के इस बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। रमन ने प्रेस कांफ्रेंस कर बस्तर संभाग के 12 और सरगुजा संभाग के 14 विधानसभा क्षेत्रों और सीएम भूपेश बघेल के पाटन विधानसभा में खर्च राशि का ब्यौरा मीडिया से साझा किया था।

भाजपा ने बताया मातृ शक्ति का अपमान

सासंद के इस सड़क वाले वीडियो पर गृह और पीडब्लूडी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने 30 सितंबर को विवादित बयान देते हुए कहा था कि सरोज पांडेय अपना चार्मिंग फेस दिखाते वीडियो बनाती हैं। कभी हमारी चिकनी सड़क का भी वीडियो बनाएं। इस बयान के बाद प्रदेश में जमकर विवाद बढ़ गया है। भाजपा ने इसे महिला अपमान से जोड़ते हुए गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से इस्तीफे की मांग कर डाली। सोमवार को सरोज पांडेय ने कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिख कर नवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि मातृ शक्ति के आराधना के महापर्व पर आपको एक महिला और एक बेटी की मां होने के नाते पत्र लिखने को मजबूर हो गई हूं। उन्होंने लिखा कि आपके मंत्री ने भाषा की मर्यादा को लांघा है। उनसे आपको तुरंत इस्तीफा लेना चाहिए।

36 लाख रुपए के लिए 15 साल पुराने दोस्त की किडनैप कर हत्या

डीजल से नहीं जला शव तो 3 लीटर पेट्रोल डालकर लगाई आग

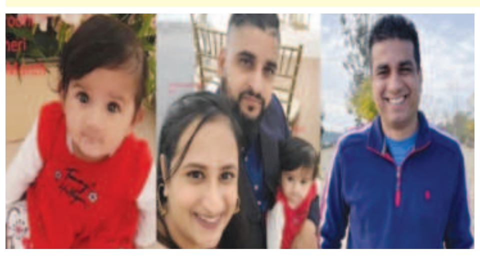

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक 15 साल पुराने दोस्त की 36 लाख रुपए के लिए हत्या की गई है। मामला वेस्ट दिल्ली के जनकपुरी थाना इलाके का है। मृतक की उम्र 59 साल थी और उसे पहले किडनैप किया गया था, फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। बाद में शव को ग्रेटर नोएडा में एक गांव के पास नाले में ले जाकर जलाने की कोशिश की गई। जब शव डीजल से नहीं जला तो सिकंदराबाद से 3 लीटर पेट्रोल लाया गया और फिर उसे जलाया गया। वेस्ट दिल्ली के डीसीपी घनश्याम बंसल के मुताबिक, मृतक की पहचान असित सानियाल (59) के रूप में हुई है। वहीं हत्या करने वाले दोस्त का नाम अनिल (44) है। इस हत्या में अनिल का भांजा विशाल भी शामिल था, ऐसी खबर सामने आई है। पुलिस ने विशाल को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है मृतक असित का बैकग्राउंड

असित जनकपुरी सी-2 ब्लॉक के निवासी थे और आरडब्ल्यूए के जनरल सेक्रेटरी भी थे। उनके साथ छोटा भाई अमित भी रहता था और दोनों भाइयों ने शादी नहीं की थी। अमित की कोरोना काल में मौत हो चुकी है और उसी के इंश्योरेंस के करीब 36 लाख रुपए इस साल जुलाई में असित के अकाउंट में क्रेडिट हुए थे। वहीं हत्या का आरोपी अनिल दिल्ली के सागरपुर का और उसका भांजा विशाल यूपी का रहने वाला है।

कौन है हत्या का आरोपी अनिल

मिली जानकारी के मुताबिक, अनिल एक बिल्डर है और वह कोरोना में हुए घाटे की भरपाई की फिराक में था। अनिल की असित से 15 साल की दोस्ती थी और अनिल को पता था कि असित के अकाउंट में 36 लाख रुपए आए हैं। अनिल ने किसी तरह फोन के इस्तेमाल से असित के अकाउंट से 15 लाख रुपए निकाल भी लिए थे। लेकिन वह पूरा पैसा साफ करना चाहता था। इसीलिए अनिल ने अपने भांजे के साथ मिलकर असित की हत्या करने की साजिश रची। 19 सितंबर को अनिल अपने भांजे के साथ असित को अपनी गाड़ी में घुमाने ले गया और रास्ते में असित की गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए वह उसे ग्रेटर नोएडा के एक गांव में ले गए।

भाजपा नेता के रिसॉर्ट में स्वीमिंग पूल वाली गरबा पार्टी

मुस्लिमों के मिलने पर हंगामा; पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

श्योपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के श्योपुर शहर के शिवपुरी रोड इलाके में संचालित भाजपा नेता के रिसॉर्ट पर की जा रही गरबा पार्टी में दो दर्जन से अधिक मुस्लिम युवक-युवतियों के मस्ती करने की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने हंगामा खड़ा कर दिया। इस पार्टी को उन्होंने संस्कृति के खिलाफ बताकर एक मुस्लिम युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी आलोक कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर रिसॉर्ट संचालक और गैर हिंदू युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की, जिसके बाद पुलिस ऐक्शन में आई। भाजपा नेता के रिसॉर्ट पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिसॉर्ट को पुलिस ने सील किया और अनुमति मिले बगैर संचालित न करने की हिदायत दी। बता दें कि यह रिसॉर्ट भाजपा के जिला उपाध्यक्ष जुगल किशोर का है। बिना अनुमति के इस रिसॉर्ट के अंदर गरबा का प्रोग्राम संचालित किया जा रहा था। साथ ही वहां मौजूद लोगों को लोगो को टिकट के जरिए पार्टी और स्विमिंग पूल में नहाने की छूट भी दी गयी। हिंदूवादी संगठन मातृशक्ति संयोजिका की प्रांतीय संयोजक अनीता सिंह सिकरवार का आरोप है कि इस रिसॉर्ट में नवरात्रि पर गरबा महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था, जिसमें गैर हिंदुओं को प्रवेश नहीं था, फिर भी रिसॉर्ट में दो दर्जन से अधिक गैर हिंदू युवकों को प्रवेश दिया गया। संस्कृति के खिलाफ राजाराम रिसॉर्ट में पूल पार्टी आयोजित कराई गई और उसमें युवक- युवतियां एक साथ स्विमिंग पूल में मस्ती कर रहे थे। इनमें युवतियों के बीच दो दर्जन से अधिक मुस्लिम युवकों को भी रुपये के लालच में प्रवेश दिया गया। इस पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताकर रिसॉर्ट संचालक और अन्य दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस मामले में लगातार हो रहे विरोध को लेकर पुलिस ने भाजपा नेता और स्विमिंग पूल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	में	कन्या...	04-57 बजे
चंद्र-	मकर	में	तुला-	07-01 बजे
मंगल	वृष	में	वृश्चिक	09-12 बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	11-25 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	13-31 बजे
शुक्र-	कन्या	में	कुंभ-	15-21 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	17-00 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	18-36 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	20-20 बजे
			मिथुन..	22-21 बजे
			कर्क...	00-33 बजे
			सिंह...	02-45 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- उत्तर •धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी • **12-00** तक उपरान्त, एकादशी
मास • आश्विन शुक्ल पक्ष ,बुधवार, **05 Oct**
नक्षत्र •श्रवण • **21 -14** • रात तक,उपरान्त धनिष्ठा
योग • सुकर्मा **-08 • 20** • तक उप- धृति
करण- गर • **12 • 00** • तक,उप- वणिज
विशेष:- सरस्वती विसर्जन,शमी पूजा
व्रत -त्योहार • दशहरा विजयादशमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:04 से 13:33 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:10 - 07:37	शुभ	उत्पात	18:01 - 19:32	अशुभ
अमृत.	07:37 - 09:06	शुभ	शुभ	19:32 - 21:03	शुभ
काल.	09:06 - 10:35	अशुभ	अमृत	21:03 - 22:34	शुभ
शुभ	10:35 - 12:04	शुभ	चंचल	22:34 - 00:05	शुभ
रोग	12:04 - 13:33	अशुभ	रोग	00:05 - 01:35	अशुभ
उत्पात	13:33 - 15:03	अशुभ	काल	01:35 - 03:06	अशुभ
चंचल	15:03 - 16:32	शुभ	लाभ	03:06 - 04:37	शुभ
लाभ	16:32 - 17:58	शुभ	उत्पात	04:37 - 06:10	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवश्यकता है।बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है आपको यह जानना होगा। जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है।आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा। जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं।अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है। आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए।नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें। हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं।आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा। इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है।लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे।सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे।आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं।आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे।आपके लिए अब स्वास्थ्य सम्बन्धी मसले बहुत महत्वपूर्ण हैं

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी।यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें। इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा।आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यह समय दोस्तों के साथ हल्का फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है।कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें आप पार्टी की जान बने रहेंगे।इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा।आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है।आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे।आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे।अपनों को भी इनमे शामिल करें।आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कपडों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं।हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे।अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा।हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है।आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे। आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।ई

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

वृद्ध संत के साथ दबंगों ने किया अमानवीय कृत्य

पूजा-पाठ के बहाने बुला प्राइवेट पार्ट में डाला गिलास

राजगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में मानवता को शर्मनाक करने वाला मामला सामने आया है। यहां गांव के कुछ दबंग लोगों ने एक बुजुर्ग संत के साथ ऐसा अमानवीय कृत्य किया कि वह शर्म के मारे अपनी व्यथा किसी से कह भी न सका और तीन महीने से भी ज्यादा समय तक दर्द सहता रहा, लेकिन जब दर्द हद से ज्यादा बढ़ गया तो वह इलाज करान पहुंचा, जहां से उसे इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है। मामला राजगढ़ जिले के खिलचीपुर का है। बुजुर्ग संत ने बताया कि दो साल पहले उसने गांव वालों के साथ मिलकर यज्ञ कराने का फैसला किया था। धार्मिक अनुष्ठान के लिए लोगों से चंदा भी लिया गया था, जिसमें करीब सवा लाख रुपये मिले थे। लेकिन कोरोना महामारी के कारण यज्ञ का आयोजन नहीं हो सका। गांव के दबंगों ने चंदे के पैसे की जानकारी भी किसी को नहीं दी। करीब तीन महीने पहले संत लोगों के पास पहुंचा और यज्ञ कराने की बात कही, जिस पर दबंग भड़क उठे और उसके साथ मारपीट की। बाद में उसे एक स्टील के ग्लास पर बैठाया और ऊपर से दबा दिया। प्रेशर के कारण ग्लास संत के प्राइवेट पार्ट में जाकर घुस गया। पीड़ित बुजुर्ग शर्म के चलते दूसरे गांव में जाकर इलाज करा रहा था लेकिन उसे आराम नहीं मिला। शनिवार को वह जिला अस्पताल राजगढ़ में इलाज कराने पहुंचा तो यहां से उसे भोपाल के हमीदिया रेफर कर दिया गया। मामले में संडावता चौकी के एएसआई भदौरिया ने बताया कि 2 साल पहले संत ने गांव वालों के साथ मिलकर गांव में यज्ञ और पूजा-पाठ कराने का फैसला किया था। जिसके लिए उन्होंने चंदा भी इकठ्ठा कर लिया। यज्ञ का आयोजन हो पाता इससे पहले ही कोरोना आ गया। इस वजह से गांव में पूजा नहीं हो पाई। तीन महीने पहले संत उन लोगों के घर गए और उनसे दोबारा पूजा कराने के लिए कहने लगे। इसी बात से नाराज होकर 3 गांवों (अमावता, कछोटिया और हलाहेड़ी) के लोगों ने मिलकर उन्हें पीट दिया।

गहलोत बोले-15 दिन या महीनेभर पहले आएगा बजट

बाद में इलेक्शन में जाना है, हम चाहते हैं विपक्ष को हमारे खिलाफ मौका मिले

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गहलोत सरकार चुनावी साल का बजट इस बार जल्दी पेश करेगी। 15 दिन से 1 महीना पहले गहलोत विधानसभा में साल 2023-24 का चुनावी बजट पेश कर सकते हैं। CM गहलोत ने कहा- बजट फरवरी-मार्च में आता है। अबकी बार 15 दिन या 1 महीने पहले बजट आ जाए तो यह अलग बात है। अबकी बार बजट में देरी नहीं होगी, क्योंकि बाद में सबको इलेक्शन में जाना होता है । चाहे पक्ष हो या विपक्ष, सब चाहते हैं टाइम पर बजट आए और पूरा हो। हम भी चाहते हैं कि विपक्ष को भी हमारे खिलाफ बात करने का मौका मिले। डेमोक्रेसी है, वो

अपनी बात कहें, हम अपनी बात कहेंगे। हमारी उपलब्धियां बताएंगे। फैसला तो जनता करेगी। हम चाहेंगे कि हमारी सरकार रिपीट होकर वापस आए। मेरा अनुभव है जब-जब सरकार रिपीट नहीं हुई, तब तमाम योजनाओं को इम्प्लीमेंट करने में दिक्कत हुई है।

फरवरी की शुरुआत में आ सकता है 2023-24 का राज्य बजट

सीएम गहलोत के इस बयान से माना जा रहा है कि प्रदेश सरकार फरवरी के शुरूआती हफ्ते में सरकार बजट पेश कर सकती है। यह बजट युवाओं को समर्पित होगा। बेरोजगारों को नौकरी के लिए नई भर्तियों की घोषणा के साथ ही स्पोर्ट्स, हायर एजुकेशन, स्कूल एजुकेशन, होस्टल, कॉलेज समेत युवाओं और स्टूडेंट्स से जुड़ी कई घोषणाएं बजट में हो सकती हैं। इससे पहले गहलोत ने 23 फरवरी 2022 को साल 2022-23 का बजट पेश किया था। 24 फरवरी 2021 को साल 2021-22 का बजट और 20 फरवरी 2020 को साल 2020-21 का बजट पेश किया गया था।

गहलोत ने कहा- भारी बरसात के कारण सड़कें तहस-नहस हो गई हैं। अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं कि दिवाली तक सड़कों के रिपेयर और पैच वर्क का काम हो जाएगा तो लोगों को सुविधाएं मिलेंगी। आने वाले वक्त में बजट घोषणा पूरी होंगी।

गहलोत ने कहा-हम जो अगला बजट पेश करेंगे, वह युवाओं के लिए होगा। आज हमने इंस्ट्रक्शन दिए हैं कि युवाओं के लिए जो योजनाएं हैं, उनका इंप्लीमेंटेशन जल्दी हो। डिपार्टमेंट खुद पब्लिक इंटरेस्ट के सुझाव दें। राजस्थान युवाओं और छात्रों के लिए कैसे मॉडल स्टेट बन सके इस सोच के साथ बजट बने।

CM ने कहा- हमने किसानों के लिए प्रोविजन डबल कर दिए,बजट अलोकेशन डबल कर दिए, किसानों के लिए अलग बजट पेश किया तो उन्हें अच्छा लगा । उसी तरह आने वाला कल युवाओं का है। उनके लिए मैं क्या कर सकता हूं उस दिशा में हम लोग लगे हुए हैं। राजीव गांधी के नाम से जो ग्रामीण ओलंपिक हो रहे हैं उससे एक्स्ट्राऑर्डिनरी माहौल बना है। युवाओं को लगा कि सरकार हमारे लिए सोच रही है। स्पोर्ट्स सेक्टर में हम आगे बढ़ना चाह रहे हैं।

वैसे हम हर बार प्री-बजट मीटिंग करते हैं, लेकिन मैं प्रदेशवासियों से कहना चाहूंगा कि पब्लिक हमें बजट को लेकर सुझाव दे। पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों को लेकर हमारा फोकस है । प्रदेशवासियों से कहना चाहूंगा कि हमें सुझाव दें, हम उसको एग्जामिन करेंगे और जो संभव होगा वह हम लागू करने का काम करेंगे।

ओबीसी आरक्षण में खामियां

अपनी सरकार के खिलाफ उतरे एमएलए

कहा- 2018 से अब तक जितने पदों का नुकसान हुआ, उनके लिए संघर्ष करेंगे

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और बायतू से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने हाल ही राजधानी जयपुर में अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ ओबीसी आरक्षण को लेकर धरना दिया। वहीं, सरकार ने ओबीसी आरक्षण में 2018 में जारी हुए एक नोटिफिकेशन के चलते हुई गड़बड़ी को दूर करने के लिये प्रशासनिक आदेश जारी कर दिया है। लेकिन चौधरी अब भी लंबी लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अभी केवल प्रशासनिक आदेश जारी हुआ है, नियम नहीं बने हैं। नियम बनने पर विभिन्न भर्तियों मे 2018 से लेकर अब तक हुए पदों के नुकसान का आंकलन करके उन पर भी भर्ती करवाई जाएगी।

आज तेज बारिश में भीग सकता है रावण

धौलपुर, अलवर सहित 7 जिलों में बरसात का अलर्ट; 11 साल का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान से मानसून विदा हो चुका है। मौसम केंद्र ने बताया कि तीन अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर इस मानसूनी सीजन खत्म हो गया है। कल राजस्थान समेत उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात के आंशिक हिस्सों से मानसून की विदाई की घोषणा की गई। हालांकि, अब पोस्ट रेनफॉल की शुरुआत हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण दशहरा के दिन से प्रदेश के सात जिलों में तेज बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। वहीं, 96 दिन एक्टिव रहने के दौरान इस बार मानसून ने 11 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक भले ही मानसून की विदाई राजस्थान से हो गई हो, लेकिन नए वेदर सिस्टम का असर मंगलवार देर शाम से राजस्थान में देखने को मिल सकता है। भरतपुर संभाग के जिलों धौलपुर, करौली, भरतपुर में मौसम में बदलाव हो सकता है।

आसमान में बादल छाने के साथ हवाएं चल सकती हैं। मौसम केन्द्र जयपुर ने कल भरतपुर, अलवर, बारां, दौसा, धौलपुर, करौली और सवाई माधोपुर जिलों में आसमान में बादल छाने, बिजली चमकने और कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना जताई है। राजस्थान में इस बार मानसून 30 जून को (सामान्य से 8 दिन की देरी से) प्रवेश किया था। तब से राजस्थान में रुक-रुक कर लगातार बारिश का दौर चला।

अशोक गहलोत के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के बदले सुर

बोले- सचिन पायलट अभिमन्यु

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बसपा मूल के विधायक राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट के साथ षड्यंत्र रचा गया है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचेतक की बात नहीं मानने पर विधायक की सदस्यता चली जाती है। विधायक की सदस्यता खत्म करने का अधिकार जिन्हें है, उन्होंने साजिश रची है। मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने आज सचिन पायलट से मुलाकात की। बसपा से कांग्रेस में शामिल होकर मंत्री बने राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि मानेसर जाने वाले पांच विधायक मंत्री बन सकते है तो सचिन पायलट क्यों नहीं बन सकते हैं। ये दोगला नियम है। सरकार में मुख्य पोस्ट पर जो लोग बैठे थे, पायलट को धन्यवाद देता हूं कि उनकी इतनी गालियां सुनने के बाद भी धैर्य नहीं खोया, बर्दाश्त किया, उस बात को पी गया वह आदमी। उसके बाद बहुत बड़ा षड्यंत्र था।

खाचरियावास को बताया

मिलनसार

खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास की सचिन पायलट से मुलाकात पर मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि वह काफी मिलनसार व्यक्ति है। कॉलेज के दिनों से ही जानता हूं। उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से खाचरियावास के खिलाफ आक्रामक होकर बयान दे रहे थे। राजेंद्र गुढ़ा ने खाचरियावास को गब्बर सिंह और अमरीश पुरी तक कह दिया था। कल रात पायलट और खाचरियावास की मुलाकात के बाद राजेंद्र गुढ़ा खाचरियावास को मिलनसार व्यक्ति बताने लगे है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास हमेशा दिल से सचिन पायलट के साथ हैं। वहीं जब राजेंद्र गुढ़ा से मुख्यमंत्री को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि कल विजयदशमी है। बुराई पर अच्छाई की जीत होगी।

सचिन पायलट की इमेज खराब की

सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट की इमेज खराब करने की कोशिश की गई है। उनके पिता राजेश पायलट बड़े नेता थे।सचिन पायलट को बहुत छोटी उम्र में राजनीति में आना पड़ा। उन्हें पता था कि हमें इस आदमी की इमेज खराब करनी है। इसे खंडित करना है। अपने कुछ लोगों को इस आदमी के अंदर घुसाकर बहुत बड़ा षड्यंत्र करके पायलट की इमेज खराब की। इसमें वो काफी हद तक वे सफल भी हो गए।दूसरी तरफ मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से ने कहा कि सचिन पायलट मेरे घर आए तो कोई भजन कीर्तन नहीं हुआ है। सभी तरह की चर्चाएं हुई है। हम विधानसभा में एक ही टेबल पर बैठते हैं।

मंत्री खाचरियावास से घर जाकर मिले पायलट

दिन में गहलोत से खाचरियावास की मुलाकात

बोले-पायलट और मेरे बीच सब बातें हुई,क्या हुई यह नहीं बताऊँगा

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच चल रहे घमासान के बीच अब नेताओं की मुलाकातों से नई चर्चाएं छिड़ गई हैं। सचिन पायलट ने कल रात मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास के आवास पर पहुंचकर करीब सवा घंटे तक चर्चा की है। लंबे समय बाद सचिन पायलट प्रताप सिंह के सरकारी बंगले पर पहुंचे,जहां दोनों के बीच सियासी मुद्दों पर लंबा मंथन हुआ है। इस मुलाकात को लेकर मंत्री प्रतापसिंह खाचरयिावास ने कहा- मैं और सचिन पायलट विधानसभा में भी एक ही सोफे पर बैठते हैं। विधानसभा में जब बराबर बैठते हैं तो वहां भी बात होती रहती है। यह कहना गलत है कि हमारी आपस में चर्चा नहीं होती। अब पायलट साहब घर आ गए तो इसमें नई बात नहीं है,विधानसभा में तो मिलते ही हैं वहां भी बात होती रहती है। पायलट साहब आएंगे तो बातें तो होंगी ही,कोई भजन कीर्तन थोड़े ही करेंगे,सब बातें हुई हैं। लेकिन वे बताने की नहीं हैं। सचिन पायलट से लंबी मुलाकात के बाद आज दोपहर प्रतापसिंह खाचरयिावास ने सीएम अशोक गहलोत से मुलाकात की। दोनों मुलाकातों के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। खाचरियावास ने अपने बयान से यह साफ कर दिया है कि दोनों नेताओं के बीच मौजूदासियासी घटनाक्रम और सियासी बवाल पर भी चर्चा हुई है। ऐसे में इस मुलाकात को दोनों खेमों केबीच जारी कोल्ड वॉर के हिसाब से काफी अहम माना जा रहा है। सचिन पायलट के खिलाफ हाल के दिनों में प्रताप सिंह खाचरियावास मुखर होकर बयानबाजी कर रहे थे। उन्हीं खाचरियावास से उनके सरकारी बंगले पर जाकर सचिन पायलट का मिलना दोनों के बीच सियासी तल्खियों को कम करने और सियासी रिश्तों की बर्फ पिघलने से जोड़कर देखा जा रहा है। इसे गहलोत और पायलट खेमों के बीच तल्खी कम करने से भी जोड़ा जा रहा है। सचिन पायलट ने विधानसभा में भी विधायकों सेमुलाकात की थी, इससे पहले भी गहलोत खेमे के विधायकों से मिले थे, बीच में विधायक दल की बैठक के बाद सियासी बवाल बढ़ गया और पूरा नरेटिव ही बदल गया।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म

जोधपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के बिलाड़ा क्षेत्र में एक नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दो युवक दो दिन पूर्व एक कार में पंद्रह वर्षीय किशोरी को एक स्कूल के आगे से उठा कर ले गए। दो घंटे बाद बेहोशी की हालत में वापस छोड़ गए। किशोरी की मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान के आधार पर युवकों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एक महिला ने बिलाड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके 15 वर्षीय पुत्री को रविवार दोपहर एक प्राइवेट स्कूल के बाहर से दो युवक एक कार में उठा कर ले गए। पुत्री को कार में

एक जोधपुर रोड पर लेकर गए। एक युवक ने कार में ही मेरी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। मेरी पुत्री को दो घंटे बाद बेहोशी की हालत में छोड़ कर वे भाग निकले। घर पहुंच किशोरी ने अपनी मां को अपने साथ हुए घटनाक्रम की जानकारी दी। महिला का कहना है कि पुत्री की तबीयत खराब थी इस कारण मामला दर्ज कराने में विलम्ब हुआ। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म व अपहरण का मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सोनिया-राहुल गांधी की मुलाकात से निकलेगी राजस्थान के सियासी संकट की राह, दिल्ली से कर्नाटक शिफ्ट सियासी संकट

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में छाए सियासी संकट का हल अब कर्नाटक से होने के आसार है। सोनिया गांधी कर्नाटक पहुंच गई है। राहुल गांधी से मुलाकात होने की संभावना है। चर्चा है कि दोनों के बीच विभिन्न मुद्दों समेत राजस्थान को लेकर भी चर्चा हो सकती है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी कर्नाटक पहुंच गए है। आपको बता दें सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए सोनिया गांधी कर्नाटक के मैसूर पहुंचीं है। सोनिया गांधी का यहां करीब 4 दिन ठहरने का कार्यक्रम है। राजस्थान में

मुख्यमंत्री को लेकर कांग्रेस को फैसला करना है, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा के चलते केसी वेणुगोपाल तीन दिन से कर्नाटक में है। अब सोनिया गांधी भी कर्नाटक के मैसूर पहुंच गई है। चर्चा है कि दोनों मां-बेटे की मुलाकात होना है। मुलाकात में राजस्थान पर फैसला हो सकता है। गहलोत रहेंगे या पायलट को मिलेगी कमान। कांग्रेस के लिए गहलोत के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ने और मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ने जैसा मुद्दा चिंताजनक बना हुआ है।

गहलोत गुट ने दी है आलाकमान को सीधी चुनौती

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि गहलोत गुट के विधायकों ने सीधे तौर पर आलाकमान को चुनौती दे रखी है। सीएम गहलोत के माफी मांगने के बावजूद भी विधायक दल की बैठक की बहिष्कार की घोषणा से कांग्रेस आलाकमान नाराज दिखाई दे रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विधायक दल की बैठक के बहिष्कार करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो कार्यकर्ताओं में संदेश ठीक नहीं जाएगा। राजस्थान का मसला सीधे तौर पर पार्टी आलाकमान की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। गहलोत समर्थक विधायकों का कहना है कि हमें पायलट मंजूर नहीं है। 102 विधायकों में से किसी को भी मुख्यमंत्री बना दीजिए। गहलोत समर्थकों का आरोप है कि अमित शाह से हाथ मिलाने वाले सचिन पायलट को राजस्थान की कमान सौंपी जाती है तो कांग्रेस का पंजाब जैसा हाल हो जाएगा। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना ने दो टूक कहा कि मध्यावधि चुनाव मंजूर है, लेकिन पायलट मंजूर नहीं है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राजस्थान के मसले को सुलझाने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की अब तक अहम भूमिका रही है। वर्ष 2020 में सचिन पायलट की बगावत के समय सुलह कराने में प्रियंका गांधी ने अहम भूमिका निभाई थी। राजस्थान के सियासी संकट पर अभी तक प्रियंका गांधी ने चुप्पी साधे रखी है। प्रियंका के अगले कदम पर निगाह टिकी हुई है। बताया जा रहा है कि परदे के पीछे प्रियंका गांधी राजस्थान के सियासी संकट का समाधान को तोड़ निकालने के लिए प्रयासरत है। सचिन पायलट के दिल्ली दौरे के दौरान राजीव शुक्ला के घर प्रियंका से मुलाकात की खबरें भी चली थी, हालांकि, राजीव शुक्ला ने खंडन किया था।

बीजेपी बूथों तक पहुंची, कांग्रेस में जिलाध्यक्ष तक नहीं

2023 चुनाव के लिए राजस्थान में गुजरात मॉडल पर बीजेपी की तैयारी, कांग्रेस गुटबाजी में उलझी

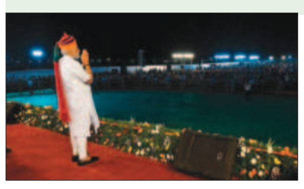

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनाव अब नजदीक हैं। अब से ठीक एक साल बाद 2023 में अक्टूबर के महीने में चुनावों के लिए आचार संहिता लागू हो जाएगी। ऐसे में कांग्रेस और बीजेपी दोनों की नजर राजस्थान पर है। कांग्रेस के नेता लगातार जहां सरकार रिपीट करने की बात कर रहे हैं। वहीं बीजेपी भी सितम्बर के एक ही महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को राजस्थान में लाकर चुनावी मोड एक्टिवेट कर चुकी है।

राजस्थान सबसे बड़ा कांग्रेस शासित राज्य है। ऐसे में कांग्रेस इसे खोना नहीं चाहती और बीजेपी हर हाल में 2023 में राजस्थान में लौटना चाहती है। मगर इस चुनाव को लेकर जब दोनों पार्टियों की तैयारियों और उनके रिपोर्ट कार्ड पर नजर डालते हैं तो स्थितियां बिलकुल विपरीत नजर आती हैं। चुनाव के दौरान परिस्थितियां और परिणाम क्या होंगे कोई नहीं जानता। मगर आज के हालातों में बीजेपी की तैयारी कांग्रेस के मुकाबले काफी बेहतर नजर आती है। बीजेपी एक तरफ जहां बूथ स्तर तक खुद को मजबूत करने में लगी है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेसी आपसी कहल से नहीं उबर पा रही है। यही वजह है कि कांग्रेस में अबतक पूरे प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष तक नियुक्त नहीं हो सके हैं। वहीं जिला स्तर की कार्यकारिणी तो अभी दूर की कोड़ी नजर आती है। राजस्थान के वर्तमान राजनीतिक हालातों को ध्यान में रखते हुए नजर डालते हैं दोनों पार्टियों की ग्राउंड रियलिटीज पर। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का प्रदेशाध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल पूरा होने वाला है। मगर बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल लोकसभा चुनाव 2024 तक के लिए बढ़ गया है।

19 साल की मेंटली चैलेंज्ड लड़की से किया रेप

अलवर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर में इसी साल 11 जनवरी को मूक-बधिर लकड़ी रेलवे पुलिया पर लहूलुहान मिली। इस मामले का खुलासा आज तक अलवर पुलिस नहीं कर सकी कि जिले के नौगांवा थाना इलाके में फिर मूक-बधिर और मेंटली चैलेंज्ड 19 साल की लड़की को पड़ोसी 60 साल के बुजुर्ग ने हवस का शिकार बना दिया।

आरोपी ने वारदात 2 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे की। उस वक्त लड़की की मां खेत पर गई हुई थी। घर में लड़की अकेली थी। पड़ोसी मौका देखकर घर में घुसा और लड़की से रेप किया। मां लौटी तो उसे बेटी के कपड़े अस्त व्यस्त मिले। अनहोनी की आशंका के चलते उसने पड़ोसियों से पूछा तो जानकारी मिली कि पड़ोसी घर में घुसा था। बेटी को लेकर मां सीधे थाने पहुंच गई। पूछताछ में आरोपी ने भी कबूल कर दिया कि उसने वारदात की है।

पीड़िता का मेडिकल कराया जा चुका है जिसमें रेप की पुष्टि हुई है। मंगलवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। जहां उसे रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया गया है।

रेप पीड़िता मूक-बधिर होने के कारण कोर्ट में 164 व 161 के बयान नहीं दे सकती। उसे न सुनाई नहीं देता और न बोल सकती है। वह मानसिक तौर पर भी 80 परसेंट चैलेंज्ड है। ऐसे मामलों में कोर्ट में पीड़िता के परिजन व गवाह के बयान ही माने जाते हैं। बाकी मेडिकल रिपोर्ट के साक्ष्य अहम होते हैं। DSP कमल प्रसाद ने बताया कि इस मामले में आरोपी ने पुलिस के सामने यह गंदी करतूत करना

स्वीकार कर लिया है। अब मेडिकल रिपोर्ट सामने आने पर उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

60 साल की उम्र, पोतियां भी हैं

आरोपी की उम्र 60 साल है। आरोपी पीड़िता का पड़ोसी होने के कारण उसकी पहचान उजागर नहीं की जा सकती। आरोपी के 4 बेटे, 3 बेटियां, 4 पोते और 2 पोतियां हैं। रेप पीड़िता की उम्र आरोपी के पोते-पोतियों के आस-पास की है। आस-पास के लोगों में भी इस घटना के बाद रोष है। वे कह रहे हैं भरे-पूरे परिवार वाले आरोपी ने नवदुर्गा पूजा के वक्त कमजोर बच्ची के साथ घिनौती वारदात को अंजाम दिया।

रात में पापड़ मांगे, सुबह होटल के बाहर मिली डेडबॉडी

भरतपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर के अटलबंद थाना इलाके के आरएमबी होटल के कमरे में ठहरे एक युवक की मौत हो गई। युवक का शव सुबह होटल के पीछे पड़ा मिला। युवक रात को ही होटल में आया था। युवक जिस कमरे में रुका था उसका गेट अंदर से बंद मिला। युवक हरियाणा के कैथल का रहने वाला था।

होटल में काम करने वाले युवक ने बताया कि रोहित कक्कड़ नाम का 32 साल का युवक आरएमबी होटल में रात 8 बजकर 30 मिनट पर आया था। रोहित अक्सर होटल में आता रहता था। उसने कल एक कमरा मांगा, जिसे कमरा नंबर 204 दे दिया गया। रोहित ने होटल के कर्मचारियों से रात को दो पापड़ मंगवाए और उसके बाद उसने खाना मंगवाया।

10 बजे होटल बंद हो जाता है। जिसके बाद सभी कर्मचारी सो गए। सुबह करीब 4 बजे होटल के पास के मंदिर का महंत दो पुलिसकर्मियों के साथ आया। उसने होटल के गेट की वेल बजाई। गेट खोला तो महंत ने बताया कि होटल के बाहर कोई व्यक्ति पड़ा हुआ है। देखा तो वह रोहित था। उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

वहीं अटलबंद थाना अधिकारी का कहना है कि सुबह सूचना मिली थी कि आरएमबी होटल में रुके हुए युवक रोहित की मौत हो गई है।

महिलाओं के विकास में पूरा सहयोग करेंगे : सबिता

अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने पहाड़ीशरीफ पुलिस स्टेशन में अल्पसंख्यकों वर्ग की कमजोर महिलाओं को सिलाई कक्षाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया है। राचकोंडा सुरक्षा परिषद (आरकेएससी) और जिला ग्रामीण विकास एजेंसी रंगारेड्डी जिले के सहयोग से रचकोंडा कमिश्नरी द्वारा यह अभिनव कार्यक्रम शुरू किया गया है। मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने राचकोंडा पुलिस और आरकेएससी की सामाजिक पुलिसिंग परियोजनाओं की सराहना की। आरकेएससी, पुलिस आयुक्त महेश एम भागवत के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में पहाड़शरीफ में महिलाओं के लिए आजीविका का साधन शुरू किया। सभा को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि, मंत्री सुश्री सबिता इंद्र रेड्डी ने कहा कि वह महिलाओं के विकास में अपना पूरा सहयोग देगी। उन्होंने शहर के इस हिस्से को समाज की मुख्य धारा में शामिल होते देख प्रसन्नता व्यक्त की और अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। सभा को संबोधित करते हुए सीपी महेश भागवत आईपीएस ने कहा है कि इस मुद्दे को जमीनी स्तर पर मिटाना होगा और इस तरह के आत्म-सक्षम कार्यक्रम आत्मविश्वास पैदा करेंगे। उनकी कमाई क्षमताओं को सक्षम करेंगे और आत्मनिर्भर होंगे। पहाड़ीशरीफ और बालापुर क्षेत्रों में रचकोंडा पुलिस आयुक्तालय की सीमा में, अधिकांश लोग गरीबी रेखा से नीचे रहे, जिससे कई सामाजिक कुरीतियाँ पैदा हुई। नि: शुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम "शी युग" का उद्देश्य गरीब बेरोजगार महिलाओं को उनके सामने आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर करने और उनके उत्थान के लिए समर्थन करना है। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय ने इस प्रशिक्षण के लिए जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (रंगारेड्डी जिला) के साथ सहयोग किया है और 50 प्रशिक्षण के पहले बैच में महिलाएं इस अवसर का उपयोग करने जा रही हैं। प्रशिक्षण दो महीने के लिए दिया जाएगा जिसमें कक्षा सत्र और व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों शामिल हैं, जिसके बाद प्रमाण पत्र प्रदान करने से पहले डीआरडीए द्वारा एक परीक्षा ली जाएगी। सुश्री शेख सलीमा डीसीपी शी टीम्स, इस पहल के पीछे रीढ़ की हड्डी थीं। उन्होंने सभी महिलाओं को अनुशासन का पालन करने और उच्च लक्ष्य को सफल बनाने के सुनहरे अवसर का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। सतीश वदलमणि, महासचिव, आरकेएससी, ने उल्लेख किया कि इस तरह की पहल समाज के विकास में बहुत आगे तक जाएगी, जिससे व्यक्तियों को कौशल और ज्ञान के साथ सशक्त बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर, वित्तीय स्वतंत्र और टिकाऊ बनाने में मदद मिलेगी। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रज्वाला की सह-संस्थापक डॉ सुनीता कृष्णन ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और महिलाओं को अवसर का लाभ उठाने और अपने कौशल को बढ़ाने और विकास की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सनप्रीत सिंह डीसीपी एलबी नागर, पुरुषोत्तम रेड्डी एसीपी वनस्थलीपुरम, वाई सुदर्शन नगर अध्यक्ष, बलराज, डीपीएम डीआरडीए रंगारेड्डी जिला, आरकेएससी महिला मंच संयुक्त सचिव लता रामसुब्रमण्यम, अर्चना मन्ने, शिव कराडी मार्गदर्शी आदि उपस्थित रहे।

एक शाम श्री करणीमाताजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारसिंगी श्री कृष्णा गौशाला स्थित राजपुत समाज हैदराबाद के तत्वावधान में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर एक शाम श्री करणीमाताजी के नाम आठंवा विशाल जागरण व महाप्रसादी आयोजित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में समाज के भंवरसिंह गेहलोत ने बताया कि हर वर्ष के भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर एक शाम करणीमाताजी के नाम जागरण व महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमे शंकर टॉक एंड पार्टी ने माँ करणी के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम में पधारे राजपूत समाज के रामसिंह चौहान, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का विशेष सम्मान किया गया। इसमें समाज बन्धुओं ने गौसेवार्थ दान-पुण्यकर सपरिवार, नाचते-गाते हुए लाभ लिया। राजपूत समाज बन्धुओं ने कार्यक्रम में पधारे भक्तों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए नवरात्रि महोत्सव की शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गोविन्दसिंह, आनंदसिंह, खीमसिंह, उम्मेदसिंह, मूलसिंह, भोमसिंह, नरेन्द्रसिंह, चन्द्रसिंह, श्रवणसिंह, जसवन्तसिंह, गजेन्द्रसिंह, भंवरसिंह बूमड़ी, मोहनसिंह, लक्ष्मणसिंह, नरपतसिंह व समाज के सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

श्री आशापुरा माताजी का तृतीय विशाल जागरण आयोजित

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आशापुरा माताजी का तृतीय विशाल जागरण बेगम बाजार में मनाया गया। राजस्थान से आए भजन गायक जोग भारती एंड गीता गोस्वामी ने बहुत ही सुरीली आवाज में भजन सुनाए। दिल्ली से मास्टर चंदू की टीम ने बहुत ही सुंदर मनमोहक झांकियों का प्रदर्शन किया। जागरण के मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, गोशामहल के टीआरएस प्रभारी प्रेम सिंह राठौड़, डॉक्टर भगवंत राव, वरिष्ठ टीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल, गोविंद राठी, शंकर यादव, राकेश जायसवाल, आनंद कुमार गौड, मुकेश सिंह, गुलाब सिंह और अने उदय सिंह चौहान ने बताया कि माता जी का जागरण हर साल की तरह इस साल भी धूमधाम से मनाया गया।

हजारों की संख्या में भाई और बहनों ने जमकर भाग लिया और माता जी के दर्शन किए। इस अवसर पर उदय सिंह चौहान, गंगा सिंह, गोपाल सिंह, शैतान सिंह, मंगल सिंह, महेंद्र सिंह, भबुत सिंह, राम सिंह, रणजीत सिंह, दीप सिंह, संतोष कुमार दवे, किरण कुमार, बाबू सिंह और सभी मित्र मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

मदनूर स्थित कालिका देवी मंदिर परिसर में यज्ञ का आयोजन किया गया। इस मंदिर के भारी भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अपराध को रोकने के लिए सभी कदम उठाने चाहिए : स्टीफन रवीन्द्र

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र ने अपराध नियंत्रण, पुलिस जांच प्रक्रियाओं आदि पर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में डीसीपी, एसीपी, एसएचओ, डीआई, एसआई, डीएसआई, ब्लू कोल्ट, पेट्रोल मोबाइल, सीसीएस, साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र के तहत सभी क्षेत्रों के सभी पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में साइबराबाद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस थानों के कर्मियों ने अपराध विश्लेषण, अपराध आकलन, अपराधों को कैसे रोका जाए और अपराधों की संख्या को कम करने के लिए गश्त कैसे की जाए, इस पर चर्चा की। इस मौके पर सीपी ने कहा कि अपराध को होने से रोकने के लिए सभी को अनिवार्य कदम उठाने चाहिए। उन्होंने उनसे अपराधों पर शीघ्र कार्रवाई करने, मामला दर्ज करने और गुणवत्ता जांच को शीघ्रता से पूरा करने का आग्रह किया। अपराध के हॉट स्पॉट को कैसे नियंत्रित करें, अपराध संभावित क्षेत्रों, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान करें और विभिन्न अनुप्रयोगों के माध्यम से अपराध को नियंत्रित करने के लिए निवारक उपाय करें। सेक्टर डीआई, डीएसआई, सेक्टर एसआई और पुलिस थानों में अपराध कर्मचारियों को प्रत्येक थाने में अपराध नियंत्रण के लिए अपनाए जाने वाले अपराध रोकथाम पहलुओं, मूल कारण विश्लेषण, रिपोर्ट विश्लेषण के बारे में जानकारी दी गई।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ व पूर्णाहुति कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, सचिव हीरालाल सैंणचा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

टीटीडी अध्यक्ष ने कनक दुर्गा मंदिर में पट्टू वस्त्र भेंट किए

तिरुमाला, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवरात्रि उत्सव के प्रसाद के रूप में टीटीडी के अध्यक्ष वाई वी सुब्बा रेड्डी ने मंगलवार को विजयवाड़ा में श्री कनक दुर्गा मंदिर में रेशमी कपड़े भेंट किए।

टीटीडी अध्यक्ष और उनकी पत्नी का पारंपरिक रूप से मंदिर की ईओ श्रीमती भ्रामराम्बा और अन्य अधिकारियों और अर्चकों द्वारा स्वागत किया गया। बाद में उन्होंने आधिकारिक प्रसाद प्रस्तुत किया और श्री कनक दुर्गम्मा के दर्शन किए। इस अवसर पर बोलते हुए टीटीडी अध्यक्ष ने कहा कि एपी सीएम वाईएस जगनमोहन रेड्डी के निर्देश पर टीटीडी ने सभी विशेषाधिकार प्राप्त दर्शन रद्द कर दिए हैं और आम भक्तों को पूर्ण प्राथमिकता दी है और विजयवाड़ा मंदिर में भी ऐसा ही किया गया था।

बोइनपल्ली खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में अंरराष्ट्रीय दिग्गज खिलाड़ी मेरी लक्ष्मण रेड्डी का सम्मान किया गया। छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एल. सुरेश, चंद्रशेखर, गणेश, विजय, नरसिंग, आर. प्रभु आदि उपस्थित रहे।

आम नागरिक भी करा सकेंगे टीएसआरटीसी अस्पताल में इलाज

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बस सेवाओं को नागरिकों के करीब लाने के प्रयासों के बाद, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने अब अपनी चिकित्सा सेवाओं को आम जनता के लिए भी खोल दिया है। तारनाका और अन्य औषधालयों में निगम का अस्पताल अब अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के अलावा अन्य लोगों की लागत प्रभावी चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करेगा। पूरे शरीर के पैकेज, दिल की जांच और दवाओं पर छूट और विभिन्न प्रकार के प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए आकर्षक ऑफर दिए जा रहे है। अब तक टीएसआरटीसी की बसें आम जनता की सेवा में थीं।

अश्विन मास शारदीय नवरात्र पर माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर की अध्यक्षा अरुणा गुप्ता कन्या पूजन किया। इस अवसर पर कई कन्याओं का सम्मान किया गया।

फर्जी कस्टमर केयर कॉल सेंटर का खुलासा

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम पुलिस, डिटेक्टिव सेक्शन ने फर्जी कस्टमर केयर कॉल सेंटर चलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी मो, सलीम और मोहम्मद अरिफात कुर्मा नगर, रामंतापुर, हैदराबाद में फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे। एसीपी केवीएम प्रसाद ने बताया कि मोहम्मद सलीम और मोहम्मद आरिफ ने संयुक्त रूप से हैदराबाद, मुंबई, नोएडा, विजाग, बैंगलोर और भारत के कुछ स्थानों में कुछ महशूर ब्रांडों के नाम से नकली गूगल मैप्स बनाए। उनके स्थानों के विज्ञापन अपलोड किए गए थे। उन्हें गूगल में खोजे जाने

पर पहले विकल्प में प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया था, जिससे कॉल को उनके नंबरों पर निर्देशित किया गया था। इन सभी कॉलों को प्राप्त करने के लिए लगभग (555) फोन उनके फर्जी कॉल सेंटर में स्थापित किए गए थे और उनमें लगभग 1000 सिम कार्ड का इस्तेमाल किया गया था। ये मोबाइल नंबर गूगल मैप्स में अपलोड किए गए थे। रामंतापुर में ब्रांडेड कंपनियों के नाम से एक नकली सर्विसिंग सेंटर मौजूद था। ग्राहकों का फोन आने के बाद आरोपित किराए के कुछ तकनीशियनों को ग्राहकों के पास भेज देते थे। वे ग्राहकों को मूल ब्रांड सेवा केंद्र के कर्मचारी बनकर ग्राहकों को धोखा देते थे। ऐसे ग्राहकों से प्रत्येक मरम्मत के लिए 2500 से 5000 रुपए का शुल्क वसूलते थे। यह मूल कॉल सेंटरों द्वारा लिए जाने वाले मूल्य से 30 से 40 फीसदी अधिक है। गिरफ्तार लोगों के पास से बेसिक मोबाइल फोन 555, 2 स्मार्ट फोन और 1 हजार सिम कार्ड मिले है।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी सोसायटी द्वारा आयोजित 50वीं रामायण मेले के अंतर्गत गरबा-डांडिया के समापन पर अतिथि के रूप में पधारे वरिष्ठ भाजपा नेता व सांसद डॉ. के. लक्ष्मण। साथ में हैं मेले के संयोजक गोविंद राठी, गिरीधारीलाल डागा, मनोज जायसवाल, सुमीत राठी, कमलनारायण अग्रवाल व अन्य।

नवरात्रि के उपलक्ष्य में श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री पहाडी श्याम मंदिर, महिंद्रा हिल्स में महाचंडी यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमे भाग लेते हुए परामर्शदाता अरुण डाकोलिया, मंजू डाकोलिया, प्रवीण अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, महेश सिंघानिया, राहुल अग्रवाल, ब्रिजेश मोदी व अन्य।

लाल चंदन की तस्करी करने वाला अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम, हैदराबाद ने कंचनबाग पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों के समन्वय के साथ एक अंतरराज्यीय रेड सैंडर्स तस्करी गिरोह का पता लगाया। इस कार्रवाई के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और करीब 500 किलोग्राम वजनी लाल चंदन की लकड़ी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में शेख अब्दुल्ला निवासी कडपा, एपी, मुजाहिद्दीन कडपा, एपी, इनायत खान, निवासी कलवाकुर्ती, नागरकुर्नूल, अब्दुल खादर, निवासी कलवाकुर्ती, नागरकुर्नूल शामिल है। इस मामले में एक आरोपी रवि चंद्र फरार है। संयुक्त पुलिस आयुक्त, सीएआर मुख्यालय, हैदराबाद कार्तिकेय ने बताया कि मुख्य आरोपी शेख अब्दुल्ला ने कई कारोबार किया। सभी में घाटा लगा। उसने अपना घाटा पूरा करने के लिए लाल चंदन की तस्करी से पैसा कमाने की योजना बनाई। उसने इस काम तीन अन्य लोगों को शामिल कर लिया।

पुलिस को सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य मिधानी बस डिपो, कंचनबाग के पास ग्राहक को लाल चंदन का नमूना दिखाने के लिए हैदराबाद आए थे। इस दौरान कमिश्नर की टास्क फोर्स, साउथ जोन की टीम ने कंचनबाग पुलिस के साथ मिलकर सभी आरोपियों को पकड़ लिया और वन अधिकारियों के समन्वय से लाल चंदन के लट्ठे जब्त कर लिए। गिरफ्तार आरोपितों और जब्त संपत्ति को आगे की जांच के लिए एसएचओ कंचनबाग को सौंप दिया।

कोठी जैन मंदिर, सुल्तान बाजार में आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में भाग लेते हुए लायन प्रेसिडेंट शील कुमार, अनूप जैन, अजय नाहटा, लिओ तनिशा जैन, सीमा शील कुमार जैन, जगदीश व रमना। इस दौरान लगभग 126 लोगों को खाना खिलाया गया।

लक्सर अपारमेंट, कोंडापुर में नवरात्रि उत्सव के समापन पर डांडिया और गरबा का उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम के सफल में आयोजन समिति की सदस्या श्रीमती सुधा कुमार, अंकिता आनंद, कविता कुलकर्णी एवं नव्या सना का विशेष योगदान रहा।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ व पूर्णाहुति कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, केराराम सिन्दड़ा, नारायणलाल बर्फा, भंवरलाल काग, प्रेमकुमार पंवार, सोहनलाल परिहार, पूर्व अध्यक्ष चेनाराम चोयल, भाजपा युवा नेता सुनिलकुमार सीरवी, कालुराम काग, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

CLASSIFIEDS

WANTED

WANTED Physical Science, Maths, Deeniyath, Lady Teachers for High and Primary School. Deserving Salary will be given. Contact: Anjuman High School (E/M), Musheerabad, Hyd. Ph: 9032643625, Email: atces1970@gmail.com (Ro.No.2745335)

LOSS OF PASSPORT

I, B.Padmanabham S/o.Ramnarsaiah, R/o. F.No.102, Sri Laxmi Balaji Residency, Peerzadiguda, Medchal-Malkajgiri Dt, T.S. While I am Relocating our House I lost my Passport Bearing No.A4289543. If anyone found plz cont: 8885809000. (Ro.No.2745336)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एशिया कप में महिला टीम की हैट्रिक जीत

यूएई को 104 रन से हराया, जेमिमा ने खेली 75 रन की धमाकेदार पारी

एशिया कप 2022 में भारतीय टीम ने जीत के साथ आगाज किया था। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहले मुकाबले में 41 रन से जीत दर्ज की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने श्रीलंका को 151 रन का टारगेट दिया था। चोट के बाद वापसी करने वाली जेमिमा रोड्रिगेज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 53 बॉल पर 76 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके और 1 छक्का निकला था। उनका स्ट्राइक रेट 143.39 का रहा। इनके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर के बल्ले से 30 गेंद में 33 रन निकले थे। उन्होंने 2 चौका और 1 छक्का लगाया था। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 18.2 ओवर में 109 रन पर ऑल-आउट हो गई।

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में खेले जा रहे महिला एशिया कप में टीम इंडिया ने तीसरी जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने बुधवार को यूएई को 104 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 178 रन बनाए थे। जवाब में यूएई की टीम 20 ओवर में सिर्फ 74 रन ही बना पाई। इस मुकाबले में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर नहीं खेल रही थी। उनकी जगह पर स्मृति मंधाना को कमान सौंपी गई थी। इससे पहले मैच में भारत श्रीलंका और दूसरे मैच में मलेशिया को हराया था।

भारत के लिए जेमिमा रोड्रिग्ज ने नाबाद 75 और दीप्ति शर्मा ने 64 रन की पारी खेली। महिला

दोनों टीमों की प्लेइंग-11 भारतः सब्बिनेनी मेघना, स्मृति मंधाना (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), किरण नवगिरे, जेमिमा रोड्रिग्ज, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़।

यूएई : थीर्थ सतीश (विकेटकीपर), ईशा रोहित ओझा, कविशा इगोडागे, नताशा चेरियथ, छाया मुगल (कप्तान), खुशी शर्मा, प्रियांजलि जैन, समायरा धरणीधरका, वैष्णव महेश, माहिका गौर, सुरक्षा कोट्टे।

हेटमायर वेस्टइंडीज की टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर

समय पर फ्लाइट नहीं पकड़ सके; ब्रूक्स को मिला मौका

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2 बार की वर्ल्ड चैंपियन वेस्टइंडीज के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज शिमरन हेटमायर टी-20 वर्ल्ड कप की टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शमर ब्रूक्स को मौका दिया गया है। दरअसल, हेटमायर समय पर फ्लाइट नहीं पकड़ सके। टीम ने मंगलवार को उड़ान भरी। उसे ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड कप से पहले टी-20 सीरीज खेलनी है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा- 'चयन समिति ने तय किया है कि शिमरन हेटमायर पारिवारिक कारणों के चलते ऑस्ट्रेलिया की पहले से तय यात्रा करने से चूक गए हैं। उनके अनुरोध पर टीम में बदलाव किया गया है। चूंकि उड़ानों की उपलब्धता एक वास्तविक चुनौती है। टीम 3 अक्टूबर को प्रस्थान कर गई है। ऐसे में हेटमायर दुर्भाग्य से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 अक्टूबर को मेट्रिकॉन स्टेडियम में पहला टी-20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेल सकेंगे। 25 साल के इस बल्लेबाज ने 3 अक्टूबर को सुबह क्रिकेट प्रबंधक को सूचित किया है कि वह दोपहर में न्यूयॉर्क जाने वाली अपनी उड़ान के लिए हवाई अड्डे पर समय पर नहीं पहुंच पाएंगे।'

क्रिकेट वेस्टइंडीज के क्रिकेट डायरेक्टर जिमी एडम्स ने कहा था- 'हेटमायर से कहा गया था कि यात्रा में 'किसी भी तरह की देरी' से उन्हें विश्व कप में अपनी जगह गंवानी पड़ेगी।' हमने CWI के निदेशक मंडल को सूचित किया है कि चयन समिति ने सर्वसम्मति से शिमरन हेटमायर की जगह शमर ब्रूक्स को टी20 विश्व कप टीम में शामिल करने का फैसला किया है।'

ब्रूक्स मेलबर्न में वर्ल्ड कप के दौरान टीम से जुड़ेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के शुरुआती मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेंगे। वे इस सप्ताह के अंत में उड़ान भरेंगे।

2023 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी

10 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट; 12 को भारत-पाकिस्तान मुकाबला

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2023 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी हो गया है। आईसीसी ने सोमवार देर रात वर्ल्ड कप के शेड्यूल का ऐलान किया। साउथ अफ्रीका 10 से 26 फरवरी के बीच लिमिटेड ओवर के सबसे बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। उसके तीन शहरों में प्रतियोगिता के मुकाबले खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट की शुरुआत 10 फरवरी को केपटाउन में मेजबान साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के मुकाबले से होगी। भारतीय टीम 12 फरवरी को अपने अभियान का आगाज चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। दोनों के बीच केपटाउन में ही मुकाबला खेला जाएगा। यहीं 26 फरवरी को फाइनल मुकाबला भी होगा।

शेड्यूल के अनुसार भारत को ग्रुप-2 में रखा गया है। उनके साथ इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और आयरलैंड को रखा गया है। टीम पाकिस्तान के अलावा 15 फरवरी को वेस्टइंडीज, 18 फरवरी को इंग्लैंड और 20 फरवरी को आयरलैंड का मुकाबला करेगी। प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में खेली जाएगी।

एशिया कप खेल रही है टीम इंडिया

विमेंस टीम इंडिया इस समय बांग्लादेश में टी-20 विमेंस एशिया कप खेल रही है। उसने लगातार दो मुकाबले भी जीत लिए हैं। उसने पहले मुकाबले में श्रीलंका को 41 रन और दूसरे मुकाबले में मलेशिया को 30 रन से हराया।

वर्षा बाधित दूसरे मैच में टॉस गंवाकर खेलने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 180 रन बनाए। जवाब में मलेशिया ने 5.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 30 रन बनाए थे। तभी बारिश शुरू हो गई और इसके बाद खेल संभव नहीं हो सका। डकवर्थ लुईस नियम के तहत टीम इंडिया को विजेता घोषित किया गया।

इस मुकाबले में शेफाली वर्मा और एस. मेघना के बीच 116 रन की पार्टनरशिप हुई। 69 रन बनाने वाली मेघना प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

इंग्लैंड में क्लीन स्वीप करके आई है टीम

भारतीय टीम सितंबर माह के अंत में इंग्लैंड में वनडे सीरीज जीतकर आई है। उसने अंग्रेजों को उनके घर में 3-0 से हराया था।

टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद बोले बुमराह

दुखी हूं...जैसे ही ठीक हो जाऊंगा, टीम इंडिया को चियर करूंगा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के कारण दुखी हैं। तेज गेंदबाज ने मंगलवार को अपनी चोट पर बयान दिया है।

28 साल के बुमराह ने एक सोशल पोस्ट में लिखा है- 'दुखी हूं...क्योंकि इस समय टी-20 वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन उन लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनसे मुझे शुभकामनाएं, देखभाल और सपोर्ट मिला। जैसे ही मैं ठीक हो जाऊंगा वैसे ही टीम इंडिया को चियर करूंगा।

एक दिन पहले सोमवार को बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने स्कैन रिपोर्ट आने के बाद उनके बाहर होने की पुष्टि की थी।

बुमराह पीठ में स्ट्रेस फ्रेक्चर से जूझ रहे हैं। माना जा रहा है कि उनको फिट होने में 4 से 6 महीने का समय लग सकता है। वे एशिया कप से भी बाहर थे।

सोशल पोस्ट में फैंस को कहा- 'शुक्रिया'

शमी-सिराज हो सकते हैं बुमराह का विकल्प

बोर्ड ने सीमित ओवर के सबसे बड़े टूर्नामेंट के लिए बुमराह के विकल्प की घोषणा नहीं की है, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को बुमराह की जगह टीम में चुना जा सकता है।

आवेश खान-उमरान मलिक पर भी सिलेक्टर्स की नजर होगी। बोर्ड ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा कि रिप्लेसमेंट की घोषणा जल्द की जाएगी। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में 7 विकेट चटकाए थे।

गांगुली के बयान ने फिर उम्मीदें जगाई थीं

5 दिन पहले भी बीसीसीआई I के एक अधिकारी ने बताया था कि बुमराह चोटिल होने के कारण वर्ल्ड कप खेलने ऑस्ट्रेलिया नहीं जा पाएंगे। इसके बाद बोर्ड प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने एक बयान में कहा था कि बुमराह अभी बाहर नहीं हुए हैं और डिटेल्ड रिपोर्ट आने और विशेषज्ञों से सलाह के बाद ही उन पर फैसला किया जाएगा। ऐसे में उनके वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीदें जागी थीं।

कोच राहुल द्रविड़ ने भी कहा था- 'जब तक एक्सपर्ट से बात नहीं होती, तब तक वे यह नहीं मानेंगे कि बुमराह वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था आखिरी मुकाबला

बुमराह ने अपना आखिरी टी-20 मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवर की सीरीज में खेला था। हैदराबाद में खेले गए 3 मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की थी।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरोन फिंच को यॉर्कर गेंद पर बोल्ड किया था। जिसके बाद खुद फिंच ने उनकी तारीफ की थी। हालांकि, अगले मैच में वो थोड़े महंगे रहे। उन्होंने 4 ओवर में 50 रन दे दिए थे और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

कतर में सबसे महंगा फुटबॉल वर्ल्ड कप

17 लाख करोड़ खर्च होंगे, सुरक्षा में फाइटर जेट्स

दोहा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। 20 नवंबर से कतर में फीफा वर्ल्ड कप शुरू होगा। इसमें 32 टीमें खेलेंगी। उम्मीद है कि 15 लाख फुटबॉल फैंस टूर्नामेंट देखने कतर पहुंचेंगे।

फीफा और मेजबान कतर वर्ल्ड कप में 17 लाख करोड़ रुपए खर्च करेंगे। ये फुटबॉल इतिहास का सबसे महंगा वर्ल्ड कप बताया जा रहा है। इसकी सुरक्षा में 24 फाइटर जेट्स लगाए जाएंगे।

2017 में कतर ने यूरोप की सबसे बड़ी सुरक्षा कंपनी से 24 फाइटर जेट्स और 9 अत्याधुनिक हॉक एमके-167 ट्रेनिंग जेट 65 हजार करोड़ रुपए में खरीदने का अनुबंध किया था। इसके अलावा अलग-अलग कंपनियों से हेलीकॉप्टर और उनमें लगने वाले सुरक्षा उपकरण भी सिर्फ वर्ल्ड कप के लिए खरीदे गए हैं। ब्रिटेन के 12 टाइफून स्क्वाड्रन कतर की सुरक्षा में तैनात रहेंगे। ब्रिटेन कतर को अपनी 2012 ओलिंपिक वाली विशेष सुरक्षा भी मुहैया कराएगा। कतर का नेशनल सिक्योरिटी सेंटर ड्रोन, सीसीटीवी और सेंसर के जरिए देश की निगरानी करेगा। मोरक्को-पाकिस्तान के सुरक्षा कर्मचारी भी कतर भेजने की चर्चा है। नाटो संगठन के देश भी इन टुकड़ियों की ट्रेनिंग और वीआईपी सुरक्षा मुहैया करवाने के लिए आगे आए हैं।

वर्ल्ड कप के लिए 20,000 से ज्यादा वॉलंटियर्स दो महीने पहले से कतर में जुटे हुए हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से ये वॉलंटियर्स लगभग 1300 घंटों से ज्यादा की विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं। ये लोग 160 से ज्यादा देशों से आकर कतर में इकट्ठे हुए हैं। इनमें 18 से लेकर 77 वर्ष तक की उम्र के लोग हैं।

फीफा के मुताबिक उसे कतर वर्ल्ड कप के वॉलंटियरिंग के लिए दुनियाभर से लगभग 4 लाख 20 हजार आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से पहली स्क्रीनिंग के बाद 58,000 लोगों का इंटरव्यू हुआ और 20 हजार वॉलंटियर्स को चुना। इन वॉलंटियर्स को इसके लिए कोई वेतन नहीं मिलता, बल्कि फीफा की ओर से सिर्फ रहने-खाने की व्यवस्था की जाती है। ये वॉलंटियर्स अलग-अलग स्टेडियमों में कम से कम 10 शिफ्टों में अलग-अलग डिपार्टमेंट में काम करेंगे।

टूर्नामेंट के दौरान इंग्लैंड के खिलाड़ी अल्कोहल-फ्री बीच रिसॉर्ट में रुकेंगे। जबकि जर्मनी की टीम वेलनेस रिट्रीट में ठहरेगी। बेल्जियम का बेस एक वॉटर पार्क रहेगा। बेल्जियम, पुर्तगाल जैसी अधिकांश टीमें राजधानी के आसपास स्टे करेंगी।

क्या फिर से रिंग में आने की तैयारी कर रहीं बॉक्सर मैरी कॉम?

जिम में जमकर बहाया पसीना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज मुक्केबाज और छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम इन दिनों जिम में जमकर पसीना बहा रही हैं। पिछले कुछ समय में मैरी कॉम बॉक्सिंग रिंग से गायब रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बाएं घुटने की सर्जरी कराई थी। अब वह फिर से रिंग में वापसी की तैयारी कर रही हैं। मैरी कॉम ने राष्ट्रीमंडल खेलों के ट्रायल में हिस्सा लिया था, लेकिन नीतू से हारकर सेमीफाइनल में बाहर हो गई थीं। अब यह महिला चैंपियन मुक्केबाज दूसरों को धूल चटाने के लिए फिर से मेहनत कर रही हैं। जून में राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल के दौरान 48 किग्रा वर्ग के मुकाबले के शुरुआती मिनटों में ही इस अनुभवी मुक्केबाज का घुटना मुड़ने के कारण चोटिल हो गया था। इसके बाद उन्होंने मुंबई के एक अस्पताल में सर्जरी कराई थी। इसकी तस्वीर भी सामने आई थी। चोट के कारण 39 साल की मैरी कॉम राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले पाईं थी जहां वह 2018 में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी थीं। मैरी कॉम ने पिछला टूर्नामेंट सोफिया बुल्गारिया में हुए स्ट्रेडजा कप में खेला था।इसके अलावा वह पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में भी खेली थीं, लेकिन प्री क्वार्टर फाइनल में हार गईं थी। मैरी कॉम को पद्म विभूषण से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा वह ओलंपिक का कांस्य पदक जीत चुकी हैं। मैरी कॉम ओलंपिक मेडल जीतने वाली पहली और इकलौती भारतीय महिला बॉक्सर हैं। उनके पास एशियन और कॉमनवेल्थ गोल्ड भी है। मैरी कॉम ने ज्यादातर मेडल उन्होंने मां बनने के बाद जीते हैं।

मैरी कॉम ने अपना अंतरराष्ट्रीय सफर 2001 में शुरू किया था। शुरुआत में वो अपनी शारीरिक ताक़त और सहन-शक्ति पर निर्भर रहती थीं, लेकिन आज वो अपनी स्किल्स पर ज्यादा भरोसा करती हैं। वह अकेली महिला हैं जो रिकॉर्ड छह बार वर्ल्ड एमेच्योर बॉक्सिंग चैंपियन रही हैं।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने जीती ईरानी ट्रॉफी

सौराष्ट्र को आठ विकेट से हराया; 29वां खिताब जीता

राजकोट, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेस्ट ऑफ इंडिया ने एक फिर ईरानी ट्रॉफी जीत ली है। उसने चार दिनी फाइनल मुकाबले में सौराष्ट्र को आठ विकेट से हराया है। यह रेस्ट ऑफ इंडिया का 29वां खिताब है। टीम के नाम टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है। इस जीत के हीरो मुकेश कुमार, कुलदीप सेन और सरफराज खान रहे। प्लेयर ऑफ द फाइनल चुने गए। राजकोट में फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन मंगलवार को सौराष्ट्र ने अपनी दूसरी पारी में 368/8 के स्कोर से आगे बढ़ाया। लेकिन, पुछल्ले बल्लेबाज टीम स्कोर में कुल 12 रन ही जोड़ सके और टीम 380 पर आउट हो गई। ऐसे में रेस्ट ऑफ इंडिया को आखिरी पारी में जीत के लिए 105 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे उसने अभिमन्यु (63*) के अर्धशतक की बदौलत दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्रीकर भरत नाबाद 27 रन बनाकर लौटे। इससे पहले, मध्यप्रदेश के तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और सौरव कुमार ने कमाल की गेंदबाजी की। कुलदीप ने 5 विकेट लिए। जबकि सौरव को तीन विकेट मिले। मुकेश कुमार और जयंत के हिस्से भी एक-एक विकेट आए। सौराष्ट्र की ओर से शेल्डन जैकशन ने 50 और अर्पित ने 55, प्रेरक मांकड़ ने 72 और कप्तान जयदेव उनादकट ने 89 रनों की अर्धशतकीय पारियां खेलकर न केवल स्कोर 380 पहुंचाया था। बल्कि गेम में अपनी टीम की वापसी भी कराई।

जसप्रीत बुमराह वर्ल्ड कप से बाहर

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने स्कैन रिपोर्ट देखने के बाद लिया फैसला, रिप्लेसमेंट की घोषणा जल्द होगी

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमाम अटकलबाजियों के बीच अब यह कन्फर्म हो गया है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया में इसी महीने शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने सोमवार को प्रेस रिलीज जारी कर बुमराह के बाहर हो जाने की सूचना दी है। बोर्ड की मेडिकल टीम ने स्कैन रिपोर्ट आने के बाद बुमराह के बाहर होने की पुष्टि की। यह फैसला चोट का मूल्यांकन करने और विशेषज्ञों की राय लेने के बाद लिया गया।

वर्ल्ड कप के लिए बुमराह के रिप्लेसमेंट की घोषणा जल्द की जाएगी। बुमराह पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर से जूझ रहे हैं। माना जा रहा है कि उनको फिट होने में 4

से 6 महीने का समय लग सकता है।

गांगुली के बयान के बाद अटकलबाजी बढ़ी

चार दिन पहले भी बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भास्कर को बताया था कि बुमराह चोटिल होने के कारण वर्ल्ड कप खेलने ऑस्ट्रेलिया नहीं जा पाएंगे, लेकिन इसके बाद बोर्ड प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने बताया कि बुमराह अभी बाहर नहीं हुए हैं और डिटेल्ड रिपोर्ट आने और विशेषज्ञों से सलाह के बाद ही उन पर कोई फैसला किया जाएगा। कोच राहुल द्रविड़ ने भी कहा था कि जब तक एक्सपर्ट से बात नहीं होती, तब तक वे यह नहीं मानेंगे कि बुमराह वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे।

जसप्रीत बुमराह पूरे एशिया कप से बाहर रहे थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीन मैचों की टी-20 सीरीज में उनकी वापसी हुई थी। यहां भी वो पहला मुकाबला नहीं खेल पाए थे। दूसरे मैच में उन्हें मौका मिला और उन्होंने शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरोन फिंच को यॉर्कर गेंद पर बोल्ड किया था। जिसके बाद खुद फिंच ने उनकी तारीफ की थी। इसके अगले मैच में वो थोड़े महंगे साबित हुए थे।

जयपुर में आज पठान-गंभीर की भिड़ंत : गुजरात को हराकर फाइनल में भीलवाड़ा किंग्स; इंडिया कैपिटल्स से होगा मुकाबला

जोधपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर में लीजेंड्स क्रिकेट लीग के तीसरे और आखिरी मैच में भीलवाड़ा किंग्स ने धमाकेदार जीत हासिल की। 195 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भीलवाड़ा किंग्स की टीम के बल्लेबाजों ने जबरदस्त जोश दिखाया। विलियम पोर्टरफील्ड एक बार फिर फार्म में नजर आए। उन्होंने 43 बॉल में 60 रनों की बेहतरीन पारी खेली। साथ ही मोर्ने वानविक ने 18 गेंदों में 31 रन बनाए। युसूफ पठान 11 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हो गए। इरफान पठान ने भी 22 रनों की उपयोगी पारी खेली। सबसे बेहतरीन तेज तर्रार पारी शेन वाटसन ने खेली। उन्होंने 24 गेंद पर शानदार 48 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। भीलवाड़ा ने यह लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया।

अपने आखिरी चरण में लीग

रोमांचक दौर में रहा। इंडिया कैपिटल्स पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी है। फाइनल में दूसरी टीम भीलवाड़ा किंग्स बन गई है। अब 5 अक्टूबर को जयपुर में इरफान पठान की कप्तानी में भीलवाड़ा किंग्स और गौतम गंभीर की टीम इंडिया कैपिटल्स आमने-सामने होंगी।

जोधपुर स्टेडियम में आज भीलवाड़ा किंग्स टीम की ओनर कंपनी एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप की कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन प्रेसिडेंट इंदु मेहता पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने भास्कर से बातचीत की। इंदु मेहता बोलीं -राजस्थान में फाइनल है और भीलवाड़ा टीम जीते तभी बात बनेगी।

इंदू मेहता ने कहा कि टीम मैदान में खेलती है, लेकिन हम बॉक्स में बैठे उस भावनाओं को जीते हैं। उन्होंने टीम के सभी खिलाड़ी को बहुत बेहतर बताया और कहा कि जिस भावना से खिलाड़ी खेल रहे हैं, यह लीग भी बहुत रोचक होने वाली है। उन्होंने बताया कि पहली बार किसी क्रिकेट टीम को खरीदा है इसलिए एक्साइटमेंट ज्यादा है।

महिलाओं के लिए रोल मॉडल बनी आईएएस अधिकारी

अतिरिक्त कलेक्टर ने सरकारी अस्पताल में दिया अपने बच्चे को जन्म

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु की अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), इला त्रिपाठी ने सोमवार रात यहां के सरकारी क्षेत्र के अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया, जिससे साबित होता है कि तेलंगाना की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में माताओं का भरोसा होगा।

जिला कलेक्टर भावेश मिश्रा की पत्नी त्रिपाठी को दोपहर में प्रसव पीड़ा शुरू होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजीवैया की देखरेख में डॉक्टरों की एक टीम ने नॉर्मल डिलीवरी का प्रयास किया। अधीक्षक ने कहा कि हम नर्मल में डिलीवरी नहीं करा सके, क्योंकि बच्चे का वजन अधिक था और हमें सी-सेक्शन करना पड़ा। स्त्री रोग विशेषज्ञ श्रीदेवी, लावण्या, संध्यारानी और विद्या ने सर्जरी की। अधीक्षक ने कहा कि बच्चे का वजन 3.4 किलोग्राम है और मां और बच्चे दोनों ठीक हैं। आईएएस दंपत्ति अपने कृत्य से जिले के लोगों के लिए रोल मॉडल बन गए, जिससे पता चलता है कि प्रसव के लिए निजी अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं है।

जब से उन्होंने जिलाधिकारी का पदभार संभाला है, भावेश मिश्रा गरीब लोगों के लाभ के लिए क्षेत्र के अस्पताल में सुविधाओं और सेवाओं के सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। लखनऊ से 2017 बैच की आईएएस अधिकारी इला त्रिपाठी ने पहले अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), मंचेरियल के रूप में काम किया था। सिविल सेवाओं में शामिल होने से पहले एक आईटी इंजीनियर, त्रिपाठी कुछ पुस्तकों के लेखक और सिविल सेवा उम्मीदवारों के लिए एक संरक्षक भी हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने अतिरिक्त कलेक्टर को बधाई दी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने मुलुगु जिला की अतिरिक्त कलेक्टर इला त्रिपाठी को भूपालपल्ली के जिला क्षेत्र के अस्पताल में बच्चे को जन्म देने पर बधाई दी है। जानकारी मिलने पर, स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेफॉर्म पर उन्हें बच्चे को जन्म देने के लिए सरकारी अस्पताल चुनने के लिए बधाई दी और अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्वीट किया, "जिला क्षेत्र के अस्पताल में बच्चे को जन्म देने पर अतिरिक्त कलेक्टर को बधाई। यह बहुत गर्व की बात है कि सीएम केसीआर के कुशल नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा लोगों की पहली पसंद बन गया। इला त्रिपाठी ने सोमवार रात यहां के भूपालपल्ली सरकारी क्षेत्र के अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया। वह जिला कलेक्टर भावेश मिश्रा की पत्नी भी हैं।

भाजपा नेताओं ने सीईओ को लिखा पत्र

मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र में केंद्रीय बल तैनात करने की मांग

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एन इंद्रसेना रेड्डी, राज्य भाजपा महासचिव डी. प्रदीप कुमार, राज्य इकाई के सचिव डॉ. एस. प्रदीप कुमार, के. एंथनी रेड्डी और सोमांची वेंकटेश्वरलू ने तेलंगाना राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने बताया कि मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारी आदर्श आचार संहिता के विपरीत अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करके भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं, इसलिए वे केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि स्थानीय पुलिस, विशेष रूप से सर्किल इंस्पेक्टर और उससे नीचे के रैंक से, भाजपा कैडर को निशाना बना रही है और उन्हें परेशान कर रही है और धमकी दे रही है कि यदि वे भाजपा के पक्ष में प्रचार करते हैं तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के पुलिस अधिकारी पक्षपातपूर्ण कार्य कर रहे हैं और भाजपा कैडर को हर संभव तरीके से परेशान कर रहे हैं और दूसरी ओर टीआरएस पार्टी की उम्मीदवारी का समर्थन कर रहे हैं, जो कि आदर्श आचार संहिता के दौरान अत्यधिक अवैध और मनमानी है। यह भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है जिसकी अनुमति नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात चक्कर लगा रहे हैं और भाजपा उम्मीदवार और भाजपा कार्यकर्ताओं के जीवन को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रचार के दौरान भी टीआरएस पार्टी को समर्थन देने के लिए वे समय-समय पर हमारे अभियान में बहुत परेशानी पैदा कर रहे हैं और हमारे अभियान में बाधा डाल रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने आगे कहा कि इस तरह की गतिविधि लोकतंत्र के लिए एक चुनौती और खतरा है और इसे नियंत्रित करने के लिए हर शक्ति रखने वाला अधिकार होने के नाते, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप तत्काल कार्रवाई करें और 93-मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय बलों को तैनात करें, ताकि अवैध आक्रामक गतिविधि को रोका जा सके।

टीआरएस नेता ने फ्री में बांटा चिकन-शराब

वरंगल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीआरएस नेता की ओर से स्थानीय लोगों को शराब की बोतलें और चिकन बांटने का मामला सामने आया है। तेलंगाना के सीएम केसी राव आज राष्ट्रीय पार्टी लॉन्च कर रहे हैं। इस मौके पर टीआरएस नेता राजनाला श्रीहरि ने 200 चिकन और 200 शराब की बोतलें खरीदीं और उन्हें 200 कुलियों को बांट दिया। दरअसल, श्रीहरि और उनकी टीम ने सोमवार को वारंगल में कुलियों को एक सभा के लिए बुलाया, जहां तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव और राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री के.टी. रामा राव के कटआउट खड़े किए गए। इस दौरान श्रीहरि ने कहा कि दशहरे के अवसर पर सीएम केसीआर की ओर से लॉन्च की जाने वाली राष्ट्रीय पार्टी के लिए प्रार्थना की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पहले भी केसीआर के प्रधानमंत्री बनने के लिए और केटीआर के प्रदेश पार्टी अध्यक्ष बनने के लिए विशेष पूजा की गई थी।

एनजीटी ने कचरा प्रबंधन में कोताही के चलते तेलंगाना पर 3800 करोड़ का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने ठोस और तरल कचरे के उपचार में विफल रहने पर तेलंगाना सरकार पर 3,800 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा हाल ही में पारित आदेश में कहा गया है, कुल मुआवजा 3825 करोड़ रुपये आता है, या कहें (कुल मिलाकर) 3,800 करोड़ रुपये, जिसे तेलंगाना राज्य द्वारा दो महीने के भीतर एक अलग रिंग-फेन्ड खाते में जमा किया जा सकता है, जिसे प्रमुख के निर्देशों के अनुसार संचालित किया जाएगा। 2014 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार हरित न्यायालय ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दे से निपट रहा है। ट्रिब्यूनल ने तेलंगाना सरकार को एक संचालन तंत्र तैयार करने का भी निर्देश दिया। राज्य के बजट के अनुरूप बहाली के लिए लगाए गए पर्यावरणीय मुआवजे और पुष्टि स्थलों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए बिना देरी के निष्पादन में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

ट्रिब्यूनल ने कहा, मुख्य सचिव सीवरेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में अंतराल को पाटने और जिला स्तर पर स्टॉक लेने की स्थापना में प्रगति का नियमित रूप से आकलन करने के लिए एसीएस के पद पर एक वरिष्ठ नोडल अधिकारी को नामित करने पर विचार कर सकते हैं।

मौजूदा और आगामी एसटीपी को उद्योगों के साथ जोड़ने की जरूरत है। उपचारित सीवेज का उपयोग कृषि/बागवानी में किया जा सकता है। लिगेसी अपशिष्ट स्थलों का उपचार करने और अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के लिए उपयोग किए जाने वाले क्षेत्रों को फिर से हासिल करने की जरूरत है, ताकि कचरे का निपटान दिन-प्रतिदिन किया जा सके।

एक बयान में कहा गया है कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में निष्पादन योजना में आवश्यक अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना और बचे हुए स्थलों का उपचार शामिल होगा।

जैव-उपचार/जैव-खनन प्रक्रियाओं को सीपीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार निष्पादित करने की जरूरत है और बायोमाइनिंग के साथ-साथ खाद संयंत्रों से स्थिर जैविक कचरे को निर्धारित विनिर्देशों का पालन करने की जरूरत है। इसके अलावा, ट्रिब्यूनल ने मुख्य सचिव को इस मुद्दे की सत्यापन योग्य प्रगति के साथ छह मासिक प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

आंप्र राज्यपाल ने विजयादशमी पर लोगों को बधाई दी

विजयवाड़ा, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने 5 अक्टूबर को "विजया दशमी" उत्सव के अवसर पर आंध्र प्रदेश के लोगों को "विजय दशमी उत्सव के सुखद और आनंदमय अवसर पर हार्दिक बधाई दी। नवरात्रि त्योहार धर्म की सर्वोच्चता और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव की परिणति का प्रतीक है। मैं देवी मां दुर्गा से प्रार्थना करता हूं कि दशहरा उत्सव के इस खुशी और उत्सव के अवसर पर हम सभी पर अपना आशीर्वाद बरसाएं।

सरकार ने भद्रकाली मंदिर के विकास के लिए 20 करोड़ रुपये मंजूर किए

हनमकोंडा, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के ऐतिहासिक भद्रकाली मंदिर में माडवीधुलु के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 20 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। वारंगल पश्चिम विधायक दस्यम विनय भास्कर के प्रयासों के सौजन्य से सोमवार को इस आशय का एक आदेश (जी.ओ.आर.टी.सं.290) जारी किया गया। 'माडवीधुलु' के निर्माण से मंदिर में राधा यात्रा निकाली जा सकेगी। हनमकोंडा जिला कलेक्टर ने अनुमान लगाया कि 'माडवीधुलु' के निर्माण के लिए 30 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी और सरकार से अनुरोध किया कि मंदिर में 'शाकंबरी उस्तावलु' के मद्देनजर इसे मंजूरी और जारी की जाए।

इसके बाद, सरकार ने विशेष विकास कोष (एसडीएफ) से 20 करोड़ रुपये मंजूर किए, और काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण (कुडा) भी इसके लिए 10 करोड़ रुपये प्रदान करने के लिए आगे आए। अब जिला कलेक्टर, हनमकोंडा, बंदोबस्ती विभाग के परामर्श से कार्यों को धरातल पर उतारने के उपाय करेंगे, और आदेश के अनुसार कार्यों की प्रगति के आधार पर एसडीएफ फंड जारी किया जाएगा।

मंदिर के लिए 10 करोड़ रुपये से नौ मंजिला राजगोपुरम का निर्माण भी किया जाएगा और माडवीधुलु के निर्माण से वीआईपी, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को अपने वाहनों पर मंदिर तक पहुंचने में सुविधा होगी। यह ग्रेटर वारंगल के लोगों के लिए एक दशहरा उपहार है, विनय भास्कर ने कहा। अधिकारियों द्वारा मंदिर के विकास के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पहले ही तैयार कर ली गई है। भद्रकाली मंदिर के मुख्य पुजारी शेषु ने कहा कि माडवीधुलु और राजगोपुरम के निर्माण से मंदिर को पूर्ण आकार प्राप्त करने में मदद मिलेगी। शेषु ने कहा कि राजगोपुरम के पूरा होने के बाद, इसे बड़े वारंगल शहर के सभी हिस्सों से देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने भद्रकाली मंदिर का दौरा किया था और 2016 में देवी भद्रकाली को 3.65 करोड़ रुपये का स्वर्ण मुकुट भेंट किया था।

हैदराबाद में 5-7 अक्टूबर से बारिश का पूर्वानुमान

येलो अलर्ट जारी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग, हैदराबाद ने शहर में बुधवार से अगले तीन दिनों तक मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। नागरिकों को सतर्क रहने का संकेत देते हुए एक येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार, राज्य की राजधानी में आम तौर पर बादल छाए रहेंगे, हल्की से मध्यम बारिश / गरज के साथ बौछारें, कभी-कभी 5 से 8 अक्टूबर को तीव्र बारिश की संभावना है।

आईएमडी का कहना है कि बुधवार से राज्य के सभी जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

अगले दो दिनों के लिए किये गये पूर्वानुमान के अनुसार 5 अक्टूबर को रंगारेड्डी, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यादाद्री भुवनगिरी और नागरकुरनूल सहित जिलों में भारी बारिश की संभावना है। तेलंगाना के कई जिलों में छिटपुट स्थानों पर बिजली गिरने के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

6 अक्टूबर को आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जगत्याल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली और सिद्दीपेट सहित जिलों में भारी बारिश की संभावना है। तेलंगाना के कई जिलों में छिटपुट स्थानों पर बिजली गिरने के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने लोगों को दी दशहरे की बधाई

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन तथा मुख्यमंत्री केसीआर ने बुधवार को विजयादशमी महोत्सव के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई दी।

राज्यपाल ने एक संदेश में कहा कि विजयादशमी के पावन अवसर पर मैं तेलंगाना के लोगों को हार्दिक बधाई देती हूं। नवरात्रि का त्योहार हमारी खुशी और उल्लास की भावना को नवीनीकृत करता है। त्योहार का मुख्य संदेश बुराई पर अच्छाई की जीत है और इस संदेश की चिरस्थायी प्रासंगिकता है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से मिले संदेश में यह भी बताया गया है कि सत्य की ही जीत हमारा राष्ट्रीय विश्वास है और त्योहार मनाते समय, हमें सामूहिक रूप से पर्यावरणीय खतरों सहित सभी बुराइयों से लड़ने और हरियाली और साफ-सुथरा पड़ोस बनाने का प्रयास करना होगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.